काशी किर्तन

श्री हनुमानजी महाराज

अनुक्रमणिका

अनु.	भजन	पेज नं.
	श्री गणेशजी भजन	
१	गाईये गणपती जग वंदन	१
२	गजानन्द सरकार पधारो	२
३	म्हारा किर्तन में रस बरसाओ	३
४	गजानन आओ निर्धन द्वार	४
५	मेरे लाड़ले गणेश प्यारे प्यारे	५
६	देवा हो देवा गणपति देवा	६
७	घर मे पधारो गजाननजी	७
८	थांसु विनंती बारंबार	८
९	गणपती ने मनावा	९
१०	पहले पूज्य गणेश को	१०
	श्री हनुमानजी भजन	
१	श्री हनुमान चालीसा	११
२	थारै झॉंझ नगारा बाजे रे	१३
३	दुनिया रचनेवाले को, भगवान कहते है	१४
४	जब जब भी इसे पुकारा	१५
५	आज तुम्हारा उत्सव बाबा	१६
६	हनुमान को खुश करना	१७
७	कै बजरंग बाला ने	१८
८	छम छम नाचे	१९
९	एक से एक काम कर डाले	२०
१०	हे मारूती सारी राम कथा	२१
११	पवन पुत्र हनुमान, बाबा मेरे संकट हरो	२२
१२	सारे मोहल्ले मे हल्ला हो गया	२३
१३	पार न लगोंगे, श्रीराम के बीना	२४
१४	बाबा की किरपा	२५
१५	आना पवनकुमार	२६
१६	बालासा थाने कौन सजायो जी	२७
१७	जिसका हर एक मोती	२८
१८	रामभगत हनुमान	२९
१९	हे हनुमान जी प्रभु से एक काम	३०

अनु.	भजन	पेज नं.
२०	बालाजी और खाटु श्याम	३१
२१	भगत सब नाचो रे	३२
२२	बजरंग बली तुम रघुवर से	३३
२३	मुझे पास बुलालो बजरंगी	३४
२४	भजले भाई साँझ सवेरे	३५
२५	है बलकारी और ब्रम्हचारी	३६
२६	दुनिया में देव हजारो है	३७
२७	जय हो जय हो तुम्हारी	३८
२८	वीर हनुमाना	३९
२९	न जाने किसने बिलमाए	४०
३०	लाल लंगोटा थारै हाथ में सोटा	४१
३१	हो बजरंग बाला	४२
३२	हे दु:ख भंजन	४३
३३	बालाजी आंगणिये थे आओ	४४
३४	श्री बजरंग बाण	४५
३५	राम लक्ष्मण के संग जानकी....	४८
३६	बजरंग बाला माँ अंजनी के लाला	४९
३७	ना स्वर है न सरगम	५०
	श्रीरामजी भजन	
१	जंगल होता यदि मन मेरा	५१
२	श्री राम नाम सार है	५२
३	अरे मैं भटक्यो देश विदेश	५३
४	जिस भजन में राम	५४
५	सीताराम सीताराम	५५
६	मंगल भवन, अमंगल हारी	५६
७	रामजी की निकली सवारी	५७
८	मतवाला हो जा राम की भजनियाँ में	५८
९	श्रीराम जानकी बैठे है	५९
१०	तेरे द्वार खड़ा भगवान	६०
११	तेरे हिरे जैसी श्वासा	६१

अनु.	भजन	पेज नं.
१२	कभी राम बनके, कभी श्याम बनके	६२
१३	दुनियाँ चले ना	६३
	श्री शंकरजी भजन	
१	श्री रुद्राष्टकम्	६४
२	हे भोळया शंकरा	६५
३	सुबह सुबह ले शिव का नाम	६७
४	सज रहे भोले बाबा	६८
५	एक दिन वो भोले भंडारी	६९
६	ऐसी सुबह न आए, आए न ऐसी शाम	७०
७	काशी नगरी प्यारी	७१
८	ओम बम बम भोले नाथ नांदिया साथ	७२
९	चंदन चांवल बेल की पत्तियाँ	७३
१०	जय जय शिवशंकर बम भोले	७४
११	देखो जी भोला ना दरवाजा खोला ना	७५
१२	महाकाल की नगरी में	७६
१३	डमरू बजाये अंग भस्मी	७७
१४	तेरा पल पल बीता जाय	७८
१५	कैलास के निवासी	७९
१६	आया सावन सुहाना	८०
१७	भोला भांग तुम्हारी	८१
१८	कब से खड़े हैं...	८२
	श्री कृष्णजी भजन	
१	मेरे सिर पर रख दो बाबा	८३
२	आओ कन्हैय्या आओ मुरारी	८४
३	जिनके सिर पर श्याम प्यारे	८५
४	छोटी सी थारी आँगली	८६
५	थाने परदे में	८७
६	फुलों मे सज रहे है	८८
७	राधा की पायल	८९

अनु.	भजन	पेज नं.
८	होलीया में उड़े रे गुलाल	९०
९	राधिका गोरी से	९१
१०	हर साँस में हो सुमिरन तेरा	९२
११	राधा के मन में	९३
१२	अच्यूतम्, केशवम्	९४
१३	श्याम मुरली तो बजाने आओ	९५
१४	आज्यो जी म्हारे देश	९६
१५	पलके ही पलके	९७
१६	क्यो भटके मन बाँवरे	९८
१७	झुक गए बड़े बड़े सरदार	९९
१८	जिस देश में, जिस भेष में	१००
१९	नौकर रखले साँवरे	१०१
२०	लाला जनम सुन आई	१०२
२१	राधे गोपाला गोपी गोपाला	१०३
२२	गोकुल की हर गली में	१०४
२३	अजब हैरान हुँ भगवन	१०५
२४	थाली भरकर लाई खीचड़ों	१०६
२५	मेरा श्याम बड़ा रंगीला	१०७
२६	मन में तो आए भोग लगाऊँ	१०८
२७	चापत चरण करत नित सेवा	१०९
२८	ओ खाटू वाले बाबा	११०
२९	कीर्तन की है रात	१११
३०	श्याम तेरी बंसी पुकारे राधा नाम	११२
३१	नंदरानी कन्हैया जबर....	११३
३२	मुझे चरणों से....	११४
३३	तुम मेरे जीवन के धन हो	११५
३४	मेरा छोटा सा परिवार	११६
३५	जी लेंगे सरकार	११७
३६	राधा ढूंढ रही	११८
३७	भरदे रे श्याम झोली भरदे	११९

अनु.	भजन	पेज नं.
३८	जैसा चाहो मुझको समझना	१२०
३९	रोती ऑखे रोने दे	१२१
४०	दिवाना राधे का.....	१२२
४१	मेरा एक साथी है	१२३
४२	दर्शन दो घनश्याम	१२४
४३	यशोमती मैय्या से	१२५
४४	जगत के रंग क्या देखू	१२६
४५	मेरी बॉह पकड़ ले रे	१२७
४६	जरा इतना बात दे कान्हा	१२८
४७	ओ सांवरे, ओ सांवरे	१२९
४८	रोज मेरी खिड़की से	१३०
४९	छोटी सी किशोरी मेरे अंगना में डोले रे	१३१
५०	श्याम तुमसे मिलने का	१३२
५१	एक अर्ज मेरी सुनलो	१३३
५२	अरे द्वारपालों	१३४
५३	करते हो तुम कन्हैया मेरा नाम हो रहा है	१३५
५४	मीठे रस से भरोड़ी	१३६
५५	तेरी मुरली की धुन	१३७
५६	ऐसी मस्ती कहॉ मिलेगी	१३८
५७	श्याम देने वाले है हम	१३९
५८	गिरधर मेरे मौसम आया	१४०
५९	जाने वाले एक संदेशा	१४१
६०	जिस दिन ऐ मुरलीवाले	१४२
६१	आज बिरज मे होरी	१४३
६२	अजब हैरान हुॅ भगवान	१४४
६३	श्याम हमारे दिल से पूछो	१४५
६४	सावन का महिना, घटाएॅ घनघोर	१४६
६५	मेरे दिनानाथ तेरे लाखो है नाम	१४७
६६	खाटु के कण कण मे बसेरा	१४८
६७	घनश्याम म्हारा हृदया में बस जाओ	१४९

अनु.	भजन	पेज नं.
	श्री दुर्गाजी भजन	
१	प्यारा सजा है, तेरा द्वार भवानी	१५०
२	खेल पंडा	१५१
३	तु कितनी अच्छी है	१५२
४	पग पग ठोकर खाऊँ	१५३
५	मैय्या तुमको मनाऊँ देवी शारदा	१५४
६	ऐसा प्यार बहा दे मैय्या	१५५
७	बिगड़ी मेरी बना दे	१५६
८	झुलना झुला दो मेरी माँ	१५७
९	मैं बालक तु माता शेरावालिएँ	१५८
१०	मेहंदी रचे थारै हाथा में	१५९
११	तुने मुझे बुलाया शेरावालिएँ	१६०
१२	बेटा बुलाए झट दौड़ी चली आए माँ	१६१
१३	दुर्गा है मेरी माँ	१६२
१४	मैय्या का चोला है रंगला	१६३
१५	दे दे थोड़ा प्यार मैय्या	१६४
१६	चलो बुलावा आया है	१६५
१७	काली काली, अमावस की रात में	१६६
१८	मै तो लाया हूँ दाने अनार के	१६७
१९	ल्याया थारी चुनरी	१६८
२०	शेर पे सवार होके	१६९
२१	मैय्याजी तेरे नाम से	१७०
२२	मैय्या नव दिन विराजती	१७१
२३	पंखिडा... ओ पंखिड़ा	१७२
२४	हमें शरण में ले लो माँ	१७३
२५	कभी फुरसत हो तो जगदंबे	१७४
२६	महामाई महामाई	१७५
२७	ओ जंगल के राजा	१७६
२८	लईयो आरती हमारी स्वीकार	१७७
२९	आई सिंह पे सवार	१७८

अनु.	भजन	पेज नं.
३०	भक्तो को दर्शन दे गई रे	१७९
३१	हे नाम रे, सबसे बड़ा तेरा नाम	१८०
३२	बैठी लगाके दरबार	१८१
३३	शंकर चौड़ा रे	१८२
३४	मेरी मैय्या ने कैसी सौगात दे दी	१८३
३५	आयो आयो नवरात्री त्यौहार	१८४
३६	माँ के दर पे सर झुका के	१८५
३७	पंडा कराये रहे पुजा	१८६
३८	छुम छुम छनन बाजे	१८७
३९	यहाँ वहाँ, जहाँ तहाँ	१८८
	मिश्रित भजन	
१	खम्मा खम्मा हो रामा	१८९
२	सांईनाथ तेरे हजारो हाथ	१९०
३	गुरुदेव दया करके	१९१
४	दमादम मस्त कलंदर	१९२
५	बंद कर खिड़की भले ही द्वार	१९३
६	जीते लकड़ी मरते लकड़ी	१९४
७	बलीहारी छत्तरधारी	१९५
८	ऐ मालिक तेरे बंदे हम	१९६
९	मात पिता गुरू प्रभु...	१९७
१०	शिर्डी वाले सॉईबाबा	१९८
	देशभक्ति भजन	
१	कर चले हम फिदा	१९९
२	ए मेरे वतन के लोगों	२००
३	ये देश है वीर जवानों का	२०१
४	मन धीर धरो	२०२
५	अब सौंप दिया इस जीवन का	२०३
६	तुम्ही हो माता पिता तुम्ही हो	२०४

अनु.	भजन	पेज नं.
	आरतीयाँ	
१	भए प्रगट कृपाला	२०५
२	श्री जगदीशजी की आरती	२०६
३	छप्पन भोग	२०७
४	श्री हनुमानजी की आरती	२०८
५	श्रीरामचंद्र कृपालु भजमन	२०९
६	श्री कुँजबिहारीजी की आरती	२१०
७	श्री गणेशजी की आरती	२११
८	श्री गणपतिजी की आरती	२१२
९	श्री गणपतिजी की आरती	२१३
१०	श्री शंकरजी की आरती	२१४
११	श्री दुर्गाजी की आरती	२१६
१२	श्री रामायणजी की आरती	२१८
१३	श्री महालक्ष्मीजी की आरती	२१९
१४	श्री रामदेवजी की आरती	२२०
१५	॥ श्री गणेशस्तुतिः ॥	२२१
१६	॥ श्री विष्णुस्तुतिः ॥	२२१
१७	॥ श्री रामस्तुतिः ॥	२२१
१८	॥ श्री महावीरस्तुतिः ॥	२२१
१९	॥ श्री शिवस्तुतिः ॥	२२१
२०	॥ श्री गणेश वंदना ॥	२२२
२१	॥ श्री दुर्गास्तुतिः ॥	२२२
२२	॥ श्री लक्ष्मीस्तुतिः ॥	२२२
२३	॥ श्री सरस्वतीस्तुतिः ॥	२२२
२४	॥ श्री कृष्णस्तुतिः ॥	२२२
२५	कर्पूरारती	२२३
२६	क्षमा प्रार्थना	२२३
२७	मंत्र पुष्पांजली	२२४
२८	विश्वकल्याण के लिए प्रार्थना ॥	२२४

गाईये गणपती जग वंदन

गाईये गणपती जग वंदन ।
शंकर सुवन–भवानी के नंदन ।।

सिध्दी सदन गज–बदन विनायक ।
कृपा सिंधु, सुंदर सबलायक ।।
गाईये .....

मोदकप्रिय, मृदू मंगल दाता ।
विद्या बारिधी बुध्दी विधाता ।।
गाईये .....

मॉगत तुलसीदास कर जोरे ।
बसही राम सिय मानस मोरे ।।
गाईये .....

गजानन्द सरकार पधारो

दोहा – विनती थांसू गणपती, करां सकल नरनार
बेगा आओ आंगण, सज्यो बजरंग दरबार

गजानन्द सरकार पधारो, कीर्तन की बस त्यारी है
आओ आओ, बेगा आओ, चाव दरश को भारी है

थे आओ जद, काम बणैला, थां पर सारी बाजी है
रणतं भंवरगढ़, वाता सुणल्यो, चिन्ता म्हारे लागी है
देर करो मत, ना तरसाओ, चरणां अरज हमारी है
गजानन्द सरकार.....

रिध्दि सिध्दि संग आओ विनायक, दो दर्शन थारे भगतां ने
भोज लगावां, धोक लगांवा, पुष्प चढ़ावां चरणा में
गजानन्द, थारे हाथां में, अब तो लाज हमारी है
गजानन्द सरकार.....

भगतां की तो, विनती सुणली, शिव सुत प्यारो आयो है
जय जयकार, करो गणपती की, आकर मन हरषायो है
बरसैलो रस, अब भजनां में, भक्तों की महिमा न्यारी है
गजानन्द सरकार.....

म्हारा किर्तन मे रस बरसाओ

म्हारा किर्तन मे रस बरसाओ
आओ जी गजानन आओ

ॐ गण गण पतये नमो नमः
श्री सिध्दि विनायक नमो नमः
श्री अष्ट विनायक नमो नमः
श्री गणपती बप्पा मोरया

थे पार्वती रा जाया, शंकर सुत आप कहाया
थे तो मूषक पर चढ़ आओ, जी चढ़ आओ
आओ जी गजानन आओ

फूलों से झाँकी सजांवा, लड्डुवन से भोग लगावा
थे तो मोदक भोग लगाओ, जी लगाओ
आओ जी गजानन आओ

थे रणत भंवर से आओ, रिध्दी-सिध्दी न संग में लाओ
भगता रौ मान बढाओ, जी बढाओ
आओ जी गजानन आओ

सखीयाँ सेवा मे आवां, सब मिलकर भोग लगावां
भंडार भरण ने आओ, जी आओ
आओ जी गजानन आओ

गजानन आओ निर्धन द्वार

गजानन आओ निर्धन द्वार, गजानन आओ निर्धन द्वार
नर नारी सब विनती करे रे प्रभु, भर दो भव भंडार ॥

बुध्दि विधाता ज्ञान के दाता, अन्न धन दो भरपूर
हम सब मिलकर विनती करे रे प्रभु, भर दो भव भंडार ॥
गजानन आओ .....

कोई चढावे पान फूल प्रभु, कोई रे चढ़ावे तोहे मेवा
हम निर्धन के कछु नही संग में, तो विनंती करे रे दिन रात ॥
गजानन आओ .....

ना संग को साथी मेरे प्रभुजी, ना कोई मेरे साथ
एक आस प्रभु तोहरी मुझको, रखीयो रे लाज हमार ॥
गजानन आओ .....

शंकर सुवन भवानी के नंदन, मै सुमरु दिन रात
मो निर्धन की लाज को तो प्रभु, रखीयो रे बारंबार ॥
गजानन आओ .....

दूर-दूर से आये रे यात्री, दूर ही उनको धाम
सबके मन की कामना तो प्रभु, पूर्ण करो तत्काल ॥
गजानन आओ .....

निर्धन निर्बल विनती करे रे प्रभु, सुनलो ध्यान लगाये
शरणागत की लाज को तो प्रभु, रखियो रे बारंबार ॥
गजानन आओ .....

मेरे लाडले गणेश प्यारे-प्यारे

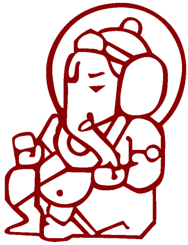

मेरे लाडले गणेश प्यारे–प्यारे, शिवगौरा के आँखो के तारे
अब सभा बीच में आ जाना – आ जाना

तेरी मूरत प्यारी प्यारी, कोटी सूर्यो का तुझमे ऊजाला
सोहे अंग मे पीला पितांबर, गले मे सोहे मोतियन की माला
प्यारा सजा श्रृंगार, जाँऊ मै तो बलीहार २
मुझे दर्शन अब तो करा जाना
मेरे लाडले ...

तेरा नाम है विघ्नविनासक, संकट मे है जिसने भी ध्याया
पल मे सब संकट कांटे, उसे भव से है पार कराया
ऐसा पावन तेरा नाम, मै भी गाँऊ सुबह शाम
मेरी नैय्या पार–लगा देना
मेरे लाडले ...

मेरा मन है तेरा मंदिर, जिसमे आकर तुम करना बसेरा
हर पल हर क्षण नित देवा, सदा करता रहु तेरी सेवा
गणेशा तुम पर है विश्वास, करोंगे मुझको ना निराश
मेरा जीवन सफल बना देना
मेरे लाडले ...

देवा हो देवा गणपति देवा

देवा हो देवा गणपति देवा, तुमसे बढ़कर कौन
स्वामी तुमसे बढ़कर कौन
और तुम्हारे भक्तजनों मे हमसे बढ़कर कौन
स्वामी हमसे बढ़कर कौन

अद्‌भुत रुप है काया भारी, महिमा बढी है दर्शन की-२
बिन मांगे पूरी हो जाए, जो भी इच्छा हो मन की
गणपति बप्पा मोर्‌या मंगल मुर्ती मोर्‌या .....

भक्तो की इस भीड़ में ऐसे, बगुला भगत भी मिलते है-२
भेष बदलकर जो भक्तों का, वो भगवान को छलते है
गणपति बप्पा मोर्‌या मंगल मुर्ती मोर्‌या .....

छोटी-सी आशा लाया हुँ, छोटे-से मन में दाता-२
माँगने सब आते है पहले, सच्चा भक्त ही है पाता
गणपति बप्पा मोर्‌या मंगल मुर्ती मोर्‌या .....

एक डाल के फुलों का ही, अलग-अलग है भाग्य रहा-२
दिल में रखना डर उसका, मत भुल विधाता जाग रहा
गणपति बप्पा मोर्‌या मंगल मुर्ती मोर्‌या .....

घर में पधारो गजाननजी

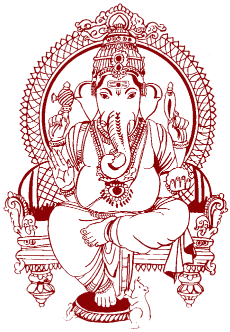

घर में पधारो गजाननजी, मेरे घर में पधारो
रिध्दि सिध्दि ले के आओ गणराजा, मेरे घर में पधारो

रामजी आना लक्ष्मणजी आना, संग मे लाना सीता मैय्या
मेरे घर में पधारो

ब्रम्हाजी आना विष्णुजी आना, भोले शंकरजी को ले आना
मेरे घर में पधारो

लक्ष्मीजी आना गौरीजी आना, सरस्वती मैय्या को ले आना
मेरे घर में पधारो

विघ्न को हरना मंगल करना, कारज शुभ कर जाना
मेरे घर में पधारो

घर में पधारो गजाननजी, मेरे घर में पधारो
रिध्दि सिध्दि ले के आओ गणराजा, मेरे घर में पधारो

थांसु विनंती बारंबार

थांसु विनंती बारंबार, गणनायक आज पधारो ।
गणनायक आज पधारो .....

थे पार्वती रा जाया, शंकर सुत आप कहाया
थे हो रिध्द सिध्द रा दातार, गणनायक आज पधारो
थांसु विनंती.....

सिंघासन झाड़ बिछावा, थाने मोदक भोज लगावा ।
थारी घणी करा मनुहार, गणनायक आज पधारो
थांसु विनंती.....

गणनायक दुंद दुदाला, गजआनन सुंड सुंडाला
हो एक दंत भुजा है चार, गणनायक आज पधारो
थांसु विनंती.....

थे रणतभवर से आजौ, रिध्दी सिध्दी ने सांग ल्याजौ
थे तो मूषक पर हो सवार, गणनायक आज पधारो
थांसु विनंती.....

थाने दासबिहारी ध्यावै, चरणां में शीश नवाने
म्हारा भरया रहे भंडार, गणनायक आज पधारो
थांसु विनंती.....

गणपती ने मनावा

गणपती ने मनावा चाला रे सखी
मेरो ध्याम कवारो रह जायेगो

रणत भवर गढ़ आप बिराजो, सब देवन सिर मोर सखी,
गणपती ने मनावा.....

हर्‌यो हर्‌यो गोबर सं अंगणा लिपाओ, मोतीयन चौक पुरावो सखी
गणपती ने मनावा.....

अरे चोकी बैठ असनान करावा, आभुषण पहरावो सखी
गणपती ने मनावा.....

अरे दूध दही पंचामृत से, गणपती अभिषेक करावा सखी
गणपती ने मनावा.....

घिस घिस चंदन और अरगजा, केशर तिलक लगाओ सखी
गणपती ने मनावा.....

अरे चुन चुन कलीयाॅ हार बनावा, गणपती गल पहनावो सखी
गणपती ने मनावा.....

धूप दीप नैवेध्य आरती, लडवुन भोग लगावा सखी
गणपती ने मनावा.....

ब्रम्हदास गणपती की शरण मे, भुलान ज्ञान बताओ सखी
गणपती ने मनावा.....

पहले पूज्य गणेश को

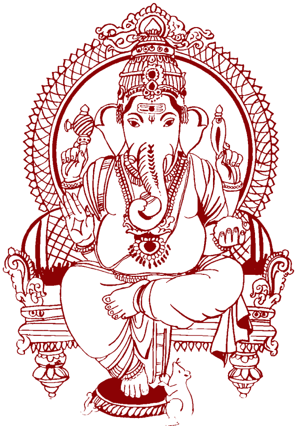

पहले पूज्य गणेश को, ब्रम्हा विष्णु महेश को,
शारद और सुरेश को, सबको मेरा प्रणाम है ।।

रामेश्वर बद्रीश को, जगन्नाथ जगदीश को,
नाथ द्वारकाधीश को, सबको मेरा प्रणाम है ।।
पहले पूज्य गणेश को .....

रामचन्द्र रघुवीर को, लक्ष्मण से रणधीर को,
बजरंगी महावीर को, सबको मेरा प्रणाम है ।।
पहले पूज्य गणेश को .....

सत्गुरु पूरण ज्ञान को, दत्तात्रेय भगवान को,
ऋषियों की सन्तान को, सबको मेरा प्रणाम है ।।
पहले पूज्य गणेश को .....

श्री हनुमान चालीसा

दोहा

श्री गुरु चरन सरोज रज, निज मनु मुकुरु सूधारि ।
बरनऊ रघुवर विमल जसु, जो दायकु फल चारि ॥
बुध्दिहीन तनु जानि के, सुमिरों पवन कुमार ।
बल बुध्दि विद्या देहु मोंहि, हरहु कलेस विकार ॥

चौपाई

जय हनुमान ज्ञान गुणसागर, जय कपीस तिहुँ लोक उजागार ।
रामदूत अतुलित बल धामा, अंजनि पुत्र पवन सुत नामा ।
महावीर विक्रम बजरंगी, कुमति निवार सुमति के संगी ।
कंचन बरन विराज सुवेसा, कानन कुण्डल कुंचित केसा ।
हाथ वज्र और ध्वजा बिराजै, काँधे मूँज जनेऊ साजै ।
शंकर सुवन केसरी नंदन, तेज प्रताप महा जग बंदन ।
विद्यावान गुनी अति चातुर, राम काज करीबे को आतुर ।
प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया, राम लखन सीता मन बसिया ।
सूक्ष्म रुप धरि सियहिं दिखावा, विकट रुप धरी लंक जरावा ।
भीम रुप धरि असुर संहारे, रामचंद्र के काज संवारे ।
लाय संजीवन लखन जियाये, श्री रघुवीर हरषि उर लाये ।
रघुपति कीन्ही बहुत बड़ाई, तुम मम प्रिय भरत ही सम भाई ।
सहस बदन तुम्हरो जस गावैं, अस कहि श्रीपति कंठ लगावैं ।
सनकादिक ब्रम्हादि मुनीसा, नारद सारद सहित अहीसा ।
जम कुबेर दिगपाल जहाँ ते, कबि कोविद कहि सके कहाँ ते ।

तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा, राम मिलाये राजपद दीन्हा ।
तुम्हारो मंत्र विभीषण माना, लंकेश्वर भए सब जग जाना ।
जुग सहस्त्र जोजन पर भानु, लील्यो ताहि मधुर फल जानु ।
प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहीं, जलधि लाँघि गये अचरज नाहीं ।
दुर्गम काज जगत के जेते, सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते ।
राम दुआरे तुम रखवारे, होत न आज्ञा बिनु पैसारे ।
सब सुख लहें तुम्हारी सरना, तुम रक्षक काहू को डरना ।
आपन तेज सम्हारो आपै, तीनो लोक हाँक तें काँपे ।
भूत पिशाच निकट नाही आवै, महावीर जब नाम सुनावे ॥
नासै रोग हरै सब पीरा, जपत निरंतर हनुमत बीरा ।
संकट तें हनुमान छुड़ावे, मन क्रम बचन ध्यान जो लावै ।
सब पर राम तपस्वी राजा, तिन के काज सकल तुम साजा ।
और मनोरथ जो कोई लावै, सोई अमित जीवन फल पावै ।
चारो जुग परिताप तुम्हारा, है प्रसिध्द जगत उजियारा ।
साधु संत के तुम रखवारे, असुर निकंदन राम दुलारे ।
अष्ट सिध्दि नौ निधी के दाता, अस बर दीन जानकी माता ।
राम रसायन तुम्हरे पासा, सदा रहो रघुपति के दासा ।
तुम्हरे भजन रामजी को पावै, जनम जनम के दुःख बिसरावै ।
अंतकाल रघुवर पुर जाई, जहाँ जन्म हरि भक्त कहाई ।
और देवता चित् न धरई, हनुमत सेई सर्व सुख करई ।
संकट कटै मिटे सब पीरा, जो सुमिरै हनुमंत बलबीरा ।
जै जै जै हनुमान गौसाई, कृपा करहु गुरुदेव की नाई ।
जो सत बार पाठ कर कोई, छूटहि बंदी महा सुख होई ।
जो यह पढ़े हनुमान चालीसा, होय सिध्दि साखी गौरीसा ।
तुलसीदास सदा हरी चेरा, कीजै नाथ हृदय महँ डेरा ।

दोहा

पवन तनय संकट हरन, मंगल मूरति रुप ।
राम लखन सीता सहित, हृदय बसहु सुर भूप ॥

थारै झाँझ नगारा बाजे रे

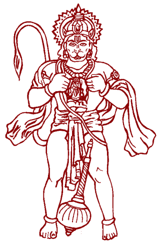

थारै झाँझ नगारा बाजै रे
सालासर के मंदिर में, हनुमान बिराजै रे ।

भारत राजस्थान मे जी, सालासर एक धाम
सूरज स्यामी बण्यो देवरो, महिमा अपरम्पार ।
थारै लाल ध्वजा फहरावै रे
सालासर ....

नारेला री गिनती कोनी, सुवरण छत्र अपार
दूर देश सै दर्शन करने, आवै नर और नार ।
थारै जात जडूला लागै रे
सालासर ....

चैत सुदी पूनम को मेलो, भीड़ लगे अती भारी
नर-नारी तेरा दर्शन करने, आवै बारी बारी ।
बाबो अटक्यो काज संवारे रे
सालासर ....

रामदूत अंजनी के सुत का, धरो हमेशा ध्यान
गुरु भक्त चरणों का चाकर, लाज रखो हनुमान ।
बाबो बेड़ो पार लगावै रे
सालासर ....

दुनिया रचनेवाले को, भगवान कहते हैं

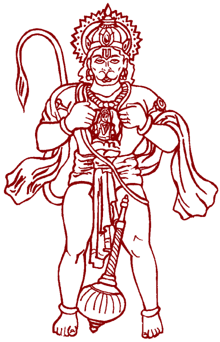

दुनिया रचनेवाले को, भगवान कहते है
संकट हरने वाले को, हनुमान कहते है

हो जाते है जिसके अपने पराए, हनुमान उसको कंठ लगाए
जब रुठ जाए संसार सारा, बजरंग बली तब देते सहारा
अपने भक्तो का, बजरंगी मान करते है
संकट हरने वाले को ....

दुनिया मे काम कोई ऐसा नही है, हनुमान के जो बस मे नही है
जो चीज माँगो पल में मिलेंगी, झोली ये खाली खुशीयों से भरेंगी
सच्चे मन से जो भी, इनका ध्यान करते है
संकट हरने वाले को ....

कट जाए संकट इनकी शरण में, बैठ के देखो बजरंग के चरण में
मेरी बातो को झुठ मत मानो, वरना फसोंगे जीवन-मरण में
इसके सीने में हरदम, सियाराम रहते है
संकट हरने वाले को ....

जब जब भी इसे पुकारा
(तर्ज - बंधन तो प्यार का बंधन है)

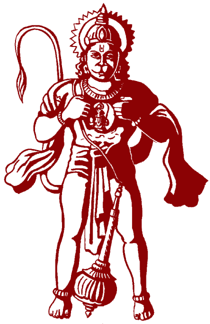

जब जब भी इसे पुकारा, हनुमंत ने दिया सहारा
ये दूर नही है हमसे, बस याद करो इसे मन से
बाबा तो हमारा साथी है, गरीबो का सहारा है

हमसे दूर नही है, करता है रखवाली
जीसने किया भरोसा, बाबा ने डोर संभाली
जो इसके पाव पकडले, ये उसका हाथ पकडले
बाबा तो हमारा ....

अपने भक्त पे ये, दया किया करते है
उसको पार लगाए, जो नाम लिया करते है
ये चार दिनो का जीवन, बाबा को कर दो अर्पण
बाबा तो हमारा ....

इसका साथ मिले तो, हर मुश्किल टल जाए
हो घनघोर अंधेरा, मंजिल मिल ही जाए
बिन पानी नाव चला दो, भक्तो की बिगड़ी बना दो
बाबा तो हमारा ....

आज तुम्हारा उत्सव बाबा

(तर्ज - थाली भरकर लाई खिचड़ो)

आज तुम्हारा उत्सव बाबा, खूब सजा श्रृंगार है
आओ बाबा भोग लगाओ, छप्पन भोग तैयार है

बरफी पेड़ा कलाकंद और लड्डु मोतीचूर है
दिल्ली शहर का सोहन हलवा, बाबा बड़ा मशहूर है
गाजर हलवा कानपुर का, खाने में मजेदार है
आओ बाबा भोग .....

खीर जलेबी इमरती है, पान मलाई वाला
रबडी केशरीया है बाबा, दुध कड़ाही वाला
कलकत्ते का रसगुल्ला है, मेवे की भरमार है
आओ बाबा भोग .....

बीकानेर की भुजीया तुझे, दाल चिर-चिरी लागे
तबियत खुश हो जाएगी, जयपुर की कचौड़ी खाले
बम्बई का जो खाले समोसा, मांगे सौ सौ बार है
आओ बाबा भोग ....

हनुमान को खुश करना

हनुमान को खुश करना, आसान होता है ।
सिन्दुर चढाने से, हर काम होता है ॥

करले भजन दिल से, हनुमान प्यारे का
जिसको भरोसा है, अंजनी दुलारे का
वहां आनंद है जहाँ इनका, गुणगान होता है
सिन्दुर चढाने से .....

हनुमान के जैसा, कोई देव ना दुजा
सबसे बडी जग में, हनुमान की पुजा
वो घर मंदिर जहां इनका, सम्मान होता है
सिन्दुर चढाने से .....

श्रीराम के आगे, पूरा जोर है इनका
बनवारी दुनिया में, अब शोर है इनका
जो मुख मोड़े हनुमत से, परेशान होता है
सिन्दुर चढाने से .....

कै बजरंग बाला ने

कै बजरंग बाला ने, पवन के लाला ने
कोटीन कोटी प्रणाम ।

भिखारी तेरे द्वार का, दास मै तेरे द्वार का
कै बजरंग बाला ने ......

कैसे कैसे काज, राजा राम के सँवारे
दरीया को लांघ सिया, सुधी तुम लाए ।
अंजनी का लाड़ला, हो लाड़ला, सेवक हो राम का
कै बजरंग बाला ने ......

शक्ति लागी लक्ष्मण के, मूर्छा जद आई ।
संजीवनी ल्याकरके, प्राण तो बचाई
बाजे है डंका, हो डंका, बजरंग के नाम का
कै बजरंग बाला ने ......

थारे ही भरोसे बाबा, ठान ली लड़ाई
वानरा की सेना लेकर, कर दी चढ़ाई
लंका ने ढा दई, हो ढा दई, दुष्टन के नाम का
कै बजरंग बाला ने ......

श्याम बहादुर भी तो बाबा, थारो ही पुजारी
वीर हनुमान शिव, जिंदगी हमारी
सारो गा काज थे, हो काज थे, थारे ही दास का
कै बजरंग बाला ने ......

छम छम नाचे

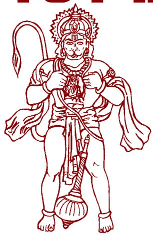

कहते हैं लोग इसे, राम का दिवाना ।
छम छम नाचे, देखो वीर हनुमाना ॥
राम राम बोलो राम, राम राम बोलो राम

पावों में घुँघरु, बाँध के नाचे ।
रामजी का नाम, इन्हे प्यारा लागे ।
राम ने भी देखो इसे .....
राम ने भी देखो इसे, खूब पहचाना ॥
छम छम नाचे, देखो वीर हनुमाना

जहाँ जहाँ कीर्तन, होता श्रीराम का ।
लगता है पहरा वहाँ, वीर हनुमान का ।
राम के चरण में है .....
राम के चरण में है, इनका ठिकाना ॥
छम छम नाचे, देखो वीर हनुमाना

नाच नाच देखो, श्री राम को रिझाये ।
बनवारी रात दिन, नाचता ही जाये ।
भक्तों में भक्त बड़ा .....
भक्तों में भक्त बड़ा, दुनिया ने माना

एक से एक काम कर डाले

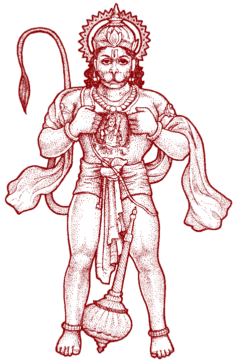

एक से एक काम कर डाले, तनिक नही आया अभिमान
ऐसा सेवक हुआ ना होगा, भरत से युँ बोले भगवान

मेरे हर संकट मे देखों, इसने साथ निभाया था
जब से मिले केसरी नंदन, काम नही रुक पाया था
हरण हुआ जब सीता का तो, सागर पार गया बलवान
ऐसा सेवक हुआ ना ....

लंका की हर गली-गली में, ऐसी धुम मचाई थी
मान घटाया रावण का और, लंका फुँक दिखाई थी
देख के शक्ती बजरंगी की, कुंज गया रावण नादान
ऐसा सेवक हुआ ना ....

युँ तो वीर अनेको थे पर, ऐसा ना कोई वीर मिला
जो काँटे हनुमंत के तीर को, ऐसा ना कोई पीर मिला
मैं भी इस भगवान भक्त के, चरणों में करता प्रणाम
ऐसा सेवक हुआ ना ....

हे मारुती सारी राम कथा

हे मारुती सारी राम कथा का, सार तुम्हारी आँखो में
दुनिया भर की भक्ती का, भंडार तुम्हारी आँखो में

तुम प्रेम भरी एक गागर हो, शक्ति के अनोखे सागर हो
जहां राम नाम का हिरा मिले, उस घाट के तूम सौदागर हो
तलवार की आंखो में तुम हो, तलवार तुम्हारी आँखो में
हे मारुती ....

हर भक्त के भक्ती के प्राण हो तुम, हर वीर शक्ति के शान हो तुम
तुम लाखों में एक हो हनुमंता, वसुधा के लिए वरदान हो तुम
दिन रात लगा रहता प्रभु का, दरबार तुम्हारी आँखो में
हे मारुती ....

पवन पुत्र हनुमान, बाबा मेरे संकट हरो
(तर्ज - राम भक्त हनुमान)

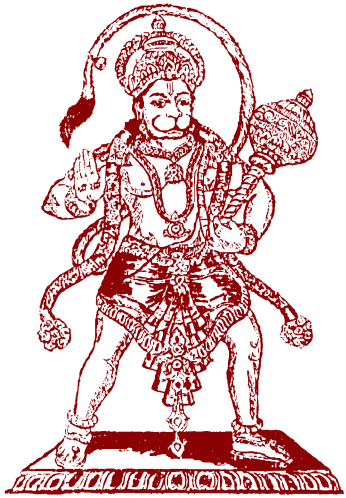

पवन पुत्र हनुमान, बाबा मेरे संकट हरो
अंजनी के लाला हनुमान, बाबा मेरे संकट हरो

लंका मे आग लगी, हलचल मची थी
विभीषण की कुटीयाँ वहाँ, कैसे बची थी
कुटीयाँ में लीखा राम राम, बाबा मेरे संकट हरो

लाखो को तारा तूने, लाखो सवारें
लाखो मे हो रही, जय जय कार
बाबा मेरे संकट हरो

सारे मोहल्ले मे हल्ला हो गया

सारे मोहल्ले मे, हल्ला हो गया
अंजनी मैय्याजी को, लल्ला हो गया

खुशीयाँ ही खुशीयाँ, देखो चारो ओर है
कोई लड्डु पेढ़े बांटे, कोई करे शोर है
दिन में दिवाली होली साथ में, हो हल्ला हो गया
सारे मोहल्ले में ....

फल सोच सूरज को, वो निगल डाले थे
पूँछ के बल से, शनि को निकाले थे
इनके करिश्मो का जग, मतवाला हो गया
सारे मोहल्ले में ....

जय सियाराम बोल, शक्ती दिखाते है
दुश्मन के दुश्मन का, छक्का छुड़ाते है
लंका मे देखो लंकापती, दिवाना हो गया
सारे मोहल्ले में ....

भक्तो मे भक्त से, भक्त निराले है
जय सियाराम का, पी रहे प्याले है
भक्त भी कहते पवन का ये, लल्ला हो गया
सारे मोहल्ले में ....

पार न लगोगे , श्रीराम के बीना

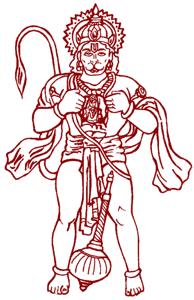

पार न लगोंगे, श्रीराम के बीना
राम ना मिलेंगे, हनुमान के बीना

वेदो और पुराणो ने कह डाला
रामजी का साथी बजरंगबाला
जीए हनुमान नही, राम के बीना
राम भी रहे ना, हनुमान के बीना
पार न लगोंगे ....

जग के जो, तारण हारे है
उन्हे हनुमान बडे प्यारे है
कर लो सिफारीश, दास के बीना
रस्ता ना मिलेंगा, हनुमान के बीना
पार न लगोंगे ....

जिनका भरोसा, वीर हनुमान
उनका बिगडता, नहीं कोई काम
भक्त कहे सुनो, हनुमान के बीना
कुछ ना मिलेंगा, गुणगान के बीना
पार न लगोंगे ....

बाबा की किरपा

बाबा की किरपा, जिस पे हो जाए
मौज उड़ाए, मौज उड़ाए-२
ले ले तु नाम ले ले, बाबा का नाम ले ले
हे ......

चाहे गरीब हो, चाहे फकीर हो
चाहे बुरी से बुरी, उसकी तकदीर हो
बजरंग दयालु, सबको निभाये
मौज उड़ाए ....

पीतल का सोना, कंकर का मोती
बन जाए पल में, किरपा जो होती
पल में करिश्मा, करके दिखाए
मौज उड़ाए ....

बजरंग के बेटे, दुःख नही पाए
बनवारी हरदम, खुशियाँ मनाए
भगतों का दुख ये, खुद ही उठाए
मौज उड़ाए ....

आना पवनकुमार

आना पवन कुमार, हमारे हरि कीर्तन मे
आना अंजनी के लाल, हमारे हरि कीर्तन में

आप भी आना संग मे, रामजी को लाना
लाना जनक दुलार, हमारे हरि कीर्तन में
आना पवन कुमार .....

भरत जी को लाना संग मे, लक्ष्मण जी को लाना
लाना सब परिवार, हमारे हरि कीर्तन में
आना पवन कुमार .....

कृष्ण जी को लाना संग मे, राधा जी को लाना
आकर रास रचाना, हमारे हरि कीर्तन में
आना पवन कुमार .....

शंकरजी को लाना संग मे, गौराजी को लाना
डम डम डमरु बजाना, हमारे हरि कीर्तन में
आना पवन कुमार .....

सुमति को लाना, कुमति हटाना
बेड़ा पार लगाना, हमारे हरि कीर्तन में
आना पवन कुमार .....

बालासा थाने कौन सजायो जी

बालासा थाने, कौन सजायो जी
म्हारो मनड़ो हर लीनो, थारी सूरत मतवाली

थारे हाथ में सोटा, लाल लंगोटा जी
थाने सिंदूर चढ़े, थे देव हो बलशाली
बालासा थाने ....

थारा उत्सव आया, मन हरसाया जी
सब झूम झूम नाचे, जय बोले है थारी
बालासा थाने ....

थे राम नाम की, धुन में मतवाला जी
है अजर अमर गाथा, है माया अजब थारी
बालासा थाने ....

माला ने तोड़ा, सीना ने चीर दिया
ओ अंजनि के लाला, जय हो जय हो थारी
बालासा थाने ....

सारे बालक थारा, लाड़ लड़ावे जी
थारी सूरत पे बाबा, सारी दुनिया बलिहारी
बालासा थाने ....

जिसका हर एक मोती

जिसका हर एक मोती, है पारस के जैसा
कंचन सा बना देती, हनुमान की चालीसा

इसके हर शब्दो से, वरदान झलकता है
जो पाठ करे दिल से, भव पार उतरता है
इसको अपनाने मे २ अब संशय है कैसा
कंचन सा बना .....

हनुमान की महीमा का, गुणगान भरा इसमे
बजरंग रिझाने का, सामान भरा इसमे
ये महा मंत्र प्यारे २ अमृत के रस जैसा
कंचन सा बना .....

इसे कंठ बसा कर के, उच्चारण करते है
हर शब्द तो बाबा के, चरणों से लिपटते है
इनके हर कण-कण मे २, विश्वास भरा ऐसा
कंचन सा बना .....

रामभगत हनुमान

राम भगत हनुमान, बालाजी मेरे घर आना
बालाजी मेरे घर आना - २

मेरा बिलकुल बगल में मकान
बालाजी मेरे घर आना -----

बाबा थारे पैर, मेरे घर पड़ जावे ।
मेरा तेरा, तेरा मेरा, प्रेम बढ़ जाए ।
रखले गरीबों का भी मान
बालाजी ----------

आज सारी रात बाबा, भजन सुनाएंगे
नाचेंगे झूम-झूम, तुमको रिझाएंगे ।
एक बार बनके मेहमान
बालाजी ----------

भक्तों की अर्जी पे, मोहर लगाओ
संकट मिटाओ जरा, दर्शन दिखाओ ।
तुमसे है मेरी पहचान
बालाजी ----------

हे हनुमान जी प्रभु से एक काम

हे हनुमान जी प्रभु से, एक काम कहियो जी
सीतारामजी से हमरा, राम-राम कहियो जी

कहियो कब तक राह निहारे, ये सबरी बेचारी
जब तक दर्शन ना पायेगी, प्यासी आँख हमारी
जब तक आएगा ना इस मन को, विश्राम कहियो जी
सीताराम जी से हमरा ....

बेशवरी हो गई है शबरी, सगरी उमर लगाई
कहना प्रभु से इस दुनिया की, याद ना अब तक आई
मैं हुँ अबला तुम हो निर्बल के, बलराम कहियो जी
सीताराम जी से हमरा ....

राम बिना कुटीयाँ ये सुनी, हर पल हृदय बुलाए
प्रेम भाव से बेर धारे है, शबरी किए जिमाए
बित जाए बेधडक इस जीवन की, शाम कहियो जी
सीताराम जी से हमरा ....

बालाजी और खाटु श्याम

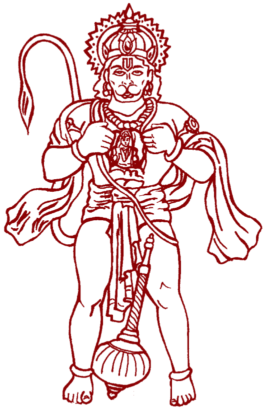

बालाजी और खाटु श्याम
या जोडी को जवाब नही

म्हारा बालाजी, संकट मोचन
हारे को साथी बाबो श्याम ॥

म्हारा बालाजी लाडू खावे
चूरमो खावे बाबो श्याम

म्हारा बालाजी के, हाथ में सोटा
तीन बाण धारी बाबो श्याम

म्हारा बालाजी, अंजनी रा जाया
अहलवती रो बाबो श्याम

म्हारा बालाजी न, सिंदूर चढ़े है
केसरीयो पहने बाबो श्याम ...

भगत सब नाचो रे

भगत सब नाचो रें । भगत सब नाचो रें
आज नही तो कब नाचोगे, बैठे बाबा सजधज के

युँ तो बाबा हर दिन सजते है । आज जरा सा हट हट के

ऐसी किस्मत ऐसा मौका ॥ आज सामने आया है ॥
बाबा ने खुश होकर अपना ॥ ये दरबार लगाया है ॥

चाहे नाचों या ना नाचो ॥ या बैठे चुपचाप रहो ॥
आज वही नाचेगा यहाँ पर ॥ जिसके मन में पाप न हो ॥

उमर हो गई सत्तर की ये ॥ फिर भी नाच दिखाए है
देखो बीस बरस के बैठे ॥ अपना मुखड़ा छुपाए है ॥

देख नाच बाबा के आगे, तेरी उमर बढ़ जाएगी ॥
कहे पवन किसी और के आगे ॥ ये नौबत ना आएगी ॥

सिव्हल लाईन मे मेरे बाबा बैठे । रखते सब का ध्यान है
जो भी आए शरण मे इसकी ॥ उसका बेडा पार है
भक्त ...

बजरंग बली तुम रघुवर से

बजरंग बली तुम रघुवर से, प्रणाम हमारा कह देना
प्रणाम हमारा कह देना, और बिनती हमारी सुना देना

श्रीरामचंद्र वनवासी से, और लखनलाल अवतारी से २
और माता जनक दुलारी से, प्रणाम हमारा कह देना
बजरंग बली तुम रघुवर से ....

भरत शत्रुघन भैय्या से और, अवधपुरी नर नारी से २
और मात कौशल्यारानी से, प्रणाम हमारा कह देना
बजरंग बली तुम रघुवर से ....

सुग्रीव विभीषण अंगद से और, बानर सेना सारी से
और जामवंत बलशाली से, प्रणाम हमारा कह देना
बजरंग बली तुम रघुवर से ....

मुझे पास बुलालो बजरंगी

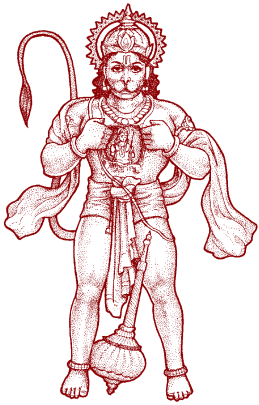

मुझे पास बुलालो बजरंगी, चरणों से लगालो बजरंगी

निशदिन करता हुँ ध्यान तेरा, पूजा तेरी गुणगान तेरा
मुझे अपना बनालों बजरंगी, चरणों से लगालो बजरंगी

तेरी भक्ति से मुँह मोड्डु नही, जग को छोड्डु तुझे छोड्डु नही
गिरते को उठालो बजरंगी, चरणों से लगालो बजरंगी

तुम सोये भाग्य जगाते हो, संकट मोचन कहलाते हो
मेरी बिगड़ी बना दो बजरंगी, चरणों से लगालो बजरंगी

तेरे पैरो तले शनि रहता है, तुझे महाबली जग कहता है
मेरे पाप मिटा दो बजरंगी, चरणों से लगालो बजरंगी

भजले भाई साँझा सवेरे

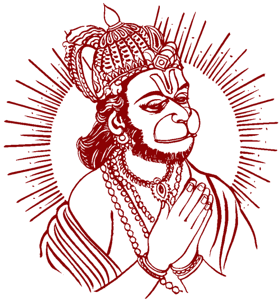

भजले भाई सांझ-सवेरे, एक माला हरि नाम की
जिस माला में राम नाम नहीं, वो माला किस काम की ।

नाम के बल पर बजरंगी ने, सागर में सिला तिराई थी
बाण लगा जब लखनलाल को, संजीवनी पिलाई थी ।
नाम के बल पर देखो भाई, बन आई हनुमान की ।
जिस माला में राम नाम नहीं, वो माला किस काम की ।

एक माला को माता जानकी ने, बजरंगी को दान दिया ।
बजरंगी ने तोड़-तोड़कर, भूमि ऊपर डाल दिया ।
बजरंगी के हृदय बसी थी, मूरत सीताराम की ।
जिस माला में राम नाम नहीं, वो माला किस काम की ।

बड़े भाग्य से तुमने भाई, मानव तन ये पाया है ।
गर्भकाल में कौल किया था, बाहर आ बिसराया है ।
सब मिलकर अब जय-जय बोलो, पवनपुत्र हनुमान की ।
जिस माला में राम नाम नहीं, वो माला किस काम की ।

है बलकारी और ब्रम्हचारी

है बलकारी और ब्रम्हचारी, अवतार ये नाथ भुजंगी है ।
कोई और नहीं है ये मेरा, हनुमान चौक का बजरंगी है ॥

संकटहर्ता मंगलकर्ता, ये बलबुध्दि का दाता है
सियाराम ही राम रटे हरदम, ये भक्त बड़ा सतसंगी है
कोई और नहीं है ये मेरा, सालासर का बजरंगी है ।

है भावी जगत में ये जो विपत, दुष्टों को मारे उलट पलट
किस्मत को देता है ये पलट, दुख दूर करे सतसंगी है
कोई और नहीं है ये अपना, अंजनी का लाल बजरंगी है ।

रावण का दूर गरुर किया, जो समझे था उनको बंदर
भरी सभा के अंदर रावण ने, ये मान लिया ये जंगी है
कोई और नहीं है ये मेरा, रुद्रावतार बजरंगी है ।

बजरंगबाला अंजनीलाला, तु ही मेंहदीपूर वाला है
तेरे राज पाल तो पंचमुखी, तेरी लगती सूरत चंगी है
कोई और नहीं है ये मेरा, हनुमान चौक का बजरंगी है ।

दुनिया में देव हजारो हैं

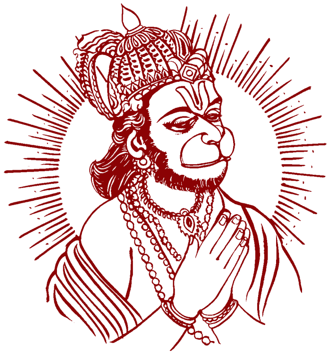

दुनिया में देव हजारो हैं, बजरंग बली का क्या कहना
इनकी शक्ती का क्या कहना, इनकी भक्ती का क्या कहना
ये सात समुंदर लांघ गये
ये गड़ लंका में कुद गये
रावण को २ डराना क्या कहना, लंका को जलाना क्या कहना
इनकी शक्ती .....

जब लक्ष्मण की बेहोश हुये
संजिवनी बुटी लान गये
पर्वत को २ उठाना क्या कहना, लक्ष्मण को जिलाना क्या कहना
इनकी शक्ती .....

बनवारी इनके सिने में
सियाराम की जोडी बैठी है
श्रीराम २ दिवाना क्या कहना, झुम जाये जमाना क्या कहना
इनकी शक्ती .....

जय हो जय हो तुम्हारी

जय हो जय हो तुम्हारी जी बजरंगबली
लेके शिव रुप आना गजब हो गया
त्रेता युग मे भी आए और द्वापर में भी
तेरा कलयुग में आना गजब हो गया

बचपन की कहानी निराली बड़ी
जब लगी भुख बजरंग मचलने लगे
फल समझकर उड़े आप आकाश मे
तेरा सुरज को खाना गजब हो गया
जय हो जय हो .....

पहुँचे लंका में जब मच गई खलबली
मारे चुन चुनके असुरो को बजरंगबली
मार डाले अक्षय को पटकर वही
तेरा लंका जलाना गजब हो गया
जय हो जय हो .....

आके शक्ति लगी जब लखनलाल को
रामजी देखकर उनको रोने लगे
लाने संजीवनी उड गये नभ में तुम
पुरा पर्वत उठाना गजब हो गया
जय हो जय हो .....

जब विभीषण के संग बैठे श्रीरामजी
और चरणों में बैठे है हनुमानजी
सुनके ताना विभीषण को बजरंगबली
फाड़ सीना दिखाना गजब हो गया
जय हो जय हो .....

वीर हनुमाना

वीर हनुमाना, अति बलवाना, श्रीराम राम रटियो रे ।
प्रभु के मन बसियो रे ।

जो कोई आवे अर्जि लगावे, सबकी सुनियो रे
बजरंग बाला फेरु तेरी माला, संकट हरियो रे
प्रभु के मन बसियो रे

ना कोई संगी, हाथ की तंगी, जल्दी हरियो रे
अर्जी हमारी, मर्जी तुम्हारी, किरपा करियो रे ।
प्रभु के मन बसियो रे
वीर हनुमाना .....

ठुम्मक–ठुम्मक धिरे धिरे, यमुना के तीरे तीरे
नाचे नंदलाला रे, मदनगोपाला रे ।
सरयु किनारे, रामजी पुकारे
केवट भैय्या ओ, लगादे पार नैय्यास हो ।
वीर हनुमाना .....

माटी की मटकी, मटकी मे माखन
खावे नंदलाला रे, यशोदा मैय्या देख रही ।
सोने का रथ है, रथ में है मैय्या,
नाचे सब बालक रे, अंबे मैय्या देख रही ।
वीर हनुमाना .....

सोने का प्याला प्याले मे राला
ए भोले बाबा रे, गौरी मैय्या देख रही ।
मोती की माला, माला मे रामा
फेरे हनुमान रे, अयोध्या वासी देख रहे ।
वीर हनुमाना .....

न जाने किसने बिलमाए

न जाने किसने बिलमाए, पवनसुत अब तक नही आए
अब तक नही आए पवनसुत, अब तब नही आए
न जाने किसने बिलमाये.....

दशा देखकर लखन लाल की, बोले श्री रघुवीर
उठो रे भैय्या मुख से बोलो, कहा लगाई अती देर
नीर नैनो मे भर जाए, पवन सुत अब तक नही आए
न जाने किसने बिलमाये.....

हमको तो वनवास भया है, सीता की सुध नाही
मेघनाथ लडने को आए, खडे हो जाओ भाई
साथ में सेना है लाए, पवन सुत अब तक नही आए
न जाने किसने बिलमाये.....

अवधपुरी मे जाकर भैय्या, मुख दिखलाऊॅ काय
लोग कहे तिरिया के कारण, भाई आए गवाय
पिता ने बहुत ही समझाए, पवन सुत अब तक नही आए
न जाने किसने बिलमाये.....

रैन बीत गई व्याकुल नैना, शिथील हुए मेरे अंग
तुमने भैय्या कभी ना छोडा, मात पिता का संग
दास तुलसी ने यश गाए, पवन सुत अब तक नही आए
न जाने किसने बिलमाये.....

लाल लंगोटा थारै हाथ में सोटा

लाल लंगोटा थारै हाथ में सोटा २
थारी जय हो पवन कुमार, मै वारी जाऊॅ बालाजी २
बलीहारी जाऊ बालाजी.....

सालासर थारो, बनो देवड़ो
महेंदीपूर थारो, बनो देवड़ो
थारै नोबत बाजे ताल, मै वारी जाऊॅ बालाजी
थारी जय हो पवन कुमार ....

चैत सुदी पुनम को मेलो
थारै आवे भगत अपार, मै वारी जाऊॅ बालाजी
थारी जय हो पवन कुमार ....

ध्वजा नारियल चढे चुरमो
थारै भगत करे जयकार, मै वारी जाऊॅ बालाजी
थारी जय हो पवन कुमार ....

तेल सिन्दूर चढ़ावे थानै
कोई मंगल कोई शनिवार, मै वारी जाऊॅ बालाजी
थारी जय हो पवन कुमार ....

बालाजी म्हारी सुनो विनती
म्हारी नैय्या लगादिजो पार, मै वारी जाऊॅ बालाजी
थारी जय हो पवन कुमार ....

हो बजरंग बाला

हो बजरंग बाला, माँ अंजनी के लाला, जपु तेरे नाम को
मेरे घर के लेके आना, सियाराम को
तेरा दर्शन, बड़ा है पावन, बनाए सब काम को
हो बजरंग .....

राम के पुजारी, तुम हो रुद्र अवतारी, लीला तेरी न्यारी है
शक्ति और भक्ति का, अंत नही है, आप बड़े बलधारी है
संकटहारी, मंगलकारी, सब जग का रखवाला
हो बजरंग .....

राम जी के चरणों मे, प्रीती लगाई, हृदय मे मूरत बसाये हो
राम नाम की, तुमने कपीश्वर, अपनी देह सजाये हो
राम नाम के, गहने पहने, पिये राम रस प्याला
हो बजरंग .....

नैय्या हमारी प्रभु, तेरे हवाले, इसको पार लगा देना
जैसे भी है, हम दास तेरे, शरण हमे अपना लेना
लाज रखो तुम, सब भक्तों की, तुम हो दीनदयाला
हो बजरंग .....

हे दुःख भंजन

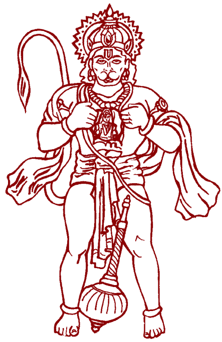

हे दुःख भंजन, मारुती नंदन, सुनलो मेरी पुकार,
पवनसुत बिनती बारंबार २

अष्ट सिध्दी नव निधी के दाता २
दुखियों के तुम, भाग्य विधाता
सियाराम के काज सॅवारे २, मेरा कर उध्दार

अपरंपार है शक्ती तुम्हारी २
तुम पर रिझे, अवध बिहारी
भक्ती भाव से ध्याऊॅ तोहे २, कर दुःखों से पार,
पवनसुत बिनती .....

जपूॅ निरंतर नाम तिहारा २
अब नहीं छोडूॅ तेरा द्वारा
राम भक्त मोहे शरण मे लीजे २, भवसार से तार
पवनसुत बिनती .....

बालाजी आंगणिये थे आओ

बालाजी आंगणिये थे आओ
म्हारी सभा में रंग बरसाओ, म्हारा वीरजी बाला
बालाजी.........

बालाजी अंजनि का थे जाया
म्हारा बेड़ा पार लगावो, म्हारा वीरजी बाला
बालाजी.........

बालाजी भक्त तेरा गुण गावे
थे सबका कारज सारो, म्हारा वीरजी बाला
बालाजी.........

बालाजी राम का भक्त कहाया
थे तो सीना चीर दिखाया, म्हारा वीरजी बाला
बालाजी.........

बालाजी संजीवनी थे ल्याया
लक्ष्मण रा प्राण बचाया, म्हारा वीरजी बाला
बालाजी.........

श्री बजरंग बाण

nkgk & fu'p; ie irhr r] fou; dj lueku A
rfg d dkjt ldy 'kHk] fl/n dj gueku AA

pkikb
t; gueUr lUr fgrdkjh A
lu yht iHk vjt gekjh AA
tu d dkt foyEc u dht A
vkrj nkfj egk l[k nht A
tl dfn fl U/k Hk; ikjk A
ljlk cnu ifB foLrkjk AA
vkx tk; yfduh jkdk A
ekjg ykr xb ljykdk AA
tk; foHkh"ku dk l[k nhUgk A
lhrk fujf[k ijein yhUgk AA
ckx mtkfj fl U/k eg ckjk A
vfr vkrj tedkrj rkjk AA
v{k; dekj dk ekfj lgkjk A
ye yiV yd dk tkjk AA
ykg leku yd tfj xb A
t; t; /kfu;k lj ij e Hkb AA
vc foyc dfg dkju Lokeh A
o!ik djg mj vr;keh AA
t; t; yNeu ik.k d nkrk A
vkrj gk; n[k djg fuikrk AA
t fxfj/kj t t l[k lkxj A
lj leg lejFk HkVukxj AA
$ gu gu gueUr gBhy A
cfjfg ek ct dh dhy AA
xnk ct y cfjfg ekjk A
egkjkt iHk nkl mckjk AA
$dkj gdkj egkiHk /kkok A
ct xnk gu foyEc u ykok AA

जय जय लक्ष्मन प्राण के दाता ।
आतुर होय दुख करहु निपाता ॥
जै गिरिधर जै जै सुख सागर ।
सुर समूह समरथ भटनागर ॥
ॐ हनु हनु हनुमन्त हठीले ।
बैरिहि मारू बज्र की कीले ॥
गदा बज्र ले बैरिहिं मारो ।
महाराज प्रभु दास उबारो ॥
ॐकार हुँकार महाप्रभु धावो ।
बज्र गदा हनु विलम्ब न लावो ॥
ॐ हीं हीं हनुमन्त कपीसा ।
ॐ हुँ हुँ हुँ हनु अरि उर शीसा ॥
सत्य होहु हरि शपथ पायके ।
राम दूत धरु मारु धाय के ॥
जय जय जय हनुमन्त अगाधा ।
दुःख पावत जन केहि अपराधा ॥
पुजा जप तप नेम अचारा ।
नहिं जानत कछु दास तुम्हारा ॥
वन उपवन मम गिरि गृह माहीं ।
तुम्हरे बल हम डरपत नाहीं ॥
पाँय परौं कर जोरि मनावौं ।
यहि अवसर अब केहि गोहरावौं ॥
जय अंजनि कुमार कलवन्ता ।
शंकर सुवन वीर हनुमन्ता ॥
बदन कराल कालकुल घालक ।
राम सहाय सदा प्रतिपालक ॥
भूत प्रेत पिशाच निशाचर ।
अग्नि बेताल काल मारी मर ॥

इन्हें मारु तोहि शपथ राम की ।
राखु नाथ मर्यादा नाम की ॥
जनक सुता हरि दास कहावे ।
ताकी शपथ विलम्ब न लावो ॥
जै जै जै धुन होत आकाशा ।
सुमिरन होत दुसह दुःख नाशा ॥
चरण शरण कर जोरि मनावौं ।
यहि अवसर अब केहि गोहरावौं ॥
उठु उठु चलु तोहि राम दोहाई ।
पायं परौं कर जोरि मनाई ।
ऊँ चं चं चं चपल चलंता ।
ऊँ हनु हनु हनु हनु हनुमंता ॥
ऊँ ऊँ हाँक देत कपि चंचल ।
ऊँ सं सहमि पराने खल दल ॥
अपने जन को तुरत उबारो ।
सुमिरत होय अनंद हमारो ॥
यह बजरंग बाण जेहि मारै ।
ताहि कहो फिर कौन उबारै ॥
पाठ करै बजरंग बाण की ।
हनुमत रक्षा करैं प्राण की ॥
यह बजरंग बाण जो जापै ।
तासों भूत प्रेत सब कांपै ॥
धुप देय अरु जपै हमेशा ।
ताके तन नहिं रहै कलेशा ॥

दोहा - प्रेम प्रतीतहि कपि भजै
सदा धरै उर ध्यान ।
तेहि के कारज सकल शुभ
सिध्द करैं हनुमान ॥

राम लक्ष्मण के संग जानकी ...

(rt & ftUnxh dh uk VV yMh ---)

jke y{e.k d lx tkudh] t; ckyk j gueku dh A
djr HkfDr lnk jke dh] t; ckyk j gueku dh AA Vj AA

cy&cf/n ge Kku nk] fur ikik l ge lc Mj]
cBdj rj }kj i ge] rj pj.kk dh itk dj]
,lh HkfDr nk fu"dke dh] t; ckyk j gueku dh A
jke y{e.k d lx tkudh ----

Hkolkxj f[ko*;k gk re] ikj djr gk e>/kkj l]
fut HkDrk d ldV lnk] nj djr cM l;kj l]
ckr gkrh g tc vku dh] t; ckyk j gueku dh A
jke y{e.k d lx tkudh ----

fdru ifrrk dk ikou fd;k] ru&eu l rj gk x,]
ge HkDrk dk ikdj r>] fpj HkfDr e ;l [kk x,]
eu e T;kfr ty Kku dh] t; ckyk j gueku dh A
jke y{e.k d lx tkudh ----

बजरंग बाला
माँ अंजनी के लाला

c t jx ckyk ek v tuh d ykyk
cMk rjk uke g] rj pj.kk e pkjk /kke g A

f'ko d vorkjh] rjh yhyk g U;kjh] r g itkjh] fl ;kje dk
cky cEgpkjh] r g ohj cy/kkjh] c tjxh g uke dk
n"Vk dk r] ekj fxjk;] HkDrk dk j[kokyk
c tjx ckyk -------

ckyiu e lj t dk reu] i!y le> d [kk, Fk
vf/k;kjh rhuk ykxk e Nkb] nok u redk euk, Fk
iy e lj t] e[k l mxyk] tx e fd ;k mtkyk
c tjx ckyk -------

efNr iM tc y{e.k chjk] jke cgr ?kcjk, Fk
rc reu gh iHk j?koj dk] tkdj /khj /kjk, Fk
Hkkj l igy] cVh ykdj] peRdkj dj Mkyk
c tjx ckyk -------

bl dy;x e lPp gn; l] tk Hkh rEg euk,x
c tjx cyh ogk vk djd rj] lk; HkkX; txk,x
g n[k Hk tu] ekj!fr unu] ldV gju okyk
c tjx ckyk -------

ना स्वर है न सरगम

(r t & ,d l;kj dk uxek g)

uk Loj g u ljxe g] uk y; u rjkuk g A
gueku d pj.kk e] ,d i!y p<kuk g AA

tc ckyj!i iHk u] ljt dk fuxy Mky
vfHkekuh ljirh d] lc xo ely Mky
ctjx g; rc l] llkj u tkuk g A
gueku d pj.kk e ---------

lc nx <gk djd] ydk dk tyk; re
lhrk dh [kcj yk;] y{e.k dk cpk; re
fi; Hkjr lfjl redk] Jhjke u tkuk g A
gueku d pj.kk e ---------

tc jke uke reu] ik;k uk uxhu e
re i!kM fn; lhuk] fl;kjke Fk lhu e
fofLer tx u n[kk] dfi jke nhokuk g A
gueku d pj.kk e ---------

g vtj vej nkuh] re gk vUrj;keh
e nhu ghu ppy] vKkuh vfHkekuh
tc reu utj i!jh] fi!j dku fBdkuk g A
gueku d pj.kk e ---------

जंगल होता यदि मन मेरा

राम सियाराम सियाराम सियाराम,
राम सियाराम सियाराम सियाराम,

जंगल होता यदि मन मेरा, और अवध मे होते राम
चौदह बरस बिताते आकर २, मन से हमारे सीताराम
जंगल होता यदि.....

मेरे चिंतन में प्यारी सी, परण कुटी इक होती
सियाराम जी रहते उसमें, लक्ष्मण होते प्रहरी
लोभ मोह मद, काम के दानव, मन के होते नष्ट तमाम
चौदह बरस बिताते आकर २, मन मे हमारे सीताराम
जंगल होता यदि.....

पतित पावनी सरयू नदियॉं, मन में हमारे बहती
दैहिक दैविक भौतिकता से, मुझे सुरक्षित रखती
सुर्यवंशी के राम जहॉं हो, कभी वहॉं ना होती शाम
चौदह बरस बिताते आकर २, मन मे हमारे सीताराम
जंगल होता यदि.....

जगतपति श्रीराम की, जय जयकार सदा हम करते
बनके धूल हम उनके चरण की, जवीन धन्य समझते
विचरण करते रोम रोम में, लक्ष्मणजी और सीताराम
चौदह बरस बिताते आकर २, मन मे हमारे सीताराम
जंगल होता यदि.....

श्री राम नाम सार है ...

श्री राम नाम सार है, जपो तो बेड़ा पार है
याही में कल्याण बंदे, याही में उध्दार है ।

राम-माता, राम-पिता, राम संगी साथी रे
ऐसो मीठो जग में दूजो, कोई नाम नाही रे ॥
राम नाम सार है .....

जल में भी राम देखो, थल में भी राम है
लता-पता में राम देखो, पर्वत में भी राम है
राम नाम सार है .....

हम में भी राम है तो, तुम में भी राम है ।
कण-कण में भी राम है तो, जन-जन में भी राम है ।
राम नाम सार है .....

सोते जपो जगते जपो, चलते फिरते जपते जाओ
खाते-जपो, पीते जपो, जपो दिन रात रे
राम नाम सार है .....

अरे मैं भटक्यो देश विदेश

अरे मै भटक्यो देश विदेश, परम सुख कहुँन पायो रे ।
कहुँन पायो रे, परम सुख कहुँन पायो रे

आशा ने आंधो कर डारयो, बिना मौत विषयन ने मारयो ।
तृष्णा बडी अपार, पूर्व धन सर्व गंवायो रे ॥
अरे मैं भटक्यो ....

सुख दुख नट का खेल तमाशा, मुरख करे भोग की आशा ।
पल भर को मेहमान, काल के गाल समायो रे ॥
अरे मैं भटक्यो ....

नही वर्ण नही आश्रम भाई, हृदय में आत्मज्योती जगाई ।
सतगुरु पायो सेन, नही जन्मों ना जायो रे ॥
अरे मैं भटक्यो ....

मन वाणी का ध्यान बताया, अमन द्वेष सुख दुख नहीं काया ।
भक्त भजे हरी नाम, रामजी को दास कहायो रे ।
अरे मैं भटक्यो ....

जिस भजन में राम

जिस भजन में राम का नाम ना हो, उस भजन को गाना ना चाहिए ।
जिस सभा में अपना मान न हो, उस सभा में जाना ना चाहिए ॥

जिस माँ ने हमको जन्म दिया, उसे कभी भुलाना ना चाहिए ।
जिस पिता ने हमको पाला है, उसे कभी सताना ना चाहिए ॥
जिस भजन में राम .....

चाहे भाई कितना दुश्मन हो, उससे राज छुपाना ना चाहिए ।
चाहे पत्नी कितनी प्यारी हो, उसे राज बताना ना चाहिए ॥
जिस भजन में राम .....

चाहे बेटा कितना प्यारा हो, उसे सर पे बिठाना ना चाहिए ।
चाहे बेटी कितनी प्यारी हो, उसे घर-घर घुमाना ना चाहिए ॥
जिस भजन में राम .....

चाहे कितनी गरीबी आ जाये, प्रभु नाम भुलाना ना चाहिए ।
चाहे कितनी अमीरी आ जाये, अभिमान दिखाना ना चाहिए ॥
जिस भजन में राम .....

सीताराम सीताराम

सीताराम सीताराम, सीताराम कहिये
जाही विधी राखे राम, ताहि विधी रहिये ।

मुख मे हो राम नाम, राम सेवा हाथ में
तु अकेला नहीं प्यारे, राम तेरे साथ में ।
विधी का विधान जान, हानी लाभ सहिये,
जाही विधी राखे राम, ताहि विधी रहीये ॥
सीताराम सीताराम ....

किया अभिमान तो फिर, मान नही पायेगा
होगा वही प्यारे जो, श्री रामजी को भायेगा ।
फल आशा त्याग, शुभ काम करते रहिये
जाही विधी राखे राम, ताहि विधी रहिये ॥
सीताराम सीताराम ....

जिंदगी की डोर सौंप, हाथ दीनानाथ के
महलों मे राखे चाहे, झोपड़ी मे वास दे ।
धन्यवाद निर्विवाद, राम राम कहिये
जाहि विधी राखे राम, ताहि विधी रहिये ॥
सीताराम सीताराम ....

आशा एक रामजी से, दुजी आशा छोड़ दे
नाता एक रामजी से, दुजा नाता तोड दे ।
साधु संग राम रंग, अंग अंग रंगिये
काम रस त्याग प्यारे, राम रस पगिये ॥
सीताराम सीताराम ....

मंगल भवन, अमंगल हारी

मंगल भवन, अमंगल हारी
द्रवहुँ सु दशरथ, अजरबिहारी
राम सीयाराम सीयाराम जय जयराम

होई है वही जो, रामरचि राखा
क्योंकर तर्क, बढ़ावे साखा
राम सीयाराम सीयाराम जय जयराम

धीरज धरम, मित्र अरु नारी
आपद काल, परखीये चारी
राम सीयाराम सीयाराम जय जयराम

जेहि के तेहि, पर सत्य सनेहुँ
सो तेही मिल ही, ना कछु संदेहुँ
राम सीयाराम सीयाराम जय जयराम

जाकी रही, भावना जैसी
प्रभु मुरती देखी दिन तैसी
राम सीयाराम सीयाराम जय जयराम

रघुकुल रिती, सदा चली आई
प्राण जाए पर वचन ना जाई
राम सीयाराम सीयाराम जय जयराम

रामजी की निकली सवारी

दोहा

सिर पे मुकूट सजे, मुख पे उजाला, हाथ धनुष और गले मे पुष्प माला
हम दास इनके, ये सबके स्वामी, अनजान हम ये अंतरयामी
शीश झुकाओ, राम गुण गाओ
बोलो श्री विष्णु के अवतारी

रामजी की निकली सवारी, रामजी की लीला है न्यारी
एक तरफ लक्ष्मण एक तरफ सीता, बीच में जगत के पालनहारी
रामजी की निकली ....

धीरे चला चल ओ रथ वाले, तोहे खबर क्या ओ भोले भाले
एक बार देखो जी ना भरेगा, सौ बार देखो फिर जी करेंगा
व्याकुल बड़े है, कबसे खडे है, दर्शन के प्यासे ये सब नर नारी
रामजी की निकली ....

चौदह बरस का वनवास पाया, माता-पिता का वचन निभाया
धोखे से हरली रावण ने सीता, रावण को मारा लंका को जीता
तब-तब वो आए, तब तब ये आए, जब-जब दुनिया इनको पुकारी
रामजी की निकली ....

मतवाला हो जा, राम की भजनीयाँ में

मतवाला हो जा, राम की भजनीयाँ में
राम की भजनीयाँ में, श्याम की भजनीयाँ में

मतवाले हूए थे, राजा दशरथ
पुत्र पे प्राण गवाएं डाला ।

मतवाले हुए थे, राजा हरिशचंद्र
सत्य पे प्राण गवाएं डाला ।

मतवाले हुए थे, राजा मोरध्वज
पुत्र पे आरा चलाए डाला ।

मतवाले हूए थे, बजरंग बली
पलभर में लंका जलाए डाला

मतवाली हुई थी, मिराबाई
विष को अमृत बनाए डाला

श्रीराम जानकी बैठे है

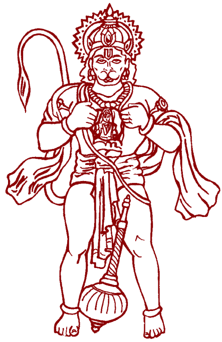

श्रीराम जानकी, बैठे है मेरे सिने मे
देखलो मेरे दिल के, नगीने मे
श्री राम .....

मुझको किरती ना वैभव, ना यश चाहिए
राम के नाम का, मुझको रस चाहिए
सुख मिले ऐसे, अमृत को पीन में
श्री राम .....

राम रसीया हूॅं मै, राम सुमिरन करु
सियाराम का सदा ही मैं, चिंतन करु
मजा आता है, इनके किर्तन में
श्री राम .....

फॉड सीना ये सबको है, दिखला दिया
भक्ती मे शक्ती है, बेधडक दिखला दिया
सच्चा आनंद है, ऐसे जीने में
श्री राम .....

तेरे द्वार खड़ा भगवान

तेरे द्वार खड़ा भगवान, भगत भर दे रे झोली ।
तेरा होगा बड़ा एहसान, कि युग युग बनी रहेगी शान ।।

डोल उठी है सारी धरती देख रे, डोला गगन है सारा ।
भीख मांगने आया तेरे घर, जगत का पालन हारा रे ।।
तेरे द्वार खड़ा भगवान ....

मैं आज तेरा मेहमान, कि मुझसे करले जरा पहचान ।
आज लुटा दे सर्वस्व अपना, मान ले कहना मेरा ।।
तेरे द्वार खड़ा भगवान ....

मिट जायेगा पल में तेरा, जनम जनम का फेरा रे ।
तु छोड सकल अभिमान, अमर कर ले रे तु अपना दान ।।
तेरे द्वार खड़ा भगवान ....

तेरे हिरे जैसी श्वासा

तेरे हिरे जैसी श्वासा, बातों ही बीती जाय ।
तु तो सत्यनाम भजले, तु तो राम नाम भजले ।।
तेरे हिरे जैसी .....

गंगा–जुमना खूब नहाया, गया ना मन का मैल ।
घर धंधों में लगा हुआ है, जो कोल्हू का बैल ।।
तेरे जीवन की सब आशा, बातों ही बीती जाय ।
तु तो सत्यनाम भजले, तु तो राम नाम भजले ।।
तेरे हिरे जैसी .....

किया ना सतसंग आकार जग में, दिया न कुछ भी दान ।
मेरी–मेरी करते मुरख, निकल जायेंगे प्राण ।।
जैसे पानी बिच पताशा, बातों ही बीता जाया ।
तु तो सत्य नाम भजले, तु तो राम नाम भजले ।।
तेरे हिरे जैसी .....

पाप गठरीया सिर पर लादे, रहा भटकता रोज ।
प्रेम सहित तुने संत पुरुष की, किया न मुरख खोज ।।
झूठा करता रहा तमाशा, बातों ही बीता जाय ।
तु तो सत्यनाम भजले, तु तो राम नाम भजले ।।
तेरे हिरे जैसी .....

नस–नस में प्रति रोम–रोम में, राम रमा है जान ।
प्रकृति बिंदू के करण कण में भी, उसको तु पहचान ।।
उससे मिलने की अभिलाषा, बातों ही बीता जाय ।
तु तो सत्यनाम भजले, तु तो राम नाम भजले ।।
तेरे हिरे जैसी .....

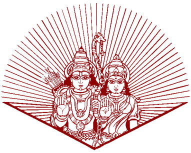

कभी राम बनके
कभी श्याम बनके

कभी राम बनके, कभी श्याम बनके,
चले आना, प्रभुजी चले आना ।

तुम राम रुप में आना, सीता साथ लेके, धनुष हाथ लेके
चले आना, प्रभुजी चले आना ।
कभी राम बनके, कभी श्याम .....

तुम श्याम रुप मे आना, राधा साथ लेके, मुरली हाथ लेके
चले आना, प्रभुजी चले आना ।
कभी राम बनके, कभी श्याम .....

तुम गणपति रुप मे आना, रिध्दि साथ लेके, सिध्दि साथ लेके
चले आना, प्रभुजी चले आना ।
कभी राम बनके, कभी श्याम .....

तुम विष्णु रुप मे आना, लक्ष्मी साथ लेके, चक्र हाथ लेके
चले आना, प्रभुजी चले आना ।
कभी राम बनके, कभी श्याम .....

तुम शिव के रुप मे आना, गौरा साथ लेके, डमरु हाथ लेके
चले आना, प्रभुजी चले आना ।
कभी राम बनके, कभी श्याम .....

तुम ब्रम्ह रुप मे आना, शक्ति साथ लेके, भक्ति साथ लेके
चले आना, प्रभुजी चले आना ।
कभी राम बनके, कभी श्याम .....

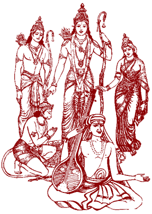

दुनियाँ चले ना

दुनियाॅ चले ना, श्री राम के बिना
राम जी चले ना, हनुमान के बिना

जब से रामाण पढ़ली है, एक बात हमने समझ ली है
रावण मरे ना श्री राम के बिना, लंका जले ना हनुमान के बिना ।
दुनियाॅ चले ना ....

लक्ष्मण का बचना मुश्किल था, कौन बुॅटी लाने के काबिल था
लक्ष्मण बचे ना श्रीराम के बिना, बुॅटी मिले ना हनुमान के बिना ।
दुनियाॅ चले ना ....

सीता हरण की कहानी सुनो, बनवारी मेरी जुबानी सुनो
वापस मिले ना श्रीराम के बिना, पता चले ना हनुमान के बिना ।
दुनियाॅ चले ना ....

वेदों ने पुराणों में कहे डाला, रामजी का साथी बजरंगकाला
जीये हनुमान नही राम के बिना, राम भी रहे ना हनुमान के बिना ।
दुनियाॅ चले ना ....

जग के जो तारण हारे है, उन्हें हनुमान बडे प्यारे है
कर लो सिफारीश दाम के बिना, रस्ता ना मिलेगा हनुमान के बिना ।
दुनियाॅ चले ना ....

जीनका भरोसा वीर हनुमान, उनका बिगडता नही कोई काम
लख्खा कहे सुनो हनुमान के बिना, कुछ ना मिलेगा गुणगान के बिना।
दुनिया चले ना ....

बैठे सिंहासन पे श्रीराम जी, चरणों में बैठे है, हनुमान जी
मुक्ति मिले ना श्री राम के बिना, भक्ति मिले ना हनुमान के बिना ।
दुनियाॅ चले ना ....

श्री रुद्राष्टकम्

दोहा

हाहाकार कीन्ह गुर, दारुन सुनि शिव शाप ।
कंपित मोहि बिलोकि अति, उर उपजा परिताप ॥
करि दंडवत सप्रेम द्विज, शिव सन्मुख कर जोरि ।
बिनय करत गद्गद् स्वर, समुझि घोर गति मोरि ॥

नमामी शमींशान निर्वाणरूपं । विभुं व्यापकं ब्रम्हवेदस्वरूपं ॥
निजं निर्गुणं निर्विकल्पं निरीहं । चिदाकाश माकाशवासं भजेहम् ॥
निराकारमोंकारमूलं तुरीयं । गिराज्ञान गोतीतमीशं गिरीशं ॥
करालं महाकालकालं कृपालं । गुणागारसंसारपारं नतोहम् ॥
तुषाराद्रिशंकाशगौरं गभीरं । मनोभूतकोटिप्रभा श्री शरीरं ॥
स्फुरन्मौलिकल्लोलिनी चारुगंगा । लसदभालबालेन्दु कंठे भुजंगा ॥
चलत्कुंडलं भ्रू सुनेत्रं विशालं । प्रसन्नानं नीलकंठ दयालं ॥
मृगाधीशचर्माम्बरं मुण्डमालं । प्रियं शंकरं सर्वनाथं भजामि ॥
प्रचंडं प्रकृष्टं प्रगल्भंपरेशं । अखंडं अजं भानुकोटिप्रकाशं ॥
त्रयःशूलनिर्मूलनं शूलपाणिं । भजेहम् भवानीपति भावगम्यं ॥
कलातीत कल्याण कल्पान्तकारी । सदा सज्जनानन्द दाता पुरारी ॥
चिदानंदसंदोहमोहापहारी । प्रसीद प्रसीद प्रभो मन्मथारी ॥
न यावद् उमानाथ पादारविन्दं । भजंतीह लोके परे वा नराणां ॥
न तावत्सुखं शान्ति सन्तापनाशं । प्रसीद प्रभो सर्वभूताधिवाशं ॥
न जानामि योगं जपं नैव पूजा । नतोहमं सदा सर्वदा शंभु तुभ्यं ॥
जराजन्मदुःखौघ तातप्यमानं । प्रभो पाहि आपन्नमामीश शम्भो ॥

श्लोक

रुद्राष्टकमिदं प्रोक्तं, विप्रेण हरतोषये ।
ये पठन्ति नरा भक्त्या, तेषां शम्भुः प्रसीदति ॥

हे भोGया शंकरा

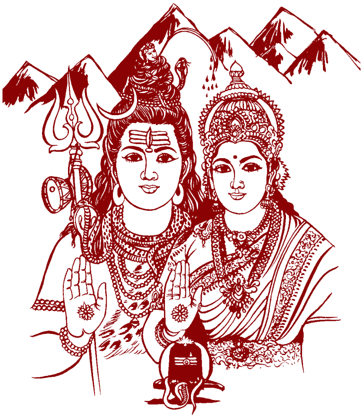

हे भोळया शंकरा
आवळ तुला बेलाची २ बेलाच्या पानाची
हे भोळया शंकरा

गळयांमध्ये रूद्राक्षांच्या माळा
लाविले भस्म कपाळा
आवळ तुला ....

त्रिशुल डमरू हाथी
संग नाचे पार्वती
आवळ तुला ....

भोले नाथा आलो तुमच्या दारी
कुठे ही दिसेना पूजारी
आवळ तुला ....

सुबह सुबह ले, शिव का नाम

सुबह सुबह ले, शिव का नाम
करले बंदे, ये शुभ काम
सुबह सुबह ले, शिव का नाम
शिव आएंगे तेरे काम
ऊँ नमः शिवाय, ऊँ नमः शिवाय

खुद को राख लपेटे फिरते, औरो को देते धन दान
देवो के हित विष पी डाला, नीलकंठ को कोटी प्रणाम
सुबह सुबह ले शिव का नाम, शिव आएंगे तेरे नाम
सुबह सुबह .....

शिव के चरणों में मिलते है, सारे तीरथ चारो धाम
करनी का सुख तेरे हाथो, शिव के हाथो में परिणाम
सुबह सुबह ले शिव का नाम, शिव आएंगे तेरे नाम
सुबह सुबह .....

शिव के रहते कैसी चिंता, साथ रहे प्रभु आठो याम
शिव को भजले सुख पाएगा, मन को आएगा आराम
सुबह सुबह ले शिव का नाम, शिव आएंगे तेरे नाम
सुबह सुबह .....

सज रहे भोले बाबा

सज रहे भोले बाबा, निराले चोले मे ।
निराले चोले मे, मतवाले चोले मे ॥

है भेष निराला (जय हो), पीये भंग का प्याला (जय हो)
सर जटा बढाये (जय हो), तन भषम रमाये (जय हो)
पग घुंघरु साजे (जय हो), त्रिशुल विराजे (जय हो)
सिर पे है गंगा (जय हो), मस्तक पे चंदा (जय हो)

मेरे भोले बाबा की, अजब है बात ।
चले है संग लेकर के, भूतो की बारात ॥
सज रहे भोले ....

है भांग का जंगल (जय हो), जंगल में मंगल (जय हो)
भुतो की पलटन (जय हो), आ गई है बन ठन (जय हो)
ले भांग का गठ्ठा (जय हो), सिर पे डुपट्टा (जय हो)
सब देख रहे है (जय हो), हो हक्का बक्का (जय हो)
पीकर के प्याले (जय हो), हो गये मतवाले (जय हो)
कोई नाचे गावे (जय हो), कोई ढोल बजावे (जय हो)
कोई राह बतावे (जय हो), कोई मुँह बिचकावे (जय हो)
भोले भंडारी (जय हो), पहुचे ससुरारी (जय हो)
भूतो कि टोली लेकर, चले है ससुराल ।
वो भोले जी दिगंबर, वो नंदी पे सवार ॥
सज रहे भोले ....

सब देख के भागे (जय हो), ये नर और नारी (जय हो)
कोई आगे अगाडी (जय हो), कोई भागे पिछाडी (जय हो)
खुल गई किसी की (जय हो), धोती और दाडी (जय हो)
कोई कुदे धम-धम (जय हो), कोई बोले बम-बम (जय हो)
कोई कद का छोटा (जय हो), कोई एकदम मोटा (जय हो)
कोई कद का लम्बा (जय हो), कोई तार का खंबा (जय हो)
कोई एकदम काला (जय हो), कोई दो सिर वाला (जय हो)
भक्त गुण गाये (जय हो), मन मे हरसाए (जय हो)
त्रिलोक के स्वामी (जय हो), क्या रुप बनाये (जय हो)
भोले के साथी (जय हो), है अजब बराती (जय हो)
भूतो कि टोली लेकर, चले है ससुराल ।
वो भोले जी दिगंबर, वो नंदी पे सवार ॥
सज रहे भोले ....

एक दिन वो भोले भंडारी

(तर्ज - मिले न तुमको)

एक दिन वो भोले भंडारी, बनकर के ब्रजनारी, गोकुल में आ गये है ॥
पार्वती भी मना के हारी, ना माने त्रिपुरारी, गोकुल में आ गये है ॥

पार्वती से बोले .... मै भी चलुंगा तेरे संग में
राधा संग श्याम नाचे ..... मै भी नाचुंगा तेरे संग में
रास रचेगा ब्रज में भारी, हमे दिखाओ प्यारी ।
गोकुल में ....

ओ मेरे भोले स्वामी ..... कैसे ले जाऊँ तोहे संग में
मोहन के सिवा वहाँ ..... दुजा पुरुष न आये रास में
हँसी करेगी ब्रज की नारी, मानो बात हमारी ।
गोकुल में ....

ऐसा बना दो मुझको .... जाने न कोई इस राज को
मै हुँ सहेली तेरी .... ऐसा बताना ब्रजराज को
लगा के जुडा पहनके साडी, चाल चले मतवाली ।
गोकुल में ....

हँस के सखी ने कहा .... बलीहारी जाँऊ इस रुप मे
एक दिन तुम्हारे लिये .... आये मुरारी इस रुप में
मोहनी रुप बनाये मुरारी, अब के तुम्हारी बारी ।
गोकुल में ....

देखा मोहन ने उनको ..... समझ गये वो सब बात रे
ऐसी बजाई बंसी .... सुध बुध भुले भोलानाथ रे
सर से खिसक गई जब साडी, मुस्काये गिरधारी ।
गोकुल में ....

दिन दयालु तेरा ..... कब से गोपेश्वर हुआ नाम रे
ओ मेरे भोले बाबा ..... तब से वृंदावन हुआ धाम रे
गोपीचंद कहे त्रिपुरारी, रखीयों लाज हमारी ।
गोकुल में ....

ऐसी सुबह न आए

दोहा

शिव है शक्ति, शिव है भक्ति, शिव है मुक्तिधाम
शिव है ब्रम्हा, शिव है विष्णु, शिव है मेरा राम

ऐसी सुबह न आए, आए न ऐसी शाम
जिस दिन जुंबा पे मेरी, आए न शिव का नाम

मन मंदिर में वास है तेरा, तेरी छवी बसाई
प्यासी आत्मा बनकर जोगन, तेरी शरण में आई
तेरे ही चरणों में पाया, मैने ये विश्राम
ऐसी सुबह न ....

तेरी खोज मे ना जाने, कितने युग मेरे बिते
अंत में काम क्रोध मत हारे, ऐ भोले तुम जीते
मुक्त किया प्रभु तुमने मुझको, शत् शत् है प्रणाम
ऐसी सुबह न ....

सर्वकला संपन्न तुम्ही हो, ऐ मेरे परमेश्वर
दर्शन देकर धन्य करो अब, ऐ त्रिनेत्र महेश्वर
भवसागर से तर जाएगा, लेकर तेरा नाम
ऐसी सुबह न ....

काशी नगरी प्यारी

काशी नगरी प्यारी, जहाँ भोले का दरबार
दर्शन करले प्राणी, जीवन मिले न बारंबार

सुरज की किरणें तेरी, ज्योत जगाये
चंदा की किरणें तेरी, आरती उतारे
टीम टीम करते तारे, जैसे डमरु की आवाज
दर्शन करले प्राणी, जीवन मिले न बारंबार
काशी नगरी ....

गंगा की धारा भोले, भक्ति है तेरी
यमुना की धारा भोले, शक्ति है तेरी
भक्ति-शक्ति संगम, करे जीवन का उध्दार
दर्शन करले प्राणी, जीवन मिले न बारंबार
काशी नगरी ....

भोले शंकर, नाम है तेरा
कष्ट मिटाना सबका, काम है तेरा
गाये धुम मचाये, करे तेरी जय जयकार
दर्शन करले प्राणी, जीवन मिले न बारंबार
काशी नगरी ....

जल थल नभ प्रभु, तेरे अधारे
करुणामय प्रभु, भक्त पुकारे
कर दो बेडा पार प्रभु तो, हो जाये जय जयकार
दर्शन करले प्राणी, जीवन मिले न बारंबार
काशी नगरी ....

ओम बम बम भोलेनाथ

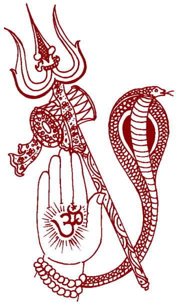

ओम बम बम भोलेनाथ नांदियाँ साथ बडे हो दानी
महीमा न किसी ने जानी ॥
शिवभाल पे निर्मल चंद्रमा है, अर्धांग मे पार्वती माँ है ।
ब्रम्हलोक से गंगा आन जटा मे समानी, महीमा न किसी ने जानी ॥ १ ॥

त्रिनेत्र और माला मुण्ड की, शोभा क्या देती त्रिपुण्ड की
यश गाते गाते थकी वेद की वाणी, महीमा न किसी ने जानी ॥ २ ॥

कानो में कुंडल झलक रहे, शिव वासु की अंग मे लिपट रहे ।
विष की शोभा कंठ मे न जाय बखानी, महीमा न किसी ने जानी ॥ ३ ॥

डमरु त्रिशुल की छबि न्यारी, वट तर है बाघम्बर धारी ।
कैलाश आपका भवन बना लासानी, महीमा न किसी ने जानी ॥ ४ ॥

इच्छित फल देनेवाले हो, दुख दर्द को हरनेवाले हो ।
जो शरण गये पावे वस्तु मनमानी, महीमा न किसी ने जानी ॥ ५ ॥

नैय्या भवसागर बीच पड़ी, शिव पार करो बड़ी देर भई ।
मुझ दास की पुरी आस करो वरदानी, महीमा न किसी ने जानी ॥ ६ ॥

चंदन चांवल बेल की पत्तियाँ

चंदन चांवल बेल की पत्तियाँ, शीश चंद्रमा धारे
वो भोले नाथ हमारे ।
व्याग्र कुडासन मार के आसन, साँप लिए गल माही ।
भस्म लगाकर सारे अंग मे, मुण्ड माल गल डाले ॥ १ ॥
वो भोले नाथ हमारे .....

बुढ़ा बैल सवारी हरदम, शिश पे गंग की धारा ।
कर मे डमरु शंख बिराजे, गरज गरज ललकारे ॥ २ ॥
वो भोले नाथ हमारे .....

भंग पिये अर्धंग निशा में, लगी समाधी प्यारी ।
राम नाम की धुन मे वो तो, कल की खबर बिसारे ॥ ३ ॥
वो भोले नाथ हमारे .....

अर्धांगीनी ले सती पार्वती, पुत्र गणेश मनाई ।
जिनको प्यारा श्मशान सबसे, हर दम योग निहारे ॥ ४ ॥
वो भोले नाथ हमारे .....

हो जावे जब दया किसी पर, उसके भाग्य उबारे ।
तुकडया दास कहे जब रुठे, मना मना कर हारे ॥ ५ ॥
वो भोले नाथ हमारे .....

जय जय शिवशंकर बम भोले

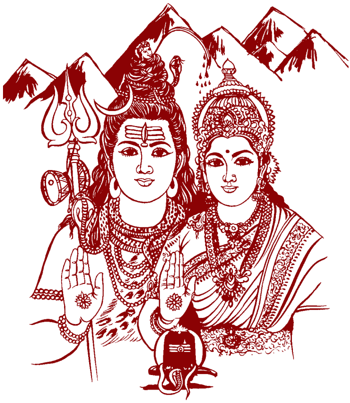

जय जय शिवशंकर बम भोले
तेरे दर्शन को मनवाँ डोले

नाथ गोपेश्वर शिव कैलासी, अगम निगम की काटो फांसी
तेरे दरस को आतुर मनवाँ, दर्शन दे दो बम भोले ॥ १ ॥
जय जय शिवशंकर....

पुण्य महीना सावन आया, हरिद्वार से कावड लाया ।
गंगाजल से भरी गगरीयाँ, इसको अपने माथे ले ॥ २ ॥
जय जय शिवशंकर....

छाया अँधेरा राह दिखा दे, बाँह पकडकर पार करा दे ।
भव सागर मे डुब रहा हूँ, पार लगा दे बम भोले ॥ ३ ॥
जय जय शिवशंकर....

जब हमको भोले तेरा सहारा, क्या कर लेगा काल हमारा ।
चट्टानो से जा टकराये, चल जोगी के संग होले ॥ ४ ॥
जय जय शिवशंकर....

देखो जी भोला ना दरवाजा खोला ना

देखोजी भोला ना, दरवाजा खोला ना, नंदी ने घंटी बजाई
नागो ने थाली सजाई रे भोला, नागो ने थाली सजाई

किसी ने लाई है, दही की मटकी
किसी ने दूध है लाया
मैने अपने मन से भोले बाबा को नहलाया
पंडा भी आए जयकारे लगाये
और पूजा की थाली सजाई
नागो ने थाली सजाई.....

भूत भी आए और दूत भी आए
आए गुरु और चेला
मेरे भोले बाबा के द्वारे, लगता है भक्तो का मेला
भक्त भी आए जयकारे लगाए
और पुजा की थाली सजाई
नागो ने थाली सजाई.....

महाकाल की नगरी में

महाकाल की नगरी में, हम लेंगे जनम दुबारा,
शंकर भोलेनाथ है हमारा तुम्हारा, तुम्हारा हमारा,

इस नगरी के कंकर, पत्थर हम बन जाए,
भक्त लोग हम पे चलकर के, मंदिर अन्दर जाए
भक्तजनों के चरण पड़े तो, हो उध्दार हमारा
शंकर भोलेनाथ.....

इस नगरी के बेलपाती, फलफूल हम बन जाए
भक्त लोग हाथों में लेकर, मंदिर अन्दर जाए
प्रभु चरण में जय भी चढूं तो, हो उध्दार हमारा
शंकर भोलेनाथ.....

जब भी यह तन त्यागूँ, क्षिप्रा नदी का तट हों
इतना करना स्वामी, भोला मेरे निकट हो
मेरी भस्मी चढ़ें आपको, हो उध्दार हमारा
शंकर भोलेनाथ.....

ओ भोले भंडारी, गौरा के त्रिपुरारी,
रखियों लाज हमारी, हम हैं शरण तिहारी
तेरे चरणों में अर्पण है, तन मन जीवन सारा
शंकर भोले नाथ.....

जब–जब नर तन पाऊँ, भोजे के गुण गाऊँ
अपने मन मंदिर में, भोले तुम्हें बसाऊँ
कदम–कदम पर भोले बाबा, देना साथ हमारा
शंकर भोले नाथ.....

डमरु बजाये अंग भस्मी

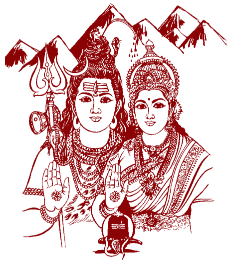

डमरु बजाये, अंग भस्मी रमाये
और ध्यान लगाये किसका
न जाने वा डमरु वाला
सब देवों में – २, है वो देव निराला
डमरु बजाये .....

मस्तक पे चन्दा, जिसकी जटा में है गंगा,
रहती पार्वती संग में, सवारी है बुढा नन्दा,
औ कैलाशी हो अविनाशी–२, पहने सर्पो की माला
डमरु बजाये .....

बाघम्बर धारी, शिव भोला त्रिपुरारी
रहता मस्त सदा, जिसकी महिमा है भारी
भोला–भोला है मतवाला–२, पिवे भंग का प्याला
डमरु बजाये .....

शिव कुटूंब गावे, शिव शुम्भु को ध्याये
जो भी मांगे सो पाये, दर से खाली ना जाये
बड़ा है दानी, बड़ा है ज्ञानी–२, है वो जग रखवाला ।।
डमरु बजाये .....

तेरा पल पल बीता जाय

तेरा पल पल बीता जाय, मुख से जपले नमः शिवाय
ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय

शिव–शिव तुम हृदय से बोलो, मन मंदिर का पर्दा खोलो ।
तेरा अवसर खाली न जाए, मुख से जप ले नमः शिवाय ।। १ ।।

ये दुनिया पंछी का मेला, समझो उड़ जाना है अकेला
तेरा तन–मन साथ न जाए, मुख से जप ले नमः शिवाय ।। २ ।।

मुसा ीरी जब पूरी होगी, चलने की मजबूरी होगी
तेरा पिंजरा खाली रह जाए, मुख से जप ले नमः शिवाय ।। ३ ।।

शिव पूजन में मस्त बने जा, भक्ति सुधा रस पान किये जा ।
दर्शन विश्वनाथ के पास, मुख से जप ले नमः शिवाय ।। ४ ।।

तेरा पल पल बीता जाय, मुख से जपले नमः शिवाय
ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय

कैलास के निवासी

कैलास के निवासी नमु, बार बार हुं
आयो शरण तिहारे प्रभु, तार तार तुं

भक्तों को कभी तुमने शिव, निराश ना किया,
मांगा जो जिन्हे चाहा, वरदान दे दिया,
बड़ा है तेरा दायजा, बडा दातार तुं
आयो शरण तिहारे ....

बखान क्या करु मैं, राखो के ढेर का,
चपटी भभुत मे है, खजाना कुबेर का,
है गंगधार, मुक्तिद्वार, ॐकार तुं
आयो शरण तिहारे ....

क्या क्या नही दिया है, हम क्या प्रमाण दे,
बस गये त्रिलोक शंभु, तेरे नाम से,
जहर पिया जीवन दिया, कितना उदार तुं
आयो शरण तिहारे ....

तेरी कृपया बीना ना हिले, एक ही अणु,
लेते है श्वास तेरी दया, से तनु तनु
कहे दास एक बार, मुझको निहार तुं
आयो शरण तिहारे ....

आया सावन सुहाना

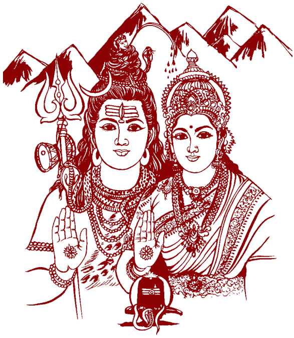

आया सावन सुहाना है, शिव के घर जाना है
हमे कांवड़ चढ़ाना है
बोलो रे बम–बम बोलो रे बम–बम २

नहीं देखा मैं उसको, नहीं देखा वो मुझको
फिर भी मन ये माने, महादेव मेरा उसको
कैसे समझता हूँ, सब साथ पुराना है
हमे कांवड़ चढ़ाना ....

कहते हैं सब उसको, भोला भंडारी
शरण जो पड़ा उसकी, हर विपदा टारी
कैसे मैं पाऊं तुम्हें, होकर दिवाना मैं
हमे कांवड़ चढ़ाना ....

गले में सोहे इनके, सर्पो की माला
रहता है सदा मस्त, पीए भंग का प्याला
मस्तक पे चन्दा है, कहता जमाना है
हमे कांवड़ चढ़ाना ....

भोला भांग तुम्हारी
मै घोटत घोटत हारी

भोला भांग तुम्हारी, मै घोटत घोटत हारी
हमसे ना घोटी जाये, तेरी एक दिना की होय तो घोटू
रोज ना घोटी जाये, बंम भोला बंम भोला बंम भोला....

जिस दिन से मै ब्याह के आय, भाग्य हमारे फुटे
राम करे ऐसा हो जाए, ये सिल बट्टा ही फुटे
तेरी रोज–रोज की अकड झगड, हमसे तो सहा नही जाए
तेरी एक ....

अलग पडे थे वो सिल बट्टा मै मैय्या घर जाऊॅ
जब तुम पीना भांग को छोडो, तभी लौट के आऊॅ ।
मै तो अपने जाऊॅ मायके, तभी समझ मे आए
तेरी एक ....

भांग नही, भगवती है ये, शिव घट पे रहनेवाली
दुष्ट जनो के लिये कालका, है वो बडी कंकाली
इसको पिकर ऋषी मुनी नारद, शिव का ध्यान लगाए
तेरी एक ....

सुन गणपत की महतारी, नित् घोटो भांग हमारी
बिन भांग रहा नही जाए,
गौरा तुझको छोड दू लेकिन, भांग न छोडी जाए
तेरी एक ....

कब से खड़े हैं ...

(r t & vku l m l d ---)

dc l [kM g] >kyh i lkj A D; uk lu r] gejh idkj
vk l jk rEgkjk g] ej Hkky ckck A r jk gh lgkjk g] ej Hkky ckck

n[k yk yxh g] vk t efUnj e HkhM ; Hkkjh A
n'kuk d [kfrj] vk; g uj vkj ukjh A
vk t k g] f=i jkjh] nhuk u idkjk g] ej Hkky ckck AA 1 AA

f tUnxh l gkj] D;k dj eu e /khj t u vk; A
gk; j tgk e] ykx v iu g, g ijk; A
rj f l ok] nfu ;k e] dkb uk gekjk g] ej Hkky ckck AA 2 AA

jkLrk uk e>] dgk tk; e lhcr d ekj A
vk l jk g rjk] nj dj lkj ldV gekj A
g Hkky] ru gh] yk[kk dk mckjk g] ej Hkky ckck AA 3 AA

vk x; 'kj.k e] ck> ikik dk l j i mBk; A
dj u t j n;k dh] f'ko dVEc ; fourh luk; A
lok e] geu rjh] thou ; xtkjk g] ej Hkky ckck AA 4 AA

मेरे सिर पर रख दो

मेरे सिर पर रख दो बाबा, अपने ये दोनो हाथ
देना हो तो दिजीए, जनम-जनम का साथ

देने वाले श्याम प्रभु से, धन और दौलत क्या मांगे
श्याम प्रभु से मांगे तो फिर, नाम और इज्जत क्या मांगे
मेरे जीवन मे अब भर दो, तुम किरपा की बरसात
देना हो तो दिजीए ....

श्याम तेरे चरणो की धुली, धन दौलत से महंगी है
एक नजर किरपा की बाबा, नाम इज्जत से महंगी है ।
मेरे दिल की तमन्ना यही है, मै सेवा करु दिन रात
देना हो तो दिजीए ....

झुलस रहे है गम की धुप मे, प्यार की छैय्याँ कर दे तु
बिन मांझी के नाव चले ना, अब पतवार पकडले तु
मेरा रस्ता रोशन कर दे, छाई अंधियारी रात
देना हो तो दिजीए ....

सुना है हमने शरणागत को, अपने गले लगाते हो
ऐसा हमने क्या मांगा, जो देने से घबराते हो
चाहे जैसे रख बनवारी, बस होती रहे मुलाकात
देना हो तो दिजीए ....

आओ कन्हैय्या, आओ मुरारी
(तर्ज - तुम्ही ही मेरे मंदिर तूम ही मेरे)

आओ कन्हैय्या, आओ मुरारी
तेरे दर पे आया, सुदामा भिखारी

क्या मै बताऊँ, क्या मैं सुनाऊँ
एक दुःख नही है, जो मनमे छिपाऊँ
घर-घर की जानते हो, सब तुम मुरारी

ना कोई घर है, ना तो डगर है
फटे हुए कपड़े नाथ, तुम्हे सब खबर है
आकर के देखो, दशा ये हमारी

आँखो मे आँसु, उठे ना कदम है
आओ कन्हैय्या अब, होठों पे दम है
क्या तुम परिक्षा, लेते हो हमारी

आवाज मेरी, पहुँची नही क्या
द्वारपाल ने जाके, खबर नही दी क्या
ऐसे निठुर क्यो, बने हो मुरारी

आओ कन्हैय्या, टूटे अब दम है
अगर अब ना आओ, तो मोरी कसम है
मोरी कसम सुन, आए है मुरारी

जिनके सिर पर श्याम प्यारे

(तर्ज - हम सफर मेरे हम सफर)

जिनके सिर पर श्याम प्यारे, की दया का हाथ है
हर घड़ी हर पल कन्हैय्या, रहता उनके साथ है

देख ले दर्शक तुझे हो, अपनी पलके खोल के
श्याम के प्यारे मिलेंगे, मस्तियों में झूमते
हर तरफ खुशियाँ है उनके, फुलो की बरसात है
जिनके सिर पर ....

कौन है इतना दयालु, देव मेरे श्याम सा
हो कृपागर जिनपे इनकी, डर उसे किस बात का
राह चाहे हो घणेरी, इनकी वो परभात है
जिनके सिर पर ....

प्रेम का रसिया कन्हैय्या, प्रेम करके देख ले
डूब जा तु श्याम रस में, द्वार दिल के खोल ले
प्रेमियों को ढूँढते है, प्रेम की पहचान है
जिनके सिर पर ....

प्रेमियों को श्याम प्यारे, पे बडी ही नाज है
कौन किसका है दिवाना, ये पहेली राज है
हमको ऐसे देवता से, मिलने की बड़ी आस है
जिनके सिर पर ....

छोटी सी थारी आँगली

छोटी सी थारी आँगली जी
कईयां गिरवर ने उठायो सा, ओ साँवरा
कईयां पर्वत ने उठायो सा, ओ साँवरा

अजब निराली थांकी माया, कांई सू जानी जावे रे साँवरा
अनहोनी ने होनी कर दे, पर्वत राई में बदल दे
जब-जब पाप जगत में छाई, तब-तब लियों अवतार कन्हाई
लोहारो मजबूत खम्बो, फाड़के जी कईयां नरसिंह रुप बनायो सा
ओ साँवरा ....

एक दिन कौरव द्रोणाचारी, वाने खोटी नियत बिचारी
पकड़कर लाई द्रौपदी नारी, वाने किन्ही बीच उघाड़ी
ऐसो तो कारण थाने याद थोजी, पर्वत कपड़ा रो बनायो सा
ओ साँवरा ....

मीरा बाई रो जहर पचायो, नानी बाई रो भात भरायो
ऐसो कांईरा घबराई, म्हारी क्यों न करो सहाई
खत लिख गयो वा साँवरोजी, थाने नरसी भगत बुलायो सा
ओ साँवरा ....

थाने परदे में, राखाजी बाबा श्याम

थाने परदे में, राखाजी बाबा श्याम
नजर लग जावेगी

लुण राई वारो, लुण राई वारो
थाने परदे ...

जिसने तुम्हे बनाया बाबा, सुंदर खूब बनाया
उपर से तेरे भक्तों ने, सुंदर खूब सजाया
बुरी नजरां से, बचावाँ थाने श्याम
नजर लग जावेगी
थाने परदे ...

लुण राई वारो, लुण राई वारो
थाने परदे ...

बाबा थारो रुप निरालो, भक्तारा मन भावे
म्हारा घरा ले चाला थाने, म्हारे मन मे आवे
सारी दुनिया मे, घुमावा बाबा श्याम
नजर लग जावेगी
थाने परदे ...

लुण राई वारो, लुण राई वारो
थाने परदे ...

फुलो में सज रहे है, श्री वृंदावन बिहारी

फुलो में सज रहे है, श्री वृंदावन बिहारी
और साथ सज रही है, वृषभान की दुलारी

तेढ़ासा मुकूट सर पर, रखा है किस अदा से
करुणा बरस रही है, करुणा भरी निगाह से
बिन मोल बिक गई है, जब से छबी निहारी
फुलो मे सज रहे है ....

बहियाँ गले मे डाले, जब दोनो मुस्कुराते
सबको ही प्यारे लगते, सबके ही मन को भाते
इन दोनो पे मै सदके, इन दोनो पे मै वारी
फुलो मे सज रहे है ....

श्रृंगार तेरा प्यारे, शोभा कहु क्या उसकी
एक पे गुलाबी फटका, उसपे गुलाबी साड़ी
फुलो मे सज रहे है ....

नीलम सा सोहे मोहन, स्वर्णिम सी सोहे राधा
इत नंद का है छोरा, उत भानू की दुलारी
फुलो मे सज रहे है ....

चुन चुन के कलियाँ किसने, बंगला तेरा बनाया
दिव्य आभुषणों से, जिसने तुम्हें सजाया
इन हाथो पे मै सदके, उन हाथो पे मै वारी
फुलो मे सज रहे है ....

राधा की पायल

राधा की पायल, छम-छम बाजे
छम-छम बाजे पायल, राधा रानी नाचे
श्याम ने छेड़ा तराना, राधा का श्याम दिवाना

राधा जब पायल छनकावे
कानूड़ो झट दौड़यो आवे
करे ना कोई बहाना
राधा का श्याम .....

हरी-भरी धरती, हर्‌यो-भर्‌यो उपवन
गूंज रह्‌यो, सारो वृन्दावन
गूंज रहा बरसाना
राधा का श्याम .....

गौर वरण की राधा प्यारी
सांवली सूरत कृष्ण मुरारी
ज्यूं शम्मा परवाना
राधा का श्याम .....

भक्त भजे श्री राधे २
राधेजी श्री श्याम से मिला दे
प्रेम का मंत्र सुहाना
राधा का श्याम .....

होलीया मे उड़े रे गुलाल

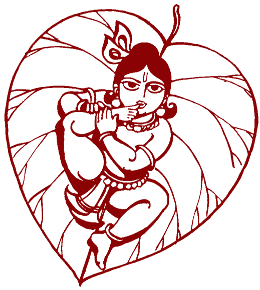

फागुन मे भी श्याम का, चम-चम-चमके द्वार
होता है उस द्वार से, सबका बेडा पार
हो-हो ... जो भी आता है, हो जाता है लाल
अपने ही रंग में रंग देते है, सबको दिनदयाल

होलीया में उड़े रे गुलाल, श्यामजी के मंदिर में
काले भी हो जाते है लाल । श्याम जी के मंदिर में

श्याम धनी से माँग के देखो २, हो जाओगे मालामाल
श्यामजी के मंदीर मे ॥ होलीया में ॥

देवरानी जेठानी बोले चालो - चालो सासुजी २
आपा भी हो जावांगा निहाल
श्यामजी के मंदीर में ॥ होलीया में ॥

आये है कैलाश वरुनजी । हाथो मे लेकें गुलाल
श्यामजी के मंदिर में ॥ होलीया में ॥

श्याम धनी को नीलो घोडो । छम-छम नाचे बेहाल
श्यामजी के मंदिर में ॥ होलीया में ॥

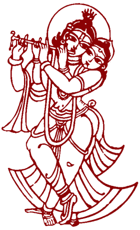

राधिका गोरी से
(तर्ज - हम तुम चोरी से)

राधिका गोरी से, बिरज की छोरी से
मैय्या करा दे मेरो ब्याह
उमर तेरी छोटी है, नजर तेरी खोटी है
कैसे करा दुँ तेरो ब्याह ।

जो नही ब्याह कराए, तेरी गैय्या नाही चराऊ
आज के बाद मेरी मैय्या, तेरी डेहरी पर ना आऊ
आएगा रे मजा, रे मजा, अब इस जीत हार का
राधिका गोरी से ....

चंदन की चौकी पर, मैय्या तुझको बैठाऊँ
अपनी राधा से मै, चरण तेरे दबवाऊँ
भोजन मैं बनवाऊँगा, बनवाऊँगा, छप्पन प्रकार के
राधिका गोरी से ....

छोटी सी दुल्हनियाँ, जब अंगना मे डोलेगी
तेरे सामने मैय्या, वो घूंघट ना खोलेगी
दाऊ से जा कहो, जा कहो, बैठेंगे द्वार पे
राधिका गोरी से ....

सुन बाते कान्हा की, मैय्या हौले मुस्काए
लेके बलैय्या मैय्या, हिवड़े से लियो लगाए
नजर कहीं लग जाए ना, लग जाए ना, मेरे लाल को
राधिका गोरी से ....

हर साँस में हो सुमिरन तेरा

श्री कृष्ण गोविंद हरे मुरारी, हे नाथ नारायण वासुदेवा ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय, ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

हर साँस मे हो सुमिरन तेरा, युँ बीत जाए जीवन मेरा
तेरी पूजा करते बीते साँझ सबेरा, युँ बीत जाए जीवन मेरा

नैनो की खिड़की से तुझको, पल-पल मैं निहारू
मन में बिठालु, तेरी आरती ऊतारू
डाले रहे तेरे चरणों में डेरा, युँ बीत जाए जीवन मेरा

जो भी तेरा प्यारा हो, वो मेरे दिल का प्यारा हो
मेरे सर का ताज, मेरी आँखो का तारा हो
सब में निहारू रूप सुनहरा, युँ बीत जाए जीवन मेरा

प्यार हो, सत्कार हो, एतबार हो तुम्हारा
सुख भी सारे और, याद हो इशारा
हो आत्मा पर तेरा ही डेरा, युँ बीत जाए जीवन मेरा
राधे राधे गोविंद, गोविंद राधे ....

राधा के मन में

राधा के मन में, बस गए कुँज बिहारी
श्याम रंग में रंग गई राधा, भूली सुदबुध सारी

श्याम नाम की चुनरी ओढ़ी, श्याम नाम की चुड़ियाँ
अंग अंग मे श्याम बसाए, मिट गई सारी दुरियाँ
कानो में कुंडल गल वैजन्ती, माला लागे प्यारी
राधा के मन ....

बैठ कदम की डाल कन्हैय्या, मुरली मधुर बजाए
साँझ सकारे मुरली के स्वर, राधा राधा गाए
इस मुरली की ताल पे जाए, ये दुनिया बलिहारी
राधा के मन ....

अधर सुधारस मुरलीराजे, कान्हा रास रचाए
कृष्ण रचैय्या राधा रसना, प्रेम सुधा बरसाए
प्रेम मगन हो सब मिल बोलो, जय हो कृष्ण मुरारी
राधा के मन ....

अच्यूतम् केशवम्

अच्यूतम् केशवम् , कृष्ण दामोदरम्
राम नारायणम् , जानकी वल्लभम्

कौन कहता हैं, भगवान आते नहीं
भक्त मीरा के जैसे, तुम बुलाते नहीं
अच्यूतम् ....

कौन कहता है, भगवान सुनते नही
टेर सुदामा के जैसे, तुम लगाते नही
अच्यूतम् ....

कौन कहता है, भगवान खाते नहीं
बेर सबरी के जैसे, तुम खिलाते नहीं
अच्यूतम् ....

कौन कहता है, भगवान नाचते नही
गोपीयो के जैसे, तुम नचाते नही
अच्यूतम् ....

कौन कहता है, भगवान सोते नही
माँ यशोदा के जैसे, तुम सुलाते नहीं
अच्यूतम् ....

श्याम मुरली तो , बजाने आओ

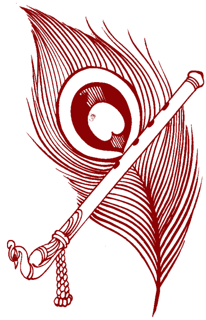

श्याम मुरली तो, बजाने आओ
रुठी राधा, को मनाने आओ

ढूँढती है तुम्हे, ब्रज की बाला
रास मधुवन, मे रचाने आओ
श्याम मुरली तो, बजाने आओ

राह तकते है, कबसे ये ग्वाले
फिर से माखन, तो चुराने आओ
श्याम मुरली तो, बजाने आओ

इन्द्र फिर क्रोध, कर रहा ब्रज पर
नख पे गिरवर, को उठाने आओ
श्याम मुरली तो, बजाने आओ

अपने भक्तों को, फिर से मनमोहन
पाठ गीता, का पढ़ाने आओ
श्याम मुरली तो, बजाने आओ

आज्यो जी म्हारे देश

आज्यो जी म्हारे, आज्यो जी म्हारे
आज्यो जी म्हारे देश, साँवरा आज्यो जी म्हारे देश
थारी सांवली सूरत लंबा केश, साँवरा आज्योजी म्हारे देश

आवन-आवन कह गयाजी, कर गया कौल अनेक
गिनता-गिनता घीस गई जी - २
म्हारी आंगलिया री रेख, साँवरा आज्योजी म्हारे देश

कागज नहीं जी कलम नही जी, स्याही नही म्हारा देश
ऐजी पंक्षी रो परवेज नहीं जी - २
किस विध भेजू संदेश, साँवरा आज्योजी म्हारे देश

साँवरा ने मैं ढुँढन गई जी, धर जोगन को भेष
फिरता-फिरता जग फिरी जी - २
म्हारा धोला पड़ गया केश, साँवरा आज्योजी म्हारे देश

मोर मुकूट कटि कांचनीजी, घूंघरवाला केश
मीरा ने गिरधर मिल्याजी
धर नटवर रो वेष, साँवरा आज्यो जी म्हारे देश

पलके ही पलके

पलके ही पलके बिछाएंगे, जिस दिन श्याम प्यारे घर आएंगे
हम तो है कान्हा के, जन्मों से दिवाने रे
मीठे-मीठे भजन सुनाएंगे, जिस दिन श्याम प्यारे घर आएंगे

घर का कोना कोना मैने, फूलों से सजाया है
बंदन वार बधाई, घी का दीप जलाया है
प्रेमी जनो को बुलाएंगे, जिस दिन श्याम प्यारे घर आएंगे

गंगा जल की झारी, प्रभु के चरण पखारूँ
भोग लगाऊ, लाड़ लडावू, आरती उतारूँ
खुश्बु ही खुश्बु उड़ाएंगे, जिस दिन श्याम प्यारे घर आएंगे

अब तो लगन एक ही मोहन, प्रेम सुधा बरसादे
जनम जनम की मैली चादर, अपने रंग में रंगादे
जीवन को जीवन बनाएंगे, जिस दिन श्याम प्यारे घर आएंगे

नटवर नागर नंद का लाला, मुरली मधुर बजाए
हम सब प्रेमी नाच नाच कर, गिरधर को रिझाये
नैनो से नैना मिलाएंगे, जिस दिन श्याम प्यारे घर आएंगे

क्यो भटके मन बाँवरे
(तर्ज - लाल दुपट्टा)

क्यों भटके मन बाँवरे, तु क्यों रोता है
साँवरीये का प्रेमी होकर, धीरज खोता है ।
तु कर विश्वास ये प्यारे, साँवरा साथ है प्यारे

उगता है जो सुबह को सूरज, साँझ वो ढल जाता है
यह जीवन भी इसी तरह है, सुख-दुख आता जाता है
बल मांग प्रभु से (जीनेका), सुख दुख के आँसू (पीने का)
सुख में हँसता दुख में, तु क्यों नैन भिगोता है
साँवरीये का प्रेमी ....

राम ने भी दुख काँटे थे, चौदह बरस वनवास में
साँवरीये ने जन्म लिया, देखो कारावास में २
ये कहे कन्हैय्या (धर्म करो), बिन फल की इच्छा (कर्म करो)
कर्म हमारा अच्छा, कुल के पाप को धोता है
साँवरीये का प्रेमी ....

छोड़ दिखावा चकाचौंध तु, काहे मनमा भरमाए
ना जाने किस भेष में तेरे, नारायण घर आ जाए ...
दुख में ना कर तु (खुदगर्जी), सुख दुख रोनी (रब की मर्जी)
साँवरीये की रजा मे क्यों, नाराजी होता है
साँवरीये का प्रेमी ....

झुक गए बडे बडे सरदार
(तर्ज - थांसू विनंती बारंबार)

झुक गए बडे बडे सरदार, तेरी मोरछड़ी के आगे
तेरी मोर छड़ी के आगे, तेरी मोर छड़ी के आगे

तेरे आगे मान दिखाए, चाहे कोई अकड़ दिखाए
टूटा अहंकार हर बार, तेरी मोरछड़ी के आगे

राजा को रंक बनाए, नौकर भी सेठ कहाए
झुक गए लाखो साहूकार, तेरी मोर छड़ी के आगे

चाहे कोई घात लगाए, चाहे प्रतिघात लगाए
कट गई बड़ी बड़ी तलवार, तेरी मोर छड़ी के आगे

सूरज तेरी महिमा गाए, चरणों में शीश झुकाए
झुक गया कलयुग में संसार, तेरी मोर छड़ी के आगे

जिस देश में, जिस भेष में

जिस देश में, जिस भेष में, परिवेश में रहो
राधा रमण, राधा रमण, राधा रमण कहो

जिस काम में, जिस धाम में, जिस नाम में रहो
राधा रमण, राधा रमण, राधा रमण कहो

जिस संग में, जिस रंग में, जिस ढंग में रहो
राधा रमण, राधा रमण, राधा रमण कहो

जिस योग में, जिस भोग में, जिस रोग में रहो
राधा रमण, राधा रमण, राधा रमण कहो

जिस देह में, जिस गेह में, जिस स्नेह में रहो
राधा रमण, राधा रमण, राधा रमण कहो

संसार में, परिवार में, घर बार में रहो
राधा रमण, राधा रमण, राधा रमण कहो

इस लोक में, परलोक में, गोलोक में रहो
राधा रमण, राधा रमण, राधा रमण कहो

नौकर रखले साँवरे

नौकर रखले साँवरे, हमको भी एक बार २
बस इतनी तनखाह देना, मेरा सुखी रहे परिवार

तेरे काबिल नही मैं बाबा, फिर भी काम चला लेना
जैसा भी हुँ तेरा ही हुँ, गुण अवगुण बिसरा देना
जो तेरी किरपा होगी, मेरा सुधरेगा संसार ॥
नौकर रखले ...

सेठो के तुम सेठ साँवरे, मेरी क्या औकात है
तेरी सेवा मिल जाए तो, ये किस्मत की बात है
मानुंगा तेरा कहना, ये करता हुँ इकरार
नौकर रखले ...

थोड़ी सी माया दे करके, मुझको ना बहलाओ जी
आज खड़ा हुँ सामने तेरे, कोई हुकुम सुनाओ जी
भक्तों की इस अर्जी पे, प्रभु ना करना इन्कार २
नौकर रखले ...

लाला जनम सुन आई

लाला जनम सुन आई, यशोदा मैय्या दे दो बधाई
दे दो बधाई मैय्या, दे दो बधाई

हार भी दे दो मैय्या, कण्ठी भी दे दो
कुंदन की दे दो जड़ाई, यशोदा मैय्या दे दो बधाई
लाला जनम .....

झुमका भी दे दो मैय्या, चुड़ीयाँ भी दे दो
कंगना की दे दो जड़ाई, यशोदा मैय्या दे दो बधाई
लाला जनम .....

करधन भी दे दो मैय्या, पायल भी दे दो
बिछीयाँ की दे दो बनाई, यशोदा मैय्या दे दो बधाई ...
लाला जनम .....

लहेंगा भी दे दो मैय्या, चोली भी दे दो
चोली की दे दो सिलाई, यशोदा मैय्या दे दो बधाई
लाला जनम .....

राधे गोपाला गोपी गोपाला

जय जय राधे गोपाला, गोपी गोपाला
गोविंद गोपाल, हे नंदलाला २
हे नंदलाला २
जय जय राधे गोपाला, गोपी गोपाला २
मीरा के नाथ प्रभु, गिरधर गोपाला २
गिरधर गोपाला २
तुलसीजी के राजाराम, रघुवर दिनदयाला २
रघुवर दिनदयाला २
नरसीजी के सांवरीयाँ, गिरधारी नंदलाला २
गिरधारी नंदलाला २
सुरदास के सुंदर श्याम, मोहन मुरलीवाला २
मोहन मुरलीवाला २
गोवर्धनधारी गोपाल लाला, हे नंदलाला २
प्रेम से बोलो गोपाला, गली–गली में गोपाला,
घर–घर बोलो गोपाला, गोपाला २
प्यारे नंदलाला प्यारे नंदलाला,
पिंताबर धारी, हे बंसीवाला २
जय जय राधे गोपाला, गोपी गोपाला

गोकुल की हर गली में

गोकुल ही हर गली में, मथुरा की हर गली में
कान्हा को ढूँढता हुँ, दुनिया की हर गली में

गोकुल गया तो सोचा, माखन चुराता होंगा
या फिर कदम के निचे, बंशी बजाता होंगा
गुजरी की हर गली में, ग्वालन की हर गली में
कान्हा को ढूँढता हुँ.....

शायद किसी बहन की, साडी बढ़ाता होंगा
या फिर वा विष का प्याला, अमृत बनाता होंगा
भक्तों की हर गली में, प्रेमी की हर गली में
कान्हा को ढूँढता हुँ.....

भटका गली-गली में, पुँछा गली-गली में
मुझको मिला कन्हैया, दिलवालो की गली में
बनवारी दिल लगाने, आता हुँ इस गली में
कान्हा को ढूँढता हुँ.....

अजब हैरान हुँ भगवन

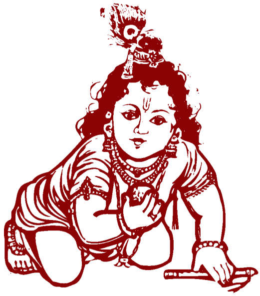

अजब हैरान हुँ भगवन, तुझे कैसे रिझाऊँ मैं
नही वस्तु कोई ऐसी, जिसे सेवा में लाऊँ मैं

है रोशन चाँद और सूरज, सभी तेरे इशारो पर
बड़ा शर्मिन्दा करना है, तुझे दिपक दिखाऊँ मैं
अजब हैरान ....

लगाना भोग भी तुझको, तेरा अपमान करना हैं
खिलाता हैं तु सब जग को, तुझे कैसे खिलाऊँ मैं
अजब हैरान ....

है फूलों में तु ही व्यापक, तु ही मुरत में व्यापक हैं
भला भगवान को भगवान पर, कैसे चढ़ाऊँ मैं
अजब हैरान ....

मैं खाली हाथ तेरे दर पे दाता, खुद चला आया
रिझाने तुझको दाता मैं, भजन करने चला आया

नही हैरान अब भगवन, तुझे कैसे मनाऊँ मैं
लगा डुबकी भजन गंगा में, प्रभु तुमको मनाऊँ मैं
भजन करके मेरे दाता, प्रभु तुमको मनाऊँ मैं
अजब हैरान ....

थाली भरकर ल्याई खीचड़ो

थाली भर कर ल्याई खीचड़ो, उपर घी की बाटकी
जीमो म्हारा श्याम धनी, जिमावै बेटी जाट की ।

बाबो म्हारो गाँव गयो है, ना जाने कद आवेगो
उँकै भरोसे बैठ्यो साँवरा, भूखो ही रह जावेगो ।
आज जिमाऊँ तनै खीचड़ो, काल राबड़ी छाछ की
जीमो म्हारा श्याम धणी, जिमावै बेटी जाट की
थाली भर कर ....

पड़दो भूल गई साँवरीया, पड़दो फेर लगायो जी
धाबलिये की ओट बैठकर, श्याम खीचड़ों खायो जी ।
भोला ढ़ाला भक्ता के, साँवरीया कईयाँ आँट की
जीमो म्हारा श्याम धणी, जिमावै बेटी जाट की
थाली भर कर ....

भक्ति हो तो करमां जैसी, साँवरियों घर आवेलो
" सोहनलाल लोहाकर " प्रभु का, हर्ष-हर्ष गुण गावेलो ।
सांचो प्रेम प्रभु में हो तो, मुरती बोले काठ की
जीमो म्हारा श्याम धणी, जिमावै बेटी जाट की
थाली भर कर ....

मेरा श्याम बड़ा रंगीला

(तर्ज - उड़े जब जब जुल्फे तेरी)

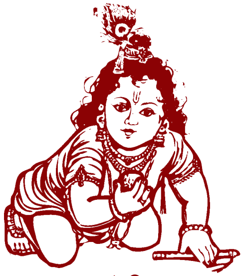

मेरा श्याम बडा रंगीला २
मस्तीयाँ बरसेगी, २ किर्तन में

हो कोई इसको, रिझाकर देखे २
उमरीयाँ सुधरेगी, २ किर्तन में
मेरा श्याम बड़ा ....

हो कोई इनको, सजाकर देखे - २
की खुश्बु महेकेंगी, २ किर्तन में
मेरा श्याम बड़ा ....

हो कोई अखीयाँ, लड़ाकर देखे - २
की धड़कन मचलेंगी, २ किर्तन में
मेरा श्याम बड़ा ....

हो कोई इनको, नचाकर देखे - २
के मुरलीयाँ गुजेंगी, २ किर्तन में
मेरा श्याम बड़ा ....

हो भक्तां चले, भजन सुनावां - २
चदरीयाँ निखरेंगी, २ किर्तन में
मेरा श्याम बड़ा ....

मन मे तो आए

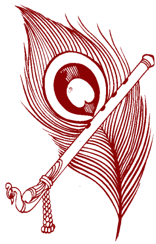

मन मे तो आए, भोग लगाऊँ
रुखी सुखी राम रसोई, थाने जीमाऊँ

गैय्यन को दुध ल्याके, खीर बनाऊँ
खारक छुहारा केसर, उसमे मिलाऊँ
सुदामा के चांवल लेकिन, कहाँ से मे लाऊँ
मन मे तो आए ....

कर्मा थारो, करम सवायो
श्याम धनी थारे, जीमण आयो
भक्ती दे कान्हा मै भी, कर्मा बन जाऊँ
मन मे तो आए ....

भक्ति भाव से मैं, थाल सजाऊँ
भाव परोसु, भाव जिमाऊँ
जीमो म्हारा श्याम धनी, मैं सौगन कराऊँ
मन मे तो आए ....

चापत चरण करत नित सेवा

चापत चरण करत नित सेवा, करत नित सेवा
बिन दर्शन नही होत कलेवा, नही होत कलेवा
तेरो ही है आज्ञाकारी, तेरो पुजारी है गिरधारी
राधे .... श्यामा, राधे .... श्यामा

वृंदावन नित रास रचावत २
जब रुठे श्यामा, श्याम मनावत २
राधा के मोहन बनवारी, तेरो पुजारी है गिरधारी
राधे .... श्यामा, राधे .... श्यामा

राधेश्याम की सुंदर जोड़ी २
श्रीराधा वृषभान किशोरी, वृषभान किशोरी २
स्वामी हरिदास जावे बलीहारी, तेरो पुजारी है गिरधारी
राधे .... श्यामा, राधे .... श्यामा

मानसरोवर जाय के बैठी २
राधा तो रिसीयाय के बैठी २
पागल कहे लीला न्यारी, तेरो पुजारी है गिरधारी
राधे .... श्यामा, राधे .... श्यामा

ओ खाटू वाले बाबा

ओ खाटू वाले बाबा, किरपा बरसा दोना
एक छप्पन करोड़ की लॉटरी, म्हारी खुलवा दोना

छप्पन करोड़ की खुले लॉटरी, सुनलो के करवाऊँगा
खाटू के मंदिरयों को मैं, जिर्णोध्दार कराऊँगा
क्यों घर-घर माँगने जाये २, मेरा काम पटा दोना
एक छप्पन .....

लाखों लाख भक्त जो आवे, भीड़ घनेरी लागे रे ।
मंदिर पड़ जावे है छोटो, धक्का मुक्की लागे रे
एक स्वर्ग लोक के जैसा २, मंदिर बनवा दोना
एक छप्पन .....

चारों ओर हो बाग-बगीचा, केशर की हो फुलवारी
दरवाजे पर निलो घोडो, हरदम रहे है तैयारी
थे छप्पर फाँड़ के देवो २, सबने दिखला दोना
एक छप्पन .....

कीर्तन की है रात

dhru fd g jkr ckck] vkt Fkku vk.kk g A
gk Fkku dky fuHkk.kk g AA dhru fd g jkr AA

njckj lkojh;k] ,lk ltk l;kjk] n;ky vkidk AA
lok e lkojh;k] lxM;k&[kM;k fVd] gde cl vkidk
lok e Fkkjh] gk Egk.kk vkt fcN tk.kk g
gk Fkku dky fuHkk.kk g AA dhru fd g jkr AA

dhru fd g R;kjh] dhru djk tedj] iHk D;k nj djk
oknk rjk nkrk] dhru e vkuk dk] /kuh D;k nk djk
Hktuk l Fkku] Egk.k vkt fj>kuk g A
gk Fkku dky fuHkk.kk g AA dhru fd g jkr AA

tk dN cu Egkl] viu iHk lkjk] iHk fLodkj djk
uknku l xyrh] gkrh gh vkb g] iHk er /;ku /kjk A
; ctjxh HkDr 2 Fkkj nkl ijkuk g
gk Fkku dky fuHkk.kk g AA dhru fd g jkr AA

श्याम तेरी बंसी पुकारे

राधा नाम

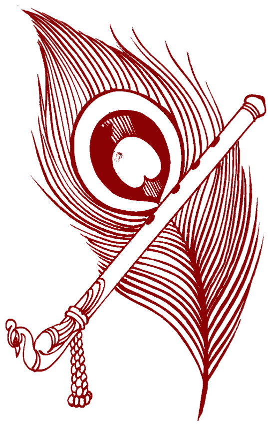

';ke rjh clh] idkj jk/kk uke]
ykx dj ehjk dk] ;k gh cnuke]
lkoj dh clh dk] ctu l dke]
jk/kk dk Hkh ';ke ok rk] ehjk dk Hkh ';ke

teuk dh ygj] clh oV dh u*;k]
fdldk ugh ok cky] o!".k dUg;k]
';ke dk fnokuk rk] lkjk ct/kke
ykx dg ehjk -----

dku tku ckljh;k] fdldk cyk;]
ftld eu Hkk;] mlh d xu xk;]
dku ugh clh dh] /kudk xyke
ykx dg ehjk -----

नंदरानी कन्हैया जबर ...

unjkuh dUg;k tcj Hk;k j
vk ;'kknk rjk yYyk (dkUgk) fcxM x;k j
ejh eVdh myV d iyV x;k j

eLdku mldh] yx l;kjh l;kjh
fnokuh g mldh] lkjh ctukjh
,dh c'kh ek] ft;jk vVd x;k j AA
ejh eVdh myV d ---------

iu?kV i vkd] dj tkjktkjh
pid l vkd] dj phj pkjh
e*;k gYyk] epk rk lVd x;k j AA
unjkuh rjk yYyk fcxM x;k j
ejh eVdh myV d ---------

?kj ?kj e tkdj] ; ek[ku pjko
[kko lk [kko] teh i fxjko
e*;k jkduk] gekjk [kVd x;k j AA
ejh eVdh myV d ---------

e rk n[k;kjh] xjhch dh ekjh
ugh tkj pky;k] rk nhUgh e xkjh
ekjh c*;k] dUg;k >Vd x;k j AA
ejh eVdh myV d ---------

मुझे चरणों से ...

e> pj.kk l yxky] vk ';ke ejyhoky
ejh lkl lkl e rjk] g uke ejyhoky
e> pj.kk -----

HkDrk fd reu dkUgk] foink feVk nh
ejh Hkh ckg Fkkek] ckd fcgkjh
ejh Hkh ckg
fcxMh cukb reu] gj ckr ejyhoky
e> pj.kk -----

ir>M g ejk thou] cud cgkj vktk
luy idkj dkUgk] cl ,d ckj vktk
lu y idkj ------
cpu eu e re gh] vkjke ejyhoky
e> pj.kk -----

re gk n;k d lkxj] pj.kk dh e g nklh
n nk txg e> Hkh] pj.kk e cl tjk&lh
ejh lcg re gk] vkj ';ke ejyhoky
e> pj.kk -----

तुम मेरे जीवन के धन हो

re ej thou d /ku gk] vkj ik.kk/kkj gk]
,d re nkrk n;ky] lcd ikyugkj gk]
re ej ----------

tkxr lkr dHkh Hkh] e rEg Hky ugh]
Hk"k nk jktk dk e>dk] ;k xy dB gkj gk]
re ej ----------

ti jg rjk uke iNh] xhr xkrh g iou
jx jg jxk l tx dk] vtc jpukdkj gk
re ej ----------

Hkj jgk /ku /kkU; l gh] lcd r ifjokj dk]
nd re Fkdr ugh gk] ,lh re ljdkj gk
re ej ----------

ftnxh fd uko eu] lki nh iHk vkidk]
re Mckvk ;k cpkvk] ej [kougkj gk]
re ej ----------

मेरा छोटा सा परिवार

ejk NkVk lk ifjokj] gjh vktkvk] ,d ckj
gjh vktkvk iHk vktkvk
HkDrk dh luk idkj] gjh vktkvk ,d ckj

re l fcNM] ;x fcr x, A
ej ekfyd gel] j!B x,
ej ik.kk d vk/kkj] gjh --------

re ej gk] e rEgkjk g A
e rk tue&tue l rjk g A
ejh u*;k yxkvk ikj] gjh --------

tc ;kn rEgkjh] vkrh g
ej eu dk cMk] rMikrh g A
vc n'ku nk lkdkj] gjh --------

जी लेगे सरकार

th yx ljdkj] rjh ljdkjh e
j[k yuk th ge ';ke] rjh njckjh e 2

rjk j!rck] rjk utkjk] nkuk tgk l U;kjk g A
fnycj ej] r>lk u dkb] yxrk e>dk l;kjk g A
fey x;k e>dk etk] rjh ;kjh e
j[k yuk -----------

r tk dj n] gde ckck] dke olk gh dj!
rj fy, xj] ejuk iM rk] rj pj.kk e ej!
D;k j[kk g tx dh] fj'rnkjh e
j[k yuk -----------

rjh o!ik] gk tk, rk] tx e rjk uke dj!
nuk bruh] 'kfDr ckck] vki!rk l uk Mj!
';ke&';ke ge djr] nfu;knkjh e
j[k yuk -----------

राधा ढूंढ रही

jk/kk << jgh] fdlh u ejk ';ke n[kk

jk/kk ---------

jk/kk rjk ';ke geu] onkou e n[kk 2
jkl jpkr g,] jk/kk rjk ';ke n[kk

jk/kk ---------

jk/kk rjk ';ke geu] xkdy e n[kk
x*;k pjkr g,] jk/kk rjk ';ke n[kk

jk/kk ---------

jk/kk rjk ';ke geu] eFkjk e n[kk
c'kh ctkr g,] jk/kk rjk ';ke n[kk

jk/kk ---------

jk/kk rjk ';ke geu] lo txr e n[kk
jk/k jk/k tir g,] jk/kk rjk ';ke n[kk

jk/kk ---------

भरदे रे श्याम झोली भरदे

Hkjn j ';ke >kyh Hkjn] Hkjn
uk cgykvk] ckrk e ---

fnu chr] chrh jkr] viuh fdruh gb j eykdkr
r> tkuk] igpkuk] rj >B g, j lkj okn
Hky j] ';ke re rk Hky] Hky] D;k j[kk g ckrk e
Hkjn j -------

uknku g] vutku g] ';ke r gh ejk Hkxoku g
r> pkg] r> ikm!] ej fny dk ;gh vjeku g
i<y j] ';ke fny dh i<y] i<y] lc fy[kk g vk[kk e
Hkjn j -------

ejh u*;k] vk dUg;k] ikj djn r cud [ko*;k
e rk gkjk] xe dk ekjk] vktk vktk vk c'kh ct*;k
yy j] ';ke vc rk yy] yy] ejk gkFk gkFkk e
Hkjn j -------

e g rjk] r g ejk] eu Mkyk rj nj i Mjk
e> vkl g] fo'okl g] ';ke Hkj nxk nkeu r ejk
>e j] ';ke HkDr >e] >e] >e rjh ckgk e
Hkjn j -------

जैसा चाहो मुझको समझना

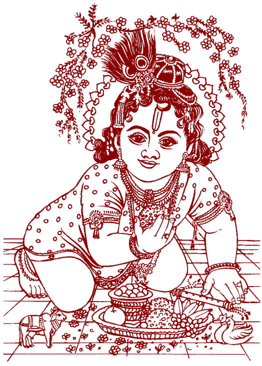

t l k pkgk e>dk le>uk] c l bruk gh re l dguk A
ekxu dh vknr tkrh ugh 2] rj vkx ykt e> vkrh ugh A

cM&cM i l oky Hkh] }kj rj vkr g 2
e>dk g ekye dh ok Hkh] r> l ekx d [kkr g
nu e r ?kcjkrk ugh 2
rj vkx ykt ----------

r> l ckck 'kje dj! rk] vkj dgk e tkm!xk 2
v iu b l ifjokj dk [kpk] cky dgk l ykm!xk
nfu ;k rk fcxMh cukrh ugh 2
rj vkx ykt ----------

r gh djrk ejh fpUrk] [kc x tkjk py rk g 2
dg iou fd r> l T;knk] dkb ugh dj l drk g
>kyh gj dgh i!ykb tkrh ugh 2
rj vkx ykt ----------

रोती आँखे रोने दे

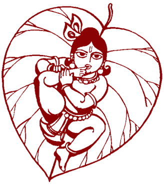

jkrh vk[k jku n A
';ke pj.k dk /kku n]
xe vkl e <y tk; 2
'kk;n ';ke fi?ky tk; 2

; ek;r ge cPp g 2
n%[k lgu e dPp g 2
le> tk fny dh ckr 2
jkuk cl mld vkx A
iRFkj fny Hkh gh y tk; A
'kk;n ';ke fi?ky tk; 2

xe tk gn l c< tk; 2
vkl cudj cg tk; 2
tc dkb iEh jkrk g 2
nn ';ke dk gkrk g 2
irk ';ke dk py tk; A
'kk;n ';ke fi?ky tk; 2

';ke d lue[k jk;xk 2
iki rj ; /kk;xk 2
jk&jk tc Fkd tk;xk 2
iy e dke cu tk;xk 2
ldV lkj Vy tk; A
'kk;n ';ke fi?ky tk; 2

nkyr l uk fj>xk 2
vkl l gh ifl>xk 2
g"k r nj i f'kl >dk 2
vkl dh lkxkr p<k 2
HkDrh rjh i!y tk;
'kk;n ';ke fi?ky tk; 2

दिवाना राधे का ...

fnokuk jk/k dk] ejyhokyk ';ke xt jh;k upyj
xkoj/ku d ';ke] fnokuk jk/k dk

jk/k jk/k jVrk g] lf[k;k l dgrk g] l;kjh yx jk/kk jkuh
jkl yhyk djrk g] jk/kk lx ukprk g] dkUgk dj euekuh
Xoky cky lx g;] c tokl h rx g;] exu g; ?ku';ke]
fnokuk jk/k dk ----

e*;kth gjku gb] x*;k ij'kku gb] dkUgk g; cdkc
lkp jgh j!deuh] lkr ejh dku cuh] fdlu fd;k ; tkn
fdldh ; fir e g] [kk; [kk; ';ke ej] NkMk }kjdk /kke]
fnokuk jk/k dk ----

ek[ku l e[k ekMk] eBBk ngh [kkuk NkMk] l/k c/k lc fclj kb j
Xokyk dh ; Vkyh NkMh] dkUgk u fBBkyh NkMh] cj lku okyh eu Hkkb j
teuk d rV ?kV] Hky dkUgk uV[kV] Hky x; ct /kke
fnokuk jk/k dk ----

jk/kk lx jkl dj] Xokyk dk mnkl dj] dkUgk dh yhyk U;kjh j
xkih;k dk rx dj] eu e mex Hkj] cM gh jfxy fxj/kkjh j
eFkjk e 'kkj ep] unfd'kkj ukp] cjkxh ?ku';ke
fnokuk jk/k dk ----

मेरा एक साथी है

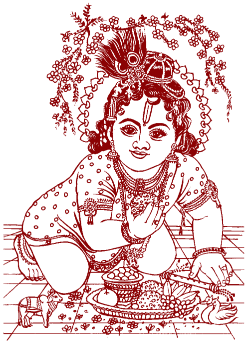

ejk ,d lkFkh g A
cMk fg Hkkyk Hkkyk g A
fey uk mlI tlk A
ok tx l fujkyk g
tc&tc fny ; mnklI gkrk g 2
ejk ejyh okyk ej ikl gkrk g AA
ejk ,d lkFkh -------

tc&tc jgk vdyk] cMk n%[k ik;k e A
tc&tc ?kjk n%[k u] rk ?kcjk;k e A
fd lkjh nfu;k e] dUg;k dk lgkjk g A
fey uk mlI tlk --------

ub&ub igpku] cny xb fjLr e A
cuokjh ejk lknk] iV x;k lLr e
fxjk e tc&tc Hkh] mlhu rk lHkkyk g A
fey uk mlI tlk --------

दर्शन दो घनश्याम

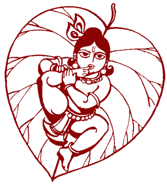

दर्शन दो घनश्याम नाथ मोरी, अंखीयाँ प्यासी रे ।
मन मंदीर में ज्योती जगादो, घट–घट दासी रे ।।
दर्शन दो घनश्याम.....
मंदिर मंदिर मुरत तेरी फिर भी न दिखे सुरत तेरी ।
युग बिते न आई मिलन की, पुरणमासी रे ।।
दर्शन दो घनश्याम.....
पानी पिकर प्यास बुझाऊं, नैनन को केसे समझाऊँ ।
आंख मिचौली छोडो अब तो, घट घट वासी रे ।।
दर्शन दो घनश्याम.....

द्वार दया का जब तु खोले, पंचम स्वर मे गुंगा बोले ।
अंधा देखे लंगडा चलकर, पहुँचे काशी रे ।।
दर्शन दो घनश्याम.....

निर्बल के बल धन निर्धन के, तुम रखवाले संत जनन के ।
तेरी कृपा का अंत नही है, हे ब्रजवासी रे ।।
दर्शन दो घनश्याम.....
नाम जपे पर तुझे न जाने, उसको भी तु अपना माने ।
तेरी दया का अंत नही है, हे अविनाशी रे ।।
दर्शन दो घनश्याम.....

द्वार खडा कब से मतवाला, मांग रहा है हार तिहारा ।
नरसी की झोली को भर दो, घट–घट वासी रे ।।
दर्शन दो घनश्याम.....

यशोमती मैय्या से

; 'kkerh e*;k l] cky unykyk
jk/kk D; xkjh] e D; dkyk

ckyh eLdkrh e*;k] yyu dk crk;k
dkyh vf/k;kjh vk/kh] jkr e r vk;k
ykMyk dUg;k ejk gk gk
ykMyk dUg;k ejk] dkyh deyhokyk
blfy; dkyk -----

ckyh eLdkrh e*;k] lu ej l;kj
xkjh xkjh jkf/kdk d] uu d tjkj
dkyh uukokyh u] ,lk tkn Mkyk
blfy; dkyk -----

जगत के रंग क्या देखूं

txr d jx D;k n[k] rjk nhnkj dki!h g A
dj! e l;kj fdl fdl l] rjk ,d l;kj dki!h g A

txr dh >Bh jk'kuh l] ; vk[k Hkj xb ejh
; vk[k Hkj xb ejh] ; vk[k Hkj xb ejh
ejh vk[kk e , ekgu] rjh pedkj dki!h g
dj! e l;kj fdlfdl l -----

ugh pkfg, ; nfu;k d] fujky jx&<x e>dk
fujky jx&<x e>dk] fujky jx&<x e>dk
pyk tkm! e onkou] rjk ifjokj dki!h g A
dj! e l;kj fdlfdl l -----

txr d >B fj'rk u] fcNk;k tky ek;k dk
fcNk;k tky ek;k dk] fcNk;k tky ek;k dk
rj HkDrk l gk ihrh] rjk ifjokj dki!h g A
dj! e l;kj fdlfdl l -----

txr d ckt xktk l] g, g dku vc cgj
g, g dku vc cgj] g, g dku vc cgj]
ej dkuk e , vugn] rjh >udkj dki!h g A
dj! e l;kj fdlfdl l -----

मेरी बाँह पकड़ ले रे...

ejh ckg idM y j] dkUgk eu ejk ?kcjk,
eu ejk ?kcjk, dkUgk] fny ejk Mck tk,
dky dky xe d ckny] lj i ej eMjk,
ejh ckg idM y ----------

?kV ?kV iu?kV] ;euk d rV
;euk d rV] dne iM ij
dgh r utj ugh vk,
ejh ckg idM y ----------

vxj tk cl e] gkrk dUg;k
[kn e fdukj] yxkrk u*;k
tgk tgk j[k tl rl] iko fi!lyrk tk,
ejh ckg idM y ----------

vk tkvk ej] l;kj lkofj;k
ikj yxkvk] cud f[ko;k
/khj /khj iy iy ejh] u*;k Mch tk,
ejh ckg idM y ----------

ugh vko rk] Hkt [kcfj;k
gkyr n[k] mBk d utfj;k
,lk u gk rj Hkjkl] HkDr rj jg tk,
ejh ckg idM y ----------

जरा इतना बता दे कान्हा

tjk bruk crk n dkUgk] rjk jx dkyk D;
r dkyk gkdj Hkh] tx l fujkyk D;

eu dkyh jkr e] tue fy;k
eu dkyh xk; dk] n/k fi;k
ejh deyh dk jx dkyk] blhfy, dkyk g A
tjk bruk -----

lkou e fctyh] dMdrh g
vkj ckny cgr] xjtr g
cnyh dk jx dkyk] blhfy, dkyk g A
tjk bruk -----

eu dky d 'kh'k i] uR; fd;k
vkj dkyhukx dk] ukFk fy;k
ukxk dk jx dkyk] blhfy, dkyk g A
tjk bruk -----

l[kh jkt gh ?kj e] cykrh g
vkj ek[ku cgr] f[kykrh g
l[kh;k dk fny dkyk] blhfy, dkyk g A
tjk bruk -----

l[kh uuk e dkty] yxkrh g
vkj uuk e e>] fcBkrh g
dkty dk jx dkyk] blhfy, dkyk g A
tjk bruk -----

ओ सांवरे, ओ सांवरे

vk lkoj] vk lkoj] vk lkoj] vk lkoj

rjh 'kj.k e] vkt vk; g
'kj.k e y yk ge
vk lkoj] vk lkoj

rj fcuk e>dk] dN Hkh ugh Hkkrk
gjiy e lkp] rel g D;k ukrk
vk lkoj] vk lkoj ---

gkFk n;k dk re] lj ij j[k nuk
FkkMh lh fdjik] ge ij Hkh dj nuk
vk lkoj] vk lkoj ---

rj fcuk vc rk] dkb ugh ejk
gkFk idM y r] D;k tk; rjk
vk lkoj] vk lkoj ---

रोज मेरी खिड़की से

रोज मेरी खिड़की से, झाँकता है वो
ताजा ताजा माखन, माँगता है वा
छोटे छोटे हाथ, निकालता है वो
नही दो तो माटी, उछालता है वो

बोलता है थोड़ा सा, फुसला के
माँगता है थोड़ा सा, शरमा के
चोरी–चोरी, चोरी–चोरी, चोरी–चोरी, चोरी–चोरी
चोरी चोरी आँगन को, फाँदता है वो
ताजा ताजा ....

नरम कलाई, पकड़ता हुँ
माखन हथेली पे, रखता हुँ
धिरे–धिरे, धिरे–धिरे, धिरे–धिरे, धिरे–धिरे
धिरे धिरे माखन को, चाटता है वो
ताजा ताजा ....

जब जब मैं माखन, बिलौता हुँ
आँसुओं से दामन, भिंगौता हुँ
बात बनवारी ये भी, जानता है वो
इसलिए माखन, माँगता है वो
ताजा ताजा ....

छोटी सी किशोरी मेरे अंगना में डोले रे

NkVh lh fd'kkjh] ej vxuk e Mky j A
ikok e ik;fy;k ckt] Ne Ne djrh Mky j AA

eu okl iNh ykyh] dku xke dh Nkjh j
gl gl d crko] e rk cjlku dh Nkjh j A
NkVh lh ------

eu okl iNh ykyh] dgk frgkjk uke j
ehBh ehBh ckyh cky] jk/kk ejk uke j A
NkVh lh ------

eu okl iNh ykyh] dgk rjk lljky j
gl gl d crko] ejk unxko lljky j A
NkVh lh ------

eu okl iNh ykyh] ek[ku feJh [kkokxh
vgk vgk dfgd ok ej] vkx ihN Mky j A
NkVh lh ------

eu okl iNh ykyh] dku rjk Hkjrkj j
eLdk d crko ejk] ';kelnj Hkjrkj j A
NkVh lh ------

श्याम तुमसे मिलने का

g xkiky jk/kko!".k] xkfon xkfon 2
o!".k xkfon xkfon jk/k] xkfon xkfon
g xkiky -------

';ke rel feyu dk] lrlx gh cgkuk g
jk/k rel feyu dk] lrlx gh cgkuk g
lrk d Jhe[k l luk] r ie dk nhokuk g 2

jkek;.k e <<k rEg] Hkkxor e ik;k g
xhrkth d iUuk e] ej ';ke dk fBdkuk g
';ke rel feyu dk ------

Xokyk e <<k rEg] xkih;k e ik;k g
jk/kkth d gn; e] ej ';ke dk fBdkuk g
';ke rel feyu dk ------

ejk NkVk lk xkiky] ejk l;kjk lk xkiky
';ke lnj xkiky] ekrk ;'kknk dk yky
g xkiky ----------

g xkiky jk/kko!".k] xkfon xkfon 2
o!"/k xkfon xkfon jk/k] xkfon xkfon

एक अर्ज मेरी सुनलो

,d vt ejh luyk] fnynkj g dUg;k
dj nk v/ke dh u*;k] Hkoikj g dUg;k A

vPNk g ;k cjk g] ij nkl g rEgkjk
thou dk ejk re ij] g Hkkj g dUg;k A
dj nk v/ke dh -------

re gk v/ketuk d] m/nkj dju oky
e g v/ketuk dk] ljnkj g dUg;k A
dj nk v/ke dh -------

dj!.kkfu/kku dj!.kk] djuh iMxh re dk
ojuk ; uke gkxk] cdkj g dUg;k A
dj nk v/ke dh -------

[okb'k g fd e r>l] nx fcn jRu ydj
cny e viuk n n] lc l;kj g dUg;k A
dj nk v/ke dh -------

अरे द्वारपालों

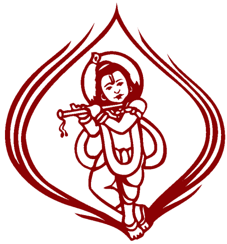

अरे द्वारपालों, कन्हैया से कहदो
की मिलने सुदामा गरीब आ गया है
भटकते भटकते, न जाने कहाँ से
तुम्हारे महल के करीब आ गया है
भटकते भटकते ....

न सर पे है पगड़ी, न तन पे है जामा
बता दो कन्हैया से, नाम है सुदामा
तुम एक बार जाकर, के मोहन से कहदो
की मिलने सखा, बदनसीब आ गया है
भटकते भटकते ....

ये सुनते ही दौड़े, चले आए मोहन
लगाया गले से, सुदामा को मोहन
हुआ रुक्मिणी को, बहुत ही अचम्भा
की मेहमाँ ये कैसा, अजीब आ गया है
भटकते भटकते ....

बराबर में अपने, सुदामा बिठाए,
चरण आँसुओं से, श्याम ने धुलाए,
ना घबराओ प्यारे, जरा तुम सुदामा
खुशी का शमा तेरे, करीब आ गया है
भटकते भटकते ....

करते हो तुम कन्हैया
मेरा नाम हो रहा है

djr gk re dUg;k] ejk uke gk jgk g
ejk vkidh n;k l] lc dke gk jgk g A

irokj d fcuk gh] ejh uko py jgh g
gjku g tekuk] ethy Hkh fey jgh g
djrk ugh e dN Hkh] lc dke gk jgk g
ejk vkidh n;k l --------

re lkFk gk tk ej] fdl ph t dh deh g
fdlh vkj ph t dh vc] njdkj gh ugh g
rj lkFk l xyke vc] xy i!ke gk jgk g
ejk vkidh n;k l --------

e rk ugh g dkfcy] rjk ikj dl ikm!
VVh gbi ok.kh l] xu xku dl xkm!
rjh ij.kk l gh lc] ; reke gk jgk g
ejk vkidh n;k l --------

e>dk gj ,d dne ij] ru fn;k lgkjk
ejh ftnxh cny nh] ru djd ,d b'kkjk
,glku i rjk ;] ,glku gk jgk g
ejk vkidh n;k l --------

ri!ku vkf/k;k e] ru gh e>dk Fkkek
re o!".k cud vk,] e tc cuk lnkek
rjk dje ; e>ij] ljvke gk jgk g
ejk vkidh n;k l --------

मीठे रस से भरोड़ी

ehB jl l HkjkMh] jk/kk jkuh ykx&egkjkuh ykx A
Egku dkjk&dkjk] teuk th jk ikuh ykx AA

teuk th rk dkjh&dkjh] jk/kk xkjh&xkjh
oUnkou e /ke epko] cjlku dh Nkjh A
c t /kke jk/k t dh] j t /kkuh ykx
Egku dkjk&dkjk -----------

uk Hkko Egku ek[ku fe l jh] vc uk dkb feBkb A
th Hkj ;ku Hkko vc rk] jk/kk uke eykb
o"kHkku dh yyh] rk xM/kkuh ykx]
Egku dkjk&dkjk -----------

jk/kk&jk/kk uke t i r g] tk uj vkBk ;ke
mudh ck/kk nj djr g] jk/k&jk/k uke A
jk/kk uke l l i!y] ftnxkuh ykx]
Egku dkjk&dkjk -----------

dkUgk fur ejyh e] lfej lfej ckjckj
dkfVu j!i /kj euekgu] dkm! u tko ikj A
furjx dh Nfcyh] iVjkuh ykx
Egku dkjk&dkjk -----------

तेरी मुरली की धुन

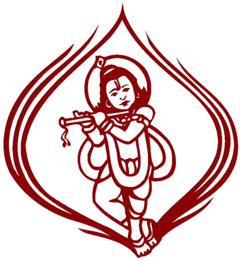

तेरी मुरली की धुन सुनने, मैं बरसाने से आई हुँ
अरे रसिया, ओ मनबसिया, मैं इतना प्यार लाई हुँ ।

सुना है श्याम मनमोहन, की माखन खूब चुराते हो ।
तेरे माखन चुराने को, मैं मटकी साथ लाई हुँ ।
अरे रसिया, ओ मनबसिया, मैं इतनी दूर से आई हुँ ।

सुना है श्याम मनमोहन, की गैय्या खूब चरातें हो ।
तेरी गैय्या चराने को, मैं ग्वाले साथ लाई हुँ
अरे रसिया, ओ मनबसिया, मैं इतनी दूर से आई हुँ

सुना है श्याम मनमोहन, रास तुम खूब रचाते हो ।
तेरे संग रास करने को, गोपीयाँ साथ लाई हुँ
अरे रसिया, ओ मनबसिया, मैं इतनी दूर से आई हुँ

सुना है श्याम मनमोहन की, किरपा खूब करते हो ।
तेरी किरपा को पाने मैं, तेरे दरबार आई हुँ
अरे रसिया, ओ मनबसिया, मैं इतनी दूर से आई हुँ

ऐसी मस्ती कहाँ मिलेगी

(r t & uhy xxu d mMr)

, l h eLrh dgk feyxh] ';ke uke jl ih y
r eLrh e th y
l kpk g njckj ';ke dk] ';ke iHk g j l hy
r eLrh ---

y[kpkjk l h HkVd&HkVd dj] eku"k dk;k ikb]
, l k i!l k txr e vkdj] l kjh l /k fcl jkb]
vc Hkh le; g] lEHky ckoj] cU/ku djy <hy
r eLrh ---

ver e; g uke ';ke dk] l kj nk"k feVk n]
v/kdkj dk nj Hkxk] fgoM e T;kr txkn]
vUre[k gk cB pu l] u;uk djy xhy
r eLrh ---

';ke uke dh efgek dk rk] on i jk.k c[kku]
xf.kdk] fx/n] v tkfey rj x,] rj x, tho l ;ku]
/keh&v/keh] =!f"k&efu&;kxh] uke l g, j l hy
r eLrh ---

श्याम देने वाले है हम

' ;ke nu oky g] ge yuoky g & 2
vkt [kkyh gkFk ugh tkuk
ftl pkfg; ok gkFk mBkuk 2

jkt&jkt ekxu dh] >>V gh NkM nk
ftl ftruk pkfg;] vkt eg l cky nk
vkt vPNk ekdk g] fdlu rEg jkdk g & 2
fcYdy Hkh u 'kjekuk AA
ftl pkfg; ---

yk[kk HkDr yuoky] nkrkj ,d g
iy e cny nrk] fdLer dk j![k g
HkDr FkkM T;knk g] yu dk bjknk g
lcl igy gkFk mBkuk AA
ftl pkfg; ---

gkFk e uk vk, rk] >kyh ilkj n
[kn yd tkuk vkt] bl d njckj l
>kyh Hkj tk; rk] dke cu tk; rk
cuokjh jkt x.k xkuk AA
ftl pkfg; ---

गिरधर मेरे मौसम आया

fxj/kj ej ekle vk;k] /kjrh d Jxkj dk
Mky Mky ij yx x, >y] cjl jx cgkj dk AA

meM ?keM dkyh ?kVk] 'kkj epkrh g
Lokxr e rj lkojk] ty cjlkrh g
dk;fy;k ddrh] e;jh >erh]
rEgkj fcu e>dk ekgu] cgkj i!hdh yxrh g
fxj/kj ej ekle vk;k -----

pknh cj.kh pknuh] vx tykrh g
>juk dh ; jkfxuh] fny rMikrh g
pyh tc ijokb] rEgkjh ;kn vkb
xyk e vxkj ngd] dld c<rh gh tkrh g
fxj/kj ej ekle vk;k -----

Xoky cky lx xkfi;k] Jh jk/k vkb
vkt dgk rEg dku lh] dCtk Hkjekb
rEgkjh jkg e] feyu dh pkg e
fcNk,l iyd cB g] rEgkjh ;kn lrkrh g
fxj/kj ej ekle vk;k -----

Jh jk/k d lx e] >ykth ekgu
NM jlhyh ckljh] 'khry gk rueu
cth tc ckljh] f[kyh eu dh dyh
exu HkDr vkj lkjh lf[k;k] rEg >yk >ykrh g
fxj/kj ej ekle vk;k -----

जाने वाले एक संदेशा ...

(rt & D;k fefy; ,l ykxk l ---)

tku oky ,d ln'kk] ';ke iHk l dg nuk A
,d fnokuk ;kn e jk,] mldk n'ku n nuk AA

ru dku lk dke fd;k g] nj i r> cyk;k g]
eu dku lk iki fd;k g] fny l e> Hkyk;k g]
,d ckj e> nj i cyky] bruh fdjik dj nuk AA
,d fnokuk --- AA 1 AA

ftudk ckck ';ke cyk;] fdLeroky gkr g]
tk ckck l fey ugh ikr] Ni&Ni dj ok jkr g]
ftruh ijh{kk yh g ejh] vkj fdlh dh uk yuk AA
,d fnokuk --- AA 2 AA

e>dk ; fo'okl g fny e] ejk cykok vk,xk]
'kh'k dk nkuh n'ku ndj] e>dk xy yxk,xk]
mldk tkdj bruk dguk] ejk Hkjklk VV uk AA
,d fnokuk --- AA 3 AA

dl yxr g ej ckck] e>dk tjk crkvk uk]
D;k&D;k yhyk djr g ok] e>dk tjk crkvk uk]
" cuokjh " HkDrk dh ngkb] ejh rjir! l n nuk AA
,d fnokuk --- AA 4 AA

जिस दिन ऐ मुरलीवाले ...

ftl fnu , ejyhoky] e viuk ?kj cukm!xk
ml ?kj dh gj bV&bV i] t; Jh';ke fy[kkm!xk
t; Jh';ke fy[kkm!xk

dgu dk rk ejyhoky] lkjk ?kj ejk gkxk
yfdu ml NkV l ?kj e] ,d dejk rjk gkxk
T;kr tyxh ml e rjh 2] e fur Hktu lukm!xk
AA ml ?kj dh e bV&bV i] t; Jh';ke ------ AA
t; Jh';ke] t; Jh';ke] t; Jh';ke] t; Jh';ke A

?kj dh gj fnokj i ekgu] ,d rLohj yxh gkxh
dgh&dgh i ekj i[k] vkj dgh&dgh ejyh gkxh
eu ekgu rjh l;kjh ejr 2] dk e jkt lt km!xk
AA ml ?kj dh e bV&bV i] t; Jh';ke ------ AA

?kj io'k tc gkxk ejk] T;kr rjh tyokm!xk
lok euh djok d ckck] r>dk Hkkx yxkm!xk
nj&nj l e lkofj;k 2] ';ke HkDr cyokm!xk
AA ml ?kj dh e bV&bV i] t; Jh';ke ------ AA

ml ?kj d gj ik.kh dh] r>dk fprk djuh gkxh
ykt u tk; dHkh fdlh dh] lnk o!ik j[kuh gkxh
dgrk HkDr dHkh ugh 2] midkj rjk ; Hkykm!xk
AA ml ?kj dh e bV&bV i] t; Jh';ke ------ AA

आज बिरज मे होरी ...

vkt fcjt e] gkjh j jfl ;k]
gkjh j gkjh] Hkj tkjh j jfl ;k

pkok & pkok pUnu vkj vjxtk]
d'kj exen] Nkjh j jfl ;k A
vkt --------

';ke d gkFk] dud fipdkjh]
jk/k d gkFk] dekjh j jfl ;k A
vkt --------

jk/k i ';ke] cgr jx Mkj]
';ke i jk/k] xkjh j jfl ;k A
vkt --------

yky xyky d cknj Nk;]
d'kj dhp] eP;kjh j jfl ;k A
vkt --------

pUn l [kh Hkt] ckyo!".k Nfo]
fpj thO jgk ;k] tkjh j jfl ;k A
vkt --------

अजब हैरान हुँ भगवन

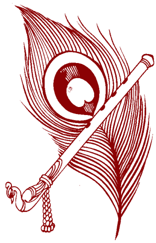

अजब हैरान हुँ भगवन, तुझे कैसे रिझाऊँ मैं
नही वस्तु कोई ऐसी, जिसे सेवा में लाऊँ मैं

है रोशन चाँद और सूरज, सभी तेरे इशारो पर
बड़ा शर्मिन्दा करना है, तुझे दिपक दिखाऊँ मैं
अजब हैरान ....

लगाना भोग भी तुझको, तेरा अपमान करना हैं
खिलाता हैं तु सब जग को, तुझे कैसे खिलाऊँ मैं
अजब हैरान ....

है फूलों में तु ही व्यापक, तु ही मुरत में व्यापक हैं
भला भगवान को भगवान पर, कैसे चढ़ाऊँ मैं
अजब हैरान ....

मैं खाली हाथ तेरे दर पे दाता, खुद चला आया
रिझाने तुझको दाता मैं, भजन करने चला आया

नही हैरान अब भगवन, तुझे कैसे मनाऊँ मैं
लगा डुबकी भजन गंगा में, प्रभु तुमको मनाऊँ मैं
भजन करके मेरे दाता, प्रभु तुमको मनाऊँ मैं
अजब हैरान ....

श्याम हमारे दिल से पूछो
(तर्ज : फूल तूम्हे भेजा है)

श्याम हमारे दिल से पूछो, कितना तूमको याद किया
याद में तेरी मुरली वाले, जीवन सारा गुजार दिया

देखी तेरी भोली सूरत, और हम धोका खा ही गए
मोहन तेरी मीठी-मीठी, बातो में हम आ ही गए
हार गए जीवन में सब कुछ, फिर भी तेरा नाम लिया

करता हुँ मै कोशिश मोहन, याद कभी भी ना आवो
हो सके तो तुम ही मोहन, मेरे दिल से निकल जावो
भूल हुई तूझे दिल में बसाया, इस दिल ने लाचार किया

बाहर से कुछ और हो मोहन, भीतर से कुछ और हो तुम
सीखा है बस दिल का चुराना, जाने कैसे चोर हो तुम
पछता रहा हुँ बनवारी अब, क्यों तेरा ऐतबार किया

सावन का महिना, घटाएँ घनघोर

सावन का महिना, घटाएँ घनघोर
आज कदम की डाली झुले, राधा नंदकिशोर

प्रेम हिंडोले बैठे, श्याम बिहारी
झुला झुलाये सारी, ब्रज की नारी
जोडी लागे प्यारी, जैसे चंदा और चकोर
आज कदम की डाली झुले, राधा नंदकिशोर

ठंडी फुआर पडे, मन को लुभाए
गीत गाए सखीयाँ, श्याम मुस्काये
बांसुरिया बजाए मेरे, मन का ये चीतचोर
आज कदम की डाली झुले, राधा नंदकिशोर

जमुना के तट पे, नाचे-नाचे ताथा थय्या
राधा को झुलाए श्याम, रास रचय्या
ब्रज में छाई मस्ती और, मस्त हुए मनमोर
आज कदम की डाली झुले, राधा नंदकिशोर

देख युगल छबी, मन में समाई
श्यामसुंदर ने तेरी, महिमा गाई
देख के प्यारी जोडी, मेरा मनवा हुआ है चकोर
आज कदम की डाली झुले, राधा नंदकिशोर

मेरे दिनानाथ तेरे लाखो है नाम

(तर्ज - श्याम तेरी बन्सी पुकारे राधा नाम)

मेरे दिनानाथ तेरे, लाखो है नाम
चाहे राधेश्याम बोलो, चाहे सिताराम
भक्तो को नाम तेरा, भजने से काम
चाहे राधेश्याम बोलो, चाहे सिताराम

त्रेता मे बनकरके, रामजी पधारें
द्वापर मे बनकरके, कृष्ण अवतारे
कलयुग मे गूंजे बाबा, श्यामजी का नाम
चाहे राधेश्याम बोलो, चाहे सिताराम

आवन अवधवासी, रामजी कहाए
कुँज गली में कान्हा, रास रचाए
श्यामजी का खाटू मे, प्यारा है धाम
चाहे राधेश्याम बोलो, चाहे सिताराम

मर्यादा सिखलाते, रामजी हमारे
कर्म किए जा बोले, राधाजी के प्यारे
भक्तो मे श्याम लेते, हारे को थाम
चाहे राधेश्याम बोलो, चाहे सिताराम

खाटु के कण कण मे बसेरा
(तर्ज - बागवान)

खाटु के कण कण मे, बसेरा करता साँवरा
जाने कैसा भेष बनाए ।
हर गली में, आया जाया करता साँवरा
साँवरा तुझमे साँवरा, साँवरा मुझमे साँवरा
साँवरा सबमे साँवरा

रिंगस से खाटु नगरी तक, पैदल चलते लोग
पीठ के बल कोई, पेट के बल कोई, लेट के चलते लोग
कदम मिला भक्तों के संग में, चलता साँवरा
जाने कैसा भेष बनाए ....

मेले में खाटुवाले के, जगह-जगह पर डेरे
इस डेरे कभी उस डेरे, और कही पर रैन बसेरे
आते-जाते सब पर, नजरे रखता साँवरा
जाने कैसा भेष बनाए ....

बाबा के मंदिर में देखो, लंबी लगी कतारे
दुर-दुर के भक्त अनेको, उनको अजब नजारे है
कब किसको क्या-क्या देना, है परखता साँवरा
जाने कैसा भेष बनाए ....

घनश्याम म्हारा हृदया में बस जाओ

घनश्याम म्हारा हृदया में, बस जाओ दीनानाथ
मै चरण कमल रो दास हुँ, हां जी दीनानाथ
घनश्यामजी ओ जी घनश्याम, नंदलालजी ओ जी नंदलाल

जीवन नैय्या दास की, डुब रही मझधार
जाने कईयां साँवरा, हो भवसागर पार
नंदलाल म्हारो, बेडोपार लगा दो दीनानाथ ॥
मै चरण कमल रो दास हुँ .....

थांका ही संसार में, दुख पाऊँ दिन रैन
दर्शन दिजौ साँवरा, तड़पत है दो नैन
घनश्याम म्हारी, आँख्या मे बस जाओ दीनानाथ ॥
मै चरण कमल रो दास हुँ .....

थांका ही ब्रम्हांड में, लख चौरासी यौन
करनी का फल भोगकर, पाई मिनखा यौन
ब्रजराज म्हारो, आवागमन मिटा दो दीनानाथ ॥
मै चरण कमल रो दास हुँ .....

ऐ मुरलीधर साँवरा, ऐ ब्रज माखन चोर
दास युगल की बिनती, सुनियों जुगलकिशोर
महाराज थांको, नटवर रुप दिखा दो दीनानाथ ॥
मै चरण कमल रो दास हुँ .....

प्यारा सजा है
तेरा द्वार भवानी

दोहा

दरबार तेरा दरबारो मे, एक खास अहमीयत रखता है ।
उसको वैसा मिलता है, जो जैसी नियत रखता है ।

प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी, न्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी
यहा भक्तो की लगी है कतार भवानी, प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी

उँचे पर्वत भवन निराला २
आके शीश नवावे, संसार भवानी

जगमग जगमग, ज्योत जले है २
तेरे चरणों में, गंगा की धार भवानी

लाल चुनरीयाँ, लाल लाल चूड़ा २
गले लाल फूलो के, सोहे हार भवानी

सावन महीना, मैय्या झूला झूले २
सजे रूप गज को, हार भवानी

पल मे भरती, झोली खाली २
तेरे खुले दया के, भंडार भवानी

हम सबको है, तेरा सहारा २
कर दे अपने भक्तो का, बेड़ा पार भवानी

खेल पंडा

खेल पंडा, खेल पंडा, खेल पंडा रे
घड़ी आ गई सुहानी, खेल पंडा रे

ओ पंडा माई के द्वारे, खेल पंडा रे
ओ पंडा निकले ज्वारे, खेल पंडा रे,
खेल पंडा, खेल पंडा ......

ओ पंडा भक्त गाए, खेल पंडा रे
ओ पंडा ढोल बजाए, खेल पंडा रे
खेल पंडा, खेल पंडा .....

ओ पंडा खप्पर उठाके, खेल पंडा रे
ओ पंडा बाना लेके, खेल पंडा रे
खेल पंडा, खेल पंडा .....

ओ पंडा झुमें निरंजन, खेल पंडा रे,
ओ पंडा नाचे निरंजन, खेल पंडा रे
खेल पंडा, खेल पंडा .....

तु कितनी अच्छी है

तु कितनी अच्छी है, तु कितनी भोली है, प्यारी प्यारी है
ओ माँ ...
कि ये जो दुनिया है, वन है काँटो का, तु फुलवारी है
ओ माँ ...

दुखन लागी है, माँ तोरी अखियाँ
मेरे लिए तु जागी है, सारी-सारी रतियाँ
मेरी निंदीया पे, अपनी निंदीया भी, तुने वारी है
ओ माँ ...

अपना नही तुझे, सुख दुख कोई
मै मुसकाया, तु मुसकाई, मै रोया, तु रोई
मेरे रोने पे, मेरे हसने पे, तु बलिहारी है
ओ माँ ...

माँ बच्चो की, जाँ होती है
वो होते है किस्मतवाले, जिनकी माँ होती है
तु कितनी शीतल है, तु कितनी कोमल है, प्यारी-प्यारी है
ओ माँ ...

पग पग ठोकर खाऊँ

पग पग ठोकर खाऊँ, चल ना पाऊँ, कैसे आऊँ, मैं दर तेरे,
शक्ति दे माँ ४

हाथ पकडले हाथ बढ़ा दे, अपने मंदीर तक पहुँचा दे
सर पे दुख की रैना, नाही चैना, प्यासे नैना, माँ दर्शन के
शक्ति दे माँ .....

जग मे जिसका नाम है जीवन, एक युग है संग्राम है जीवन
तेरा नाम पुकारा, दुख का मारा, मैं हारा, इस जीवन से
शक्ति दे माँ .....

तेरे द्वारे जो भी आया, उसने जो मांगा वो पाया
मै भी तेरा सवाली, शक्तिशाली, शेरोवाली, माँ जगदंबे
शक्ति दे माँ ....

मैय्या तुमको मनाऊँ
देवी शारदा

मैय्या तुमको मनाऊँ, देवी शारदा हो माँ
कौन चढावे खप्पर हो, कोनऊँ तलवार
कौन चढावे गज निबुआ, हो फूलन के हार
मैय्या तुमको मनाऊँ, देवी शारदा हो माँ

कुम्हार लावे खप्पर हो, लोहार तलवार
मलिया लावे गज निबुआ, हो फूलन के हार
मैय्या तुमको मनाऊँ ....

काली चढावे खप्पर हो, लंगुर को तलवार
दुर्गा चढावे गज निबुआ, हो फूलन के हार
मैय्या तुमको मनाऊँ ....

लाल पिंताबर पहनी हो, जाकी लाल किनार
लाल रंग की चुनरी हो, कचनी हो रंगदार
मैय्या तुमको मनाऊँ ....

सिंह ऊपर चढ बैठी हो, चटकाई हे बार
एक हाथ में खप्पर हो, दूजे में तलवार
मैय्या तुमको मनाऊँ ....

सुमर सुमर जस गाऊ हो, माई के दरबार
चरणों में चित्त लाई हो, माई शरण तुम्हार
मैय्या तुमको मनाऊँ ....

उगम पथ एक नदिया हो, जाकी निर्मल धार
धरमी तो पार उतर गए हो, पापी डूबे मझधार
मैय्या तुमको मनाऊँ ....

ऐसा प्यार बहा दे मैय्या

ऐसा प्यार बहा दे मैय्या, चरणो से लग जाऊँ मैं
सब अंधकार मिटा दे मैय्या, दरस तेरा कर पाऊँ मै

जग में आकर जग को मैय्या, अब तक ना मै जान सका
क्यों आया हूँ कहाँ है जाना, ये भी ना मै जान सका
तु है अगम अगोचर मैय्या, कहो कैसे लख पाऊँ मै
ऐसा प्यार ....

मैं बालक तू मैय्या मेरी, निशदिन तेरी ओट है
तेरी किरपा से ही निकले, भीतर जो भी खोट है
शरण लगाओ मुझको मैय्या, तुम पर बली-बली जाऊँ मै
ऐसा प्यार ....

कर कृपा जगदंबा भवानी, मैं बालक नादान हुँ
नहीं आराधना जप तप जानु, मैं अवगुण की खान हुँ
दे ऐसा वरदान ओ मैय्या, सुमिरन तेरा गाऊँ मै
ऐसा प्यार ....

बिगड़ी मेरी बना दे, ओ शेरोवाली मैय्या

बिगड़ी मेरी बना दे, ऐ शेरोंवाली मैय्या
ऐ शेरोवाली मैय्या, ऐ पहाडावाली मैय्या
अपना मुझे बना ले, ऐ शेरोंवाली मैय्या

दर्शन को मेरी अखियाँ, कब से तरस रही है
सावन के जैसे झरझर, अखियाँ बरस रही है
दर पे मुझे बुला ले, ऐ मेहरोवाली मैय्या
बिगड़ी मेरी बना दे ....

आते है तेरे दर पे, दुनिया के नर और नारी
सुनती हो सबकी विनती, ओ मैय्या शेरोंवाली ।
मुझको दरश दिखा दे, ऐ लाटावाली मैय्या
बिगड़ी मेरी बना दे ....

झुलना झुला दो मेरी माँ

झुलना झुला दो मेरी माँ
झुला दो मेरी माँ, झुला दो मेरी माँ

तलुवन-तलुवन पानी माँ, ऐसो मारो पानी माँ
बारा बरस दो निर्मल पानी ....

घुटनन-घुटनन पानी माँ, ऐसो मारो पानी माँ
बारा बरस दो निर्मल पानी ....

कम्मर-कम्मर पानी माँ, ऐसो मारो पानी माँ
बारा बरस दो निर्मल पानी ....

छतियन-छतियन पानी माँ, ऐसो मारो पानी माँ
बारा बरस दो निर्मल पानी ....

कंधा-कंधा पानी माँ, ऐसो मारो पानी माँ
बारा बरस दो निर्मल पानी ....

मुंडन-मुंडन पानी माँ, ऐसो मारो पानी माँ
बारा बरस दो निर्मल पानी ....

निर्मल निर्मल पानी माँ, ऐसो मारो पानी माँ
बारा बरस दो निर्मल पानी ....

मैं बालक तु माता शेरावालीए

मैं बालक तु माता शेरावालीए
है अटुट ये नाता शेरावलीए

शेरावालीए माँ, पहाडावालीए माँ
मेहरावालीए माँ, ज्योतावालीए माँ

तेरी ममता मिली है मुझको, तेरा प्यार मिला है
तेरे आँचल की छाया में, मन का फूल खिला है
तूने बुध्दी, तुने साहस, तुने ज्ञान दिया
मस्तक ऊँचा करके, जिने का वरदान दिया माँ
तु है भाग्य विधाता शेरावालीए
मैं बालक तु माता शेरावालीए

जब से दो नैनों में तेरी, पावन ज्योत समाई
मंदीर-मंदीर तेरी मुरत, देने लगी दिखाई
ऊँचे पर्वत पर मैने भी, डाल दिया है डेरा
निशदिन करे जो तेरी सेवा, मैं वो दास हुँ तेरा
रहूँ तेरे गुण गाता शेरावालीए

जय शेरावाली, जय पहाडावाली,
जय मेहरावाली, जय ज्योतावाली

मेहन्दी रचे थारै हाथा मे

मेहन्दी रचे थारै हाथा में, घुल रह्यो काजल आँख्या में ॥
चुनरी को रंग सुरंग माँ, राणी सती

फुल खिल्यो जाने बाँगा में, चाँद उग्यो है राँता में ।
थारो ऐसो सुहाणो रुप माँ, राणी सती

रुप सुहाणो जद से देख्यो, निंदडली नहीं आख्याँ में ।
मेरे मन पर जादू कर दी, थारी मीठी बाताँ नें ॥
भूल गई सब कामा नें, याद करु थारै नामा नें ।
माया को छुटयो फंद माँ, राणी सती

थे कहे तो दादी थारी, नथनी बस बन जाऊँ मैं ।
नथनी बन जाऊँ मैं थारै, नाका से लग जाऊँ मैं ॥
चुडी बनूं थारै हाथा मे, बोर बनूं थारै माथा में ।
बन जाऊँ बाजूबन्द माँ, राणी सती

थे कहे तो दादी थारी, पायलड़ी बन जाऊँ मैं ।
पायलड़ी बन जाऊँ थारै, चरणा में रम जाऊँ मैं ॥
हार बणू थारै गले मे, मोती बन जाऊँ झुमके मे ।
नैना में करल्युँ बन्द माँ, राणी सती

तुने मुझे बुलाया शेरावालिए

तुने मुझे बुलाया, शेरावालिए
मै आया मै आया, शेरावालिए
तुने मुझे बुलाया ......

सारा जग है, इक बँजारा
सबकी मंजिल, तेरा द्वारा
ऊँचे पर्वत, लम्बा रस्ता २
पर मैं रह ना पाया, शेरावालिए
मै आया मै आया, शेरावालिए
तुने मुझे बुलाया ......

सूने मन मे, जल गई बाती
तेरे पथ में, मिल गए साथी
मुँह खोलु क्या, तुझसे माँगु २
बिन माँगे सब पाया, शेरावालिए
मै आया मै आया, शेरावालिए
तुने मुझे बुलाया ......

कौन है राजा, कौन भिखारी
एक बराबर तेरे, सारे पुजारी
तुने सबको दर्शन देके २
अपने गले लगाया, शेरावालिए
तुने मुझे बुलाया ......

बेटा बुलाए झट दौड़ी चली आए माँ

दोहा
मैं नहीं जानु पूजा तेरी, पर तु ना करना मैय्या देरी
तेरा भक्त ये तूझे पुकारे, लाज तु रखले अब माँ मेरी

बेटा बुलाए, झट दौड़ी चली आए माँ – २
अपने बच्चों के आँसु, देख नहीं पाए माँ

वेद पुराणों में भी माँ की, महिमा का बखान है
वो भी झुकता माँ चरणों में, जिसने रचा जहान है – २
देवर्षि भी समझ न पाए, ऐसी लीला रचाए माँ
बेटा बुलाए ....

संकट हरनी वरदानी माँ, सबके दुखड़े दूर करे
शरण में आए दीनदुखी की, बिनती माँ मंजूर करे – २
सारा जग जिसको ठुकरादे, उसको गले लगाए माँ
बेटा बुलाए ....

बिगड़ी तेरी बात मेरी, माँ की महिमा गा के देख
खुशियों से भर जाएगा तु, झोली तो फैला के देख – २
झोली छोटी पड़ जाती है, जब देने पे आए माँ
बेटा बुलाए ....

कबसे तेरी कचहरी में, माँ लिखकर दे दी अर्जी
अपनाले चाहे ठुकरादे, आगे तेरी मर्जी २
मै भी सरल खड़ा हाथ जोडे, जो भी हुकुम सुनाए माँ
बेटा बुलाए ....

दुर्गा है मेरी माँ

दुर्गा है मेरी माँ, अम्बे है मेरी माँ - २
बोलो जय माता दी, जय हो - २
जो भी दर पे आए, जय हो
वो खाली न जाए, जय हो
सबके काम है करती, जय हो
सबके दुखड़े हरती, जय हो
मैय्या शेरोवाली, जय हो
भरदे झोली खाली, जय हो
दुर्गा है मेरी माँ, अम्बे है मेरी माँ

पूरे करे अरमान जो सारे - २
देती है वरदान जो सारे - २
दुर्गा है मेरी माँ, अम्बे है मेरी माँ - २

सारे जग को खेल खिलाए - २
बिछड़ो को जो खुब मिलाए - २
दुर्गा है मेरी माँ, अम्बे है मेरी माँ - २

मैय्या का चोला है रंगला

दोहा
हो लाली मेरी मात की, जित देखु तित लाल
लाली देखन मैं गया, मैं भी हो गया लाल ।

मैय्या का चोला है रंगला, शेरोवाली का चोला, है रंगला
मेहरोवाली का चोला, है रंगला, ज्योतोवाली का चोला, है रंगला
अम्बेरानी का चोला, है रंगला, माँ वैष्णो का चोला, है रंगला
हो भवन मैय्या का लाल चोला, है रंगला ५

सुआ चोला अंग बिराजे - २
सुआ-सुआ चोला, अंग बिराजे
लगे किनारी लाल चोला, है रंगला ५
मेरी माँ का चोला, है रंगला

सिर सोने का छत्र बिराजे - २
पीरे अपरंपार चोला, है रंगला ५
मेरी माँ का चोला, है रंगला

अश्विन चैत महीना आवे - २
चले पवन की चाल चोला, है रंगला ५
मेरी माँ का चोला, है रंगला

पान सुपारी ध्वजा नारियल - २
माँ की भेंट चढ़ा के चोला, है रंगला ५
मेरी माँ का चोला, है रंगला

शेरोवाली माता मेरी, मेहरोवाली माता मेरी
सबको करे निहाल चोला, है रंगला ५
मेरी माँ का चोला, है रंगला

दे दे थोड़ा प्यार मैय्या

दे दे थोड़ा प्यार मैय्या, तेरा क्या घट जायेगा
ये बालक भी तर जायेगा

दे दिया तुमने, सबको सहारा माँ, जो द्वारे आया है
भर दिया दामन, उसका खुशी से माँ, जो अर्जी लाया है
मुझको देने से, खजाना कम नही हो जायेगा
ये बालक भी तर जायेगा
दे दे थोड़ा ......

है पुराना माँ, रिश्ता हमारा जो, उसे तुम याद करो
गर देख पाओ माँ, बालक तुम्हारा हुँ, मेरे सर हाथ धरो
प्यार का रिश्ता, हमारा टुटने ना पायेंगा
ये बालक भी तर जायेगा
दे दे थोड़ा ......

नैय्या मेरी ये माँ, तेरे हवाले है, इसे अब पार करो
गर दे दिया तुमने, इसको किनारा माँ, तो ये विश्वास करो
ये तेरा दरबार, जय जयकारों से गुंज जायेगा
ये बालक भी तर जायेगा
दे दे थोड़ा ......

चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है

चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है
ऊँचे पर्वत पे रानी माँ, ने दरबार लगाया है ॥

सारे जग मे एक ठिकाना, सारे गम के मारों का
रस्ता देख रही है माता, अपनी आँख के तारों का ।
मस्त हवाओं का एक झोंका, ये संदेशा लाया है
चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है

जय माता की कहते जाओ, आने जाने वालों को
चलते जावो तुम मत देखों, अपने पाँव के छांलो को ।
जिसने जितना दर्द सहा है, उतना चैन भी पाया है
चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है

वैष्णों देवी के मंदिर में, लोग मुरादें पाते हैं
रोते रोते आते है, हँसते हँसते जाते है ।
मैं भी माँग के देखुँ जिसने, जो मांगा सो पाया है ॥
चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है

मैं भी तो एक माँ हुँ माता, माँ ही माँ को पहचाने
बेटे का दुःख क्या होता है, और कोई ये क्या जाने ।
उसका खून मैं देखूं कैसे, जिसको दूध पिलाया है ॥
चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है

काली काली, अमावस की रात में

काली काली, अमावस की रात में
काली निकली, काल भैरव के साथ में
ओ काली काली, ओ महाकाली

ये अमावस की, रात बड़ी काली
घुमने निकली, माता महाकाली
एक दानव का, मुंड लिए हाथ में
काली निकली ....

केश बिखरे माँ के, काले-काले
नैना मैय्या के है, लाले-लाले
काला कुत्ता, भैरवजी के साथ में
काली निकली ....

रूप भैरवजी का, काला-काला
ये तो है मैय्या, काली का लाला
बेटा घुमने चला, माँ के साथ में
काली निकली ....

बावन भैरव है, छप्पन है करवा
साथ खेल रहे, सौ-सौ गण बरवा
चौसठ जोगनिया, मैय्या के साथ में
काली निकली ....

मै तो लाया हूँ दाने अनार के

e rk yk;k g nku vukj d] ejh e*;k d uk fnu cgkj d

VVoky rjk D;k tk;xk] VVoky rjk D;k tk;xk]
VVoky rjk D;k tk;xk] ejh e*;k dk eMi cu tk;xk A
e rk yk;k g -----

gyob; rjk D;k tk;xk] gyob; rjk D;k tk;xk]
gyob; rjk D;k tk;xk] ejh e*;k dk i lkn cu tk;xk A
e rk yk;k g -----

l ukjh rjk D;k tk;xk] l ukjh rjk D;k tk;xk]
l ukjh rjk D;k tk;xk] ejh e*;k dk xguk cu tk;xk A
e rk yk;k g -----

vk th ekyh rjk D;k tk;xk] vk th ekyh rjk D;k tk;xk]
vk th ekyh rjk D;k tk;xk] ejh e*;k dk xtjk cu tk;xk A
e rk yk;k g -----

ykgkjh rjk D;k tk;xk] ykgkjh rjk D;k tk;xk]
ykgkjh rjk D;k tk;xk] ejh e*;k dk f='ky cu tk;xk A
e rk yk;k g -----

ल्याया थारी चुनरी

Y;k;k Fkkjh pujh] djh;k ek Lohdkj
be lkpk ghjk ykx] vkj ekR;k dh Hkjekj AA

pujh dk jx yky pVd g] rkjk Hkh fpidk;k ek
cMh;k ikr exk;k tke] xkVk Hkh yxok;k ek
e*;k vk< d fn[kykvk] Fkkjk ekuxk midkj
Y;k;k Fkkjh -----

cl bruh lh o!ik dj nk] lok e yx tkok ek
Egku r b yk;d dj n] pujh jkt p<kok ek
cl cPpk ij gh cjl] ek gjne rjk l;kj
Y;k;k Fkkjh -----

,d gkFk l HkDrh fnt] ,d gkFk l 'kDrh ek
,d gkFk l /ku nkyr] vkj ,d gkFk l efDr ek
r gj gkFkk l nuk] ek rj gkFk gtkj
Y;k;k Fkkjh -----

xj r Fkkjk cVk le>] lok crkrh jgh;k ek
cuokjh xj yk;d le>] dke m<krh jgh;k ek
e jkr fnu cBk g] rjh lok e r;kj
Y;k;k Fkkjh -----

शेर पे सवार होके

'kj i lokj gkd] vktk 'kjkokfy, 2
lk, g, HkkX;] txk tk 'kjkokfy, 2
'kjkokfy, ek] tkrkokfy,
'kj i lokj gkd] vktk 'kjkokfy, 2

T;kr ek txk d rjh] vkl ; yxkb g
ftudk u dkb mudh] r gh ek lgkb g
jk'kuh v/kj e] fn[kk tk 'kjkokfy,
'kj i lokj gkd] vktk 'kjkokfy,

jf[k;k ek ykt bu] vf[k;k d rkjk dh
Mcu uk ik, u*;k] ge clgkjk dh
u*;k dk fdukj i] yxk tk 'kjkokfy,
'kj i lokj gkd] vktk 'kjkokfy,

मैय्याजी तेरे नाम से

e*;kth rj uke l] xtkjk gekjk
jg ge'kk ge HkDrk d] lj i gkFk rEgkjk
e*;kth rj &&&&&&&

fcu ek>h d u*;k] pyrh ne i rj
fcu cky ejh e*;k] gjrh n[kM ej
fcp Hkoj e vVdh u*;k] dk nxh ek lgkjk
e*;kth rj &&&&&&&&

LokFk d llkj u] fdruk e> lrk;k
'kj.k rjh tk vk x;k] ru xy yxk;k
mrj x;k l;kl thou e] tl ty dh /kkjk
e*;kth rj &&&&&&&&

e*;kth rj pj.kk e] gjne jg fBdkuk
Hky vxj gk tk, rk] fny l ml Hkykuk
rjh o!ik cuh jgxh] ; fo'okl gekjk
e*;kth rj &&&&&&&&

मैय्या नव दिन विराजती

e*;k uo fnu fojkt rh] dY;k.kh txrkj.kh
fup cBh foEy jkuh] m!i j g ek cEy'ojh

'kkHkk rjh txr e n[kh] lcl ekrk fujkyh
tk Hkh rjh 'kj.k e vkr] tk; uk ek ok [kkyh
foey rjh 'kj.k e vkr] lk/k] lr vkj Kkuh
e*;k uo fnu ---------

Mkxjx< dh re egkjkuh] cEy'ojh dgyk,
mMu [kVkyk i!j i!j Hkkx] Hkxr nr ngkb
oj dk ikdj rj e*;k] cu tkr ojnkuh
e*;k uo fnu ---------

Hkkj Hkb ek i{kh tkx] pyu yxh i jokb
en] en fdj.k ek rj] pj.kk dk N tkrh
d] d djrh dk;yh;k ek] }kj rj i/kkjrh
e*;k uo fnu ---------

tk i= rj pj.k perk] vej gk cfx;k lkjh
pkjk vkj ek /kke ep h] g xjck [ky Hkokuh
i!yk lh ; jkr l th g] t gk foey ekrk dh
e*;k uo fnu ---------

पंखिडा ... ओ पंखिड़ा

if[kMk ------ vk if[kMk ----- if[kMk ----- vk if[kMk
if[kMk r mM u tkuk] ikokxM j 2
egkdkyh l feyd dguk xjck [kyx
Egkjh egkdkyh l feyd dguk xjck [kyx
if[kMk ---- vk --- if[kMk --- if[kMk --- vk --- if[kMk

Egkjk xko dk lrkj Hkkb cxk vkvk j
Egkjk xko dk lrkj Hkkb tYnh vkvk j
Egkjh egkdkyh d fy, lUnj cktkr ykvk j 2
g vPNk ykvk lUnj ykvk tYnh vkvk j 2
egkdkyh l feyd dguk xjck [kyx
Egkjh egkdkyh l feyd dguk xjck [kyx A
if[kMk ---- vk --- if[kMk --- if[kMk --- vk --- if[kMk

Egkjk xko dk ctkt Hkkb tYnh vkvk j 2
Egkjh egkdkyh d fy, lUnj pMjh ykvk j 2
g vPNh ykvk lUnj ykvk tYnh vkvk j 2
egkdkyh l feyd dguk xjck [kyx
Egkjh egkdkyh l feyd dguk xjck [kyx A
if[kMk ---- vk --- if[kMk --- if[kMk --- vk --- if[kMk

Egkjk xko dk fyYgkj Hkkb tYnh vkvk j
Egkjh egkdkyh d fy, lUnj pfM;k ykvk j 2
g vPNh ykvk lUnj ykvk tYnh vkvk j 2
egkdkyh l feyd dguk xjck [kyx
Egkjh egkdkyh l feyd dguk xjck [kyx A
if[kMk ---- vk --- if[kMk --- if[kMk --- vk --- if[kMk

Egkjk xko dk lukj Hkkb tYnh vkvk j
Egkjh egkdkyh d fy, lUnj ik;y ykvk j 2
g vPNh ykvk lUnj ykvk tYnh vkvk j 2
egkdkyh l feyd dguk xjck [kyx
Egkjh egkdkyh l feyd dguk xjck [kyx A
if[kMk ---- vk --- if[kMk --- if[kMk --- vk --- if[kMk

हमें शरण में ले लो माँ

ge 'kj.k e y yk ek] nfu;k d lrk; g A
vkl dh cuk d ek] ek ekyk yk; g AA
vkl dh cuk d ek ----

ikih g cMk lcl] ugh nku fd;k eu]
ugh lk/k lrk dk] lEeku fd;k eu]
bl ek;k uxjh e] rjk uke Hkyk; g AA
vkl dh cuk d ek ----

rkjhi! dj! dl] rj xgu ik;y dh]
Lohdkj djk vc] re fourh ?kk;y dh]
rjh 'kku e geu ek] ; 'kCn ltk; g AA
vkl dh cuk d ek ----

lu yk ykVk okyh] txnc] egkdkyh]
vc utj dje dj nk] vk ek 'kjkoyh]
ge ldV e g ek] rjh vkl yxk; g AA
vkl dh cuk d ek ----

vk vc egkjkuh] n pj.kk dk ikuh]
ek pkeMk djuk] ge lcdh fuxjkuh]
lrk"kh dgh r gh] dgh nxk dgk; g AA
vkl dh cuk d ek ----

कभी फुरसत हो तो जगदंबे

dHkh i!jlr gk rk txnc] fu/ku d ?kj Hkh vk tkuk]
tk j![kk l[kk fn;k ge] dHkh mldk Hkkx yxk tkuk AA

uk N= cuk ldk lku dk] uk pujh ?kMh eu rkjk tMh
uk iM cji!h eok g ek] cl J/nk u;u fcNk; [kMh
bl J/nk dh j[kuk ykt g ek
bl vth dk uk Bdjk tkuk AA
dHkh i!jlr gk rk txnc -----

thl ?kjd fn; e ry ugh] ogk T;kr tykm! e dl
ejk [kn gh fcNkuk /kjrh ij] rjh pkdh ltkm! e dl
tgk cBh ogh i cBd ek
cPpk dk fny cgyk tkuk AA
dHkh i!jlr gk rk txnc -----

r HkkX; cuku okyh g ek] e rk rdnhj dk ekjk g
g nkrh lHkkyk fHk[kkjh dk] vkf[kj rjh vk[kk dk rkjk g
e nk"kh g r funk"kh g ek
funk"kk dk r u Hkyk tkuk AA
dHkh i!jlr gk rk txnc -----

महामाई महामाई

egkekb egkekb 2
Mkxjx< dh cEcykb] egkeb -----------

Mkxjx< dh cLrh fujkyh] egkekb dk /kke dgk;]
m!p ior e noh u e*;k] ek viuk Hkou cuk;
vkj uhp NkVh cEcykb] egkekb ------

ek efgek g rjh fujkyh] vkj j!i g rjk fujkyk
ek ekFk i edV fojkt] vkj xy e i!yk dh ekyk
ek fuey Hkou cukb] egkekb ------

ek T;kr ty rj vkx] uofnu uojk=h gk e*;k
vkj ckt e ohj guerk] ok djr g lcdh j[k;k
noh pfMdk igjk yxk;] egkekb ------

ek lrk"kh noh n'ku] ek i!y dey ij cBh
xkjh 'khryk e*;k d vkx] ped g txex T;krh
ogk jke y[ku fl;k ekb] egkekb ------

Mkxjx< dh cEcykb] ek uke txr e Nk;
mpk lkeu fn[krk g ior] c< nok u Hkou cuk;
/kr'ojh uhp lekb] egkekb ------

ओ जंगल के राजा

vk txy d jktk] ejh e*;k dk ydj vktk
eu vkl dh T;kr txkb] ej uuk e ek g lekb
ej liu lp r cuktk] ejh e*;k dk ydj vktk
vk txy d jktk ej e*;k --------

gj iy ek d lx fcjktk] /kU; rEgkjh HkDrh g
'kDrh dk re ck> mBkr] xtc rEgkjh 'kDrh g
rj lnj uu dVhy] gk jx d ihy ihy
ejh ek dk e>l feyk tk A
vk txy d jktk ej e*;k --------

iou j!ih gk ek d l;kj] pky iou dh vktkvk
nok d re vk[kk d rkj] vkvk de dektkvk
vk xguk l rEg ltkm!] ikok e ?k?kj! igukm!
e ctkm! <ky vkj cktk A
vk txy d jktk ej e*;k --------

ek d lue[k gkyh ek l] fny dh ckr djy e
l;kl c>ky tUek dh e] [kkyh >kyh Hkjy e
ek d pj.kk dh /ky yxkm!] e lk;k ulhc txky
ej n%[k lrki feVk tk A
vk txy d jktk ej e*;k --------

ek dgxh cVk e>dk] e ek dgd cykm!xk
eerk j!ih ojnkuh l] oj eDrh dk ikm!xk
lkjh nfu;k l tk U;kjh] Noh lnj vry l;kjh
ml ek dk n'k fn[kktk
vk txy d jktk ej e*;k --------

लईयो आरती हमारी स्वीकार

yb;k vkjrh gekjh Lohdkj]
Hkokuh egj okyh 2

m!p iOr cuk g enhj] efgek rjh fujkyh
ogk l flf<;k p<d eb;k] vkr rj lokyh
lkj tx l fujkyk njckj]
Hkokuh egj okyh --------

?kVk 'k[k enx ctr g] vkjrh lk> ldkj
i!y ukfj;y i!y vkj pujh] ykr Hkxr rEgkj
p< cyk peyh d gkj]
Hkokuh egj okyh --------

cM lcj iMk vkd] efnj d iV [kky
igy n'ku dju d yku] tYnh e uk [kky
ehB vyx p<ku flxkj
Hkokuh egj okyh --------

dkb ekx /ku vkj nkyr] dkb ekx dk;k ek
dkb Vhdk yky exko] dkb jgu dk Nk;k ek
e*;k lc i dj midkj]
Hkokuh egj okyh --------

n'ku djd tue li!y gk] yk[kk i.; dek;]
l;kl c>h bu uuu dh ek] rEgj n'ku ik;
e*;k rj pj.kk dk l;kj]
Hkokuh egj okyh --------

आई सिंह पे सवार

vkb flg i lokj] e*;k vk< pujh]
vk< pujh vk e*;k] vk< pujh AA
vkb flg i lokj e*;k --------

vkfn'kfDr g ekr Hkokuh] t; nx egkdkyh]
cM&cM jk{kl&lgkj] j.kp.Mh erokyh]
djrh HkDrk dk m/nkj] e*;k vk< pujh AA
vkb flg i lokj e*;k --------

efg"kklj Fkk egkcyh] nok dk [kc lrk;k]
fNu fy;k bUnkLu vkj] nok dk ekj Hkxk;k]
djh nok u idkj] e*;k vk< pujh AA
vkb flg i lokj e*;k --------

nxk dk vorkj fy;k] >V egh lkl j lgkjh]
nj fd;k nok dk ldV] yhyk rjh U;kjh]
fd;k nok i midkj] e*;k vk< pujh A
vkb flg i lokj e*;k --------

tk dkb ftl e'kk l e*;k] }kj frgkj vkrk]
gj bPNk gkrh g ijh] eg ekxk i!y ikrk]
rjk x.k xko l lkj] e*;k vk< pujh A
vkb flg i lokj e*;k --------

d"V vudk e>dk ?kj] dku gj n[k% ej]
uke rjk jVrk g e*;k] e gj lk> loj]
ge djr g idkj] e*;k vk< pujh AA
vkb flg i lokj e*;k --------

भक्तो को दर्शन दे गई रे

HkDrk dk n'ku n xb j] ,d NkVh lh dU;k
NkVh lh dU;k] ,d NkVh lh dU;k A
HkDrk dk n'ku n xb ----

HkDrk u iNk e*;k] uke rjk D;k g]
uke rjk D;k g e*;k] uke rjk D;k g A
o".ko ek cryk xb j] ,d NkVh lh dU;k
HkDrk dk n'ku n xb ----

HkDrk u iNk e*;k] /kke rjk D;k g
/kke rjk D;k g e*;k] /kke rjk D;k g A
f=dV ior crk xb j] ,d NkVh lh dU;k
HkDrk dk n'ku n xb ----

HkDrk u iNk ek] lokjh rjh D;k g]
lokjh rjh D;k g ek] lokjh rjh D;k g A
ihyk 'kj crk xb j] ,d NkVh lh dU;k
HkDrk dk n'ku n xb ----

HkDrk u iNk ek] iLkn rjk D;k g A
iLkn rjk D;k g ek] iLkn rjk D;k g A
gyvk&iMh&puk crk xb j] ,d NkVh lh dU;k
HkDrk dk n'ku n xb ----

हे नाम रे, सबसे बड़ा तेरा नाम

हे नाम रे, सबसे बडा तेरा नाम, ओ शेरोवाली, उँचे डोरोवाली
बिगड़े बना दे मेरे काम, नाम रे

ऐसा कठीन पल ऐसी घड़ी है, विपदा आन पड़ी है
तू ही दिखा अब रस्ता ये दुनिया, रस्ता रोके खड़ी है
मेरा जीवन बना एक संग्राम, ओ शेरोवाली, उँचे डेरोवाली
बिगड़े बनादे मेरे काम, नाम रे.........

भक्तों को दुष्टो से छुडाए, बुझती ज्योत जलाए
जिसका नही है कोई जगत मे, तु उसकी बन जाए
तीनो लोक करे तोहे प्रणाम, ओ शेरोवाली, उँचे डेरोवाली
बिगड़े बनादे मेरे काम, नाम रे.........

छंद ..... हे ... तू ही देनेवाली माता, तू ही लेनेवाली
तेरी जय जयकार करु मै, भर दे झोली खाली
काम सफल हो जाए मेरा, दे ऐसा वरदान
तेरे बल से हो जाए माँ, निर्बल भी बलवान
बिच भंवर मे डोल रही है, पार लगा दे नैय्या
जय जगदंबे अष्ट भवानी, अंबे गौरी मैय्या
हे ... किसकी बली चढाऊ तुझपे, तु प्रसन्न हो जाए
दुश्मन थरथर कांपे माँ जब, तु गुस्से मे आए
हे नाम रे ....

बैठी लगाके दरबार

बैठी लगाकर दरबार, लागे सेठानी
सेठानी लागे मैय्या, सेठानी लागे,
बैठी लगाके दरबार, लागे सेठानी

कौन लायो मैय्या, तेरो ये गजरा २
गजरे मे फुल हजार, लागे सेठानी
सेठानी लागे मैय्या सेठानी लागे

कौन लायो मैय्या, तेरो ये कंगना २
कंगना मे मोती हजार, लागे सेठानी
सेठानी लागे मैय्या सेठानी लागे

कौन लायो मैय्या, तोरी ये चुनरी २
चुनरी मे तारे हजार, लागे सेठानी
सेठानी लागे मैय्या सेठानी लागे

कौन लायो मैय्या, तोरी ये पायल २
पायल मे घुंघरु हजार, लागे सेठानी
सेठानी लागे मैय्या, सेठानी लागे
बैठी लगाके दरबार .....

शंकर चौड़ा रे ...

'kdj pkMk j egkekb dj jgh 'kkyk j
flxkj ekb dj jgh 'kkyk j --------- 2

ekFk mud fcfn;k lkg] fVdyh dh cfygkjh jke 2
flnj yxk jgh j] ekx e flnj yxk jgh j
flxkj ekb dj jgh 'kkyk j
'kdj pkMk j ------------

dku e mud d.My lkg] uFkuh dh cfygkjh jke 2
gjok igu jfg j] xy e gjok igu jgh j
flxkj ekb dj jgh 'kkyk j
'kdj pkMk j ------------

gkFkk mud dxuk lkg] pMh dh cfygkjh jke 2
enjh igu jgh j] gkFk e enjh igu jgh j
flxkj ekb dj jgh 'kkyk j
'kdj pkMk j ------------

dej mud d/ku lkg] >yk dh cfygkjh jke 2
m!Nu igu jgh j] dej e m!Nu igu jgh j
flxkj ekb dj jgh 'kkyk j
'kdj pkMk j ------------

vx e mud pkyk lkg] ?k?kjh dh cfygkjh jke 2
pujh vk< jgh j] yky jx pujh vk< jgh j
flxkj ekb dj jgh 'kkyk j
'kdj pkMk j ------------

iko e mud ik;y lkg] fcNh;k dh cfygkjh jke 2
egkoj yxk jgh j] iko e egkoj yxk jgh j
flxkj ekb dj jgh 'kkyk j
'kdj pkMk j ------------

मेरी मैय्या ने कैसी सौगात दे दी

ejh e*;k u dlh] lkxkr n nh
tkxj.k d fy;] lkjh jkr n nh
djk tkxj.k e*;k dk 2

jkr dk tk Hkh tkxj.k djk;] Hkxorh ekrk ?kj mlds vk,
y d ctjxh&lx] Hkjo eLr eyx
ek u HkDrk dk n'ku dh nkn n nh
tkxj.k d fy; lkjh jkr n nh] djk tkxj.k e*;k dk

ftl ?kj T;kfr dk gk mtkyk] ogh ?kj gkrk tx e fujkyk
xk;d xuh;k e ek] fj"kh euh;k e ek
ek u HkDrk dk HkDrh Hkh lkFk n nh
tkxj.k d fy; lkjh jkr n nh] djk tkxj.k e*;k dk

n[k gjuh ; fnun;kyk] ; egkdkyh ; ek Tokyk
ekj 'kHk uh'kHk] e/kdVc dk re] ek u dl dl
n"Vk dk ekr n nh
tkxj.k d fy; lkjh jkr n nh] djk tkxj.k e*;k dk

आयो आयो नवरात्री त्यौहार

vk;k vk;k uojk=h R;kgkj] vk vEc e*;k rjh t; t;dkj
dj n dj n HkDrk dk cMk ikj] vk vEc e*;k rjh t; t;dkj

ge rk cky d rj ekrk] vkj r thounkrk g
dkb m l dk N ugh ikrk g] rjh 'kj.k tk vkrk g
v iuh noh u vk t] j[kh HkDrk dh ykt
r> vEc] txnEc] tx lkjk tku j
vkt v iuk] fn[kk n peRdkj
vk vEc e*;k ---------

fo ink e g n'k gekjk] r gh cpku okyh g
vkpy e ; nhi Niky] vk/kh vku okyh g
v iuh noh u vk t j[kh HkDrk dh ykt
r> vEc txnEc tx lkjk tku j
vk t v iuk fn[kk n peRdkj
vk vEc e*;k ---------

pkjk [kku fpr g n'eu] m l u gedk eku fy ;k
ukpk xkvk ek t euk vk] e*;k u dY;k.k fd ;k
v iuh nok u vk t] j[kh HkDrk dh ykt
r> vEc] txnEc] tx lkjk tku j
ugh Hkyx rjk midkj
vk vEc e*;k ---------

माँ के दर पे सर झुका के

(r t & fny d vjek vkl vk ---)

ek d nj i] lj >dk d n[k y]
,d ni!k pk[kV i] vk d n[k y AA

gj cyk rjh ;gk] Vy tk,xh A
onuk eu dh luk d n[k y AA 1 AA
ek d nj ------------

,lh l;kjh ek] dgk r ik;xk A
pkg rk nfu;k e tkd n[k y AA 2 AA
ek d nj ------------

[kkyh >kyh lc] ;gk Hkj tk;xh A
lkeu nkeu fcNk d n[k y AA 3 AA
ek d nj ------------

r g xj etcj] rk ok vk;xh A
fny l nfu;k dk Hkyk d n[k y AA 4 AA
ek d nj ------------

fi!j u dguk dN " fcgkjh " l dHkh A
vkt ekdk vktek d n[k y AA 5 AA

पंडा कराये रहे पुजा

iMk djk; jg itk] e*;kth dh >e >e d
>e >e d] >e >e d 2
g iMk djk; jg itk] e*;kth dh >e >e d

uojk=h dh 'kHk ?kMh vkb 2
HkDrk u ekrk dh ejr cBkb 2
>e >e d] >e >e d
g iMk djk; jg itk] e*;kth dh >e >e d

fVdk yxk; ek dk pujh p<k; 2
ukfj;y p<k;] i!y ekyk p<k; 2
>e >e d] >e >e d
g iMk djk; jg itk] e*;kth dh >e >e d

uk&uk [kIij ck; tokj 2
vyh;.k xyh;.k xt t;dkj 2
>e >e d] >e >e d
g iMk djk; jg itk] e*;kth dh >e >e d

vkb ek ikg.kh HkDrk d }kj 2
IdV dkV ek Hkj HkMkj 2
>e >e d] >e >e d
g iMk djk; jg itk] e*;kth dh >e >e d

छुम छुम छननन बाजे

Ne Ne Nuuu ckt] e*;k iko itfu;k
iko itfu;k e*;k] iko itfu;k
Ne Ne Nuuu ckt] e*;k iko itfu;k

dku x<k; e*;k] iko itfu;k 2
dku cuk; vk<fu;k] e*;k iko itfu;k
Ne Ne Nuuu -------

lujk x<k; e*;k] iko itfu;k 2
nth cuk; vk<fu;k] e*;k iko itfu;k
Ne Ne Nuuu -------

dg p<km! e*;k] iko itfu;k 2
dg p<km! vk<fu;k] e*;k iko itfu;k
Ne Ne Nuuu -------

lej lej e*;k] rkj tl xkm! 2
NkM pj.k dgk tkm!] e*;k iko itfu;k
Ne Ne Nuuu -------

यहाँ वहाँ , जहाँ तहाँ , मत पुछो कहाँ कहाँ

यहाँ वहाँ, जहाँ तहाँ, मत पुछो कहाँ कहाँ, है संतोषी माँ
अपनी संतोषी माँ, अपनी संतोषी माँ
जल मे भी, थल में भी, अतल वितल में भी, तुरत कमाल करे माँ
अपनी संतोषी माँ, अपनी संतोषी माँ

बडी अनोखी चमत्कारिणी, ये अपनी माई - २
राई को पर्वत कर देती, पर्वत को राई - २
द्वार खुला दरबार खुला है, आओ बहन भाई
इसके दर पर कभी दया की, कमी नही आई
पल में निहाल करे, दुख का निकाल करे, तुरत कमाल करे माँ
अपनी संतोषी माँ, अपनी संतोषी माँ

इस अम्बा में जगदम्बा में, गजब की है शक्ति - २
चिंता में डूबे हुये लोगो, करलो इसकी भक्ति - २
अपना जीवन सौंप दो इसको, पालो रे मुक्ति
सुख संपत्ती की दाता ये माँ, क्या नही कर सकती
बिगड़ी बनाने वाली, दुखड़े घटाने वाली, कष्ट मिटाने वाली माँ
अपनी संतोषी माँ, अपनी संतोषी माँ

गौरी सुत गणपती की बेटी, ये है बड़ी भोली - २
देख देख कर इसका मुखड़ा, हरएक दिशा डोली - २
आओ रे भक्तो ये माता है, सबकी हम जोली
जो मांगोगे तुम्हे मिलेगा, भर लो रे झोली
उज्वल-उज्वल, निर्मल निर्मल, सुदंर सुंदर माँ
अपनी संतोषी माँ, अपनी संतोषी माँ

खम्मा खम्मा हो रामा

खम्मा खम्मा हो रामा, रुनीचे रा धनिया
थाने तो ध्यावे आँख्यो मारवाड हो, आँख्यो गुजरात हो
अजमालजी रा कंवरा

भादूडे री दूज मे, चमक्योजी सितारो
पालनियाँ में झूलन आयो, आयो पालनहारो
द्वारीकारा नाथ झूले पालनियाँ
हो रामा, द्वारीकारा नाथ झूले पालनियाँ, अजमालजी रा कंवरा

बडोड़ा बीरमदेव, छोटा रामदेवजी
धोरा री धरती में आया, आया रामापीर जी
कुमकुम रा पगल्या मांडया आंगनियाँ
हो रामा, कुमकुम रा पगल्या मांडया आंगनियाँ, अजमालजी रा कंवरा

सिर पे किलंगी तुर्रो, केसरीया है जामो
भगतारी भीड आयो, भोलो पीर रामो
भक्ता रो मान बढावनियाँ
हो रामा, भक्ता रो मान बढावनियाँ, अजमालजी रा कंवरा

माता मैनादे ज्यारा, पिता अजमालजी
सुगना रा बीर रानी, नेतल रा भरतारजी
जगमग ज्योत जगावनियाँ
हो रामा, जगमग ज्योत जगावनियाँ, अजमालजी रा कंवरा

डालीबाई बाबा थारे, पगल्या पखारती
लाछा और सुगनाबाई, करे हर की आरती
हरजी भाटी रे मन भावनियाँ,
हो रामा, हरजी भाटी रे मन भावनियाँ, अजमालजी रा कंवरा

रामदेव बाबा थाने, घनी-घनी खम्माजी
सौ करोड़ म्हाने दे दो, बाकी राख्यो जमाजी
थे हो देवनीयाँ, म्हे हुँ लेवनीयाँ,
हो रामा, थे हो देवनीयाँ, म्हे हुँ लेवनीयाँ, अजमालजी रा कंवरा

साईंनाथ तेरे हजारो हाथ

साईंनाथ तेरे हजारो हाथ, साईंनाथ तेरे हजारो हाथ
जिस जिस ने तेरा नाम लिया, तु हो लिया उसके साथ

इत देखु तो तु लागे कन्हैय्या, ऊत देखू तो दुर्गा मैय्या
नानक की मुस्कान है मुख पर, शान-ऐ-मोहब्बत भी है मुख पर २
साईंनाथ तेरे ....

राम नाम की है तु माला, गौतम वाला तूझमें उजाला २
नीम तेरे जीने की छाया, बदले हर चोले की काया
साईंनाथ तेरे ....

तेरा दर है दया का सागर, सब मजहब भरते है गागर २
पावन पारस तेरी याद, तेरा पत्थर कण कण राग
साईंनाथ तेरे ....

तेरा मंदिर सबका मदीना, जो भी आए सीखे जीना २
तू चाहे तो टल जाए घात, तुही भोला तुही नाथ
साईंनाथ तेरे ....

गुरुदेव दया करके

गुरुदेव दया करके, मुझको अपना लेना
मै शरण पडा तेरी, चरणों में जगह देना

करुणानिधी नाम तेरा, करुणा दिखला जाओ
सोये हुए भागों को, हे नाथ जगा जाओ
मेरी नांव भँवर डोले, इसे पार लगा देना ।
मैं शरण पड़ा तेरी ....

तुम सुख के सागर हो, निर्धन के सहारे हो
इन तन में समाये हो, मुझे प्राण से प्यारे हो
नित माला जपु तेरी, नही दिल से भुला देना ।
मैं शरण पड़ा तेरी ....

पापी हुँ या कपटी हुँ, जैसा भी हुँ तेरा हुँ
घरबार छोड़कर मैं, जीवन से खेला हुँ
दुख का मारा हुँ मै, मेरे दुखड़े मिटा देना ॥
मैं शरण पड़ा तेरी ....

मै सबका सेवक हुँ, तेरे चरणों का चेला हुँ
नही नाथ भुलाना मुझे, इस जग में अकेला हुँ
तेरे दर का पुजारी हुँ, मेरे दोष मिटा देना ॥
मैं शरण पड़ा तेरी ....

दमा दम मस्त कलंदर

ओ लाल मेरी पत रखीओ भला झुलेलालण-२
सिंधड़ीदा, सेवनदा, सख्खर दा, सखी साबाज़ कलंदर
दमादम मस्त कलंदर, अलीदम दम दे अंदर
दमादम मस्त कलंदर, अली दा पहला नंबर
ओ लाल मेरी, ओ लाल मेरी .....

चार चिराग तेरे बरण हमेशा-३
पंजवा में बारण, आई भला झुलेलालण
ओ पंजवा में बारण
पंजवा में बारण आई भला झुलेलालण
सिंधड़ीदा सेवनदा सखी साबाज़ कलंदर
दमादम मस्त कलंदर, अलीदम दम दे अंदर
दमादम मस्त कलंदर, अली दा पहला नंबर
ओ लाल मेरी, ओ लाल मेरी .....

हिंद सिंध पिरा तेरी नौबत बाजे-३
नल बाजे घडीयाल भला झुलेलालण
ओ नल बाजे, ओ नल बाजे घडीयाल भला झुलेलालण
सिंधड़ीदा सेवनदा सखी साबाज़ कलंदर
दमादम मस्त कलंदर, अलीदम दम दे अंदर
दमादम मस्त कलंदर, अली दा पहला नंबर
ओ लाल मेरी, ओ लाल मेरी .....

हरदम पिरा तेरी खैर होवे-३
नामे अली बेडा पार लगा झुलेलालण
सिंधड़ीदा सेवनदा सखी साबाज़ कलंदर
दमादम मस्त कलंदर, अलीदम दम दे अंदर
दमादम मस्त कलंदर, अली दा पहला नंबर
ओ लाल मेरी, ओ लाल मेरी .....

बंद कर खिड़की भले ही द्वार

बंद कर खिड़की भले ही द्वार, कितने भी तु ताले डाल
एक दिन तोड़ के पिंजरा, पंछी उड़ जाना
करले जतन हजार, पंछी उड़ जाना
पंडी उड़ जाना ....

महल धरे के धरे रहेंगे, धन दौलत सब पड़े रहेंगे ।
साथ चलेगा कोई न तेरे, दुर-दुर सब खड़े रहेंगे २
करले सोच विचार, पंछी उड़ जाना
करले जतन हजार ....

ईश्वर की कर भक्ती बंदे, छोड़ दे सारे पाप के धंदे
मोह माया के जाल सुनहरे, सब के साथ फाँसी के फंदे २
जपले कृष्ण मुरार, पंछी उड़ जाना
करले जतन हजार ....

करले कुछ तो नेक कमाई, आखिर तेरे काम ये आई
लख चौरासी जून भोग के, मानस देह ये तुने पाई २
करता क्यु बेकार, पंछी उड़ जाना
करले जतन हजार ....

वक्त अभी है बात मानले, संतमुनी जन सेठ जान ले,
छोड़ दे झुठे ताने बाने, परमेश्वर को सत्य मान ले २
मिलेंगे फिर करतार, पंछी उड़ जाना
करले जतन हजार ....

जपले प्रभु ही परम आत्मा, खुल जाएगा द्वार सातवा
फिर ना पिंजरा नाही पंछी, जन्म मरण का होगा खात्मा २
भवसागर कर पार, पंछी उड़ जाना
करले जतन हजार ....

जीते लकड़ी मरते लकड़ी

(r t %& d l e okn l ;kj oi!k d)

thr Hkh ydMh ejr Hkh ydMh] n[k rek'kk ydMh dk
D;k thou D;k eju dchj] [ky Fkk lkjk ydMh dk

ftl e rjk tue gvk Fkk] og iyx cuk;k ydMh dk
ekrk rEgkjh ykjh ;k xk,] ok iyuk Fkk ydMh dk
thr ydMh ---------

i<u pyk tc ikB'kkyk e] y[ku ikVh ydMh dk
xj! u tc tc Mj fn[kyk;k] ok MMk Fkk ydMh dk
thr ydMh ---------

ftl e rjk C;kg jpk;k] og eMi Fkk ydMh dk
cMk gvk vkj py ugh ik;k] fy;k lgkjk ydMh dk
thr ydMh ---------

Mkyh ikydh vkj tuktk] lc dN g ; ydMh dk
tue ej.k dh bl ey e] fn;k lgkjk bl ydMh dk
thr ydMh ---------

mM x;k iNh jg xb dk;k] fcLrj fcNk;k ydMh dk
,d gh iy e jk[k cuk;k] og iy lkjk ydMh dk
thr ydMh ---------

ejr ne rd feVk ugh Hk*;k] jxMk&>xMk ydMh dk
jke uke dh bl ey e] feV tk, >xMk ydMh dk
thr ydMh ---------

बलीहारी छत्तरधारी

cyhgkjh NRrj/kkjh] ?k.kh [kEck vUunkrk A
ekr ;k okyk clhokyk] Fkkj xy otrh ekyk AA
Fkkdh fdydh n N] >kyk th] Jh dY;k.k ekr ;k okyk A

egkjkt Jh th MhXxh ijh dk jktk] Fkkj ckt ukcr ckt k th]
Jh dY;k.k ekr ;k ------------

egkjkt Jh th flj ipjxk fpjk] Fkkd BkM;k ned fgjk th]
Jh dY;k.k ekr ;k ------------

egkjkt Jh th] vUu /kuh ekjk gyk] Egkjk gyk enj >yk th
Jh dY;k.k ekr ;k ------------

egkjkt Jh th vk/kk tk Fkkd vko] ok rk vk[k ik, ?kj tkoth
Jh dY;k.k ekr ;k ------------

egkjkt Jh th dk<h tk Fkkd tko] ok rk dpu dk;k ikoth
Jh dY;k.k ekr ;k ------------

egkjkt Jh th ;euk nklh /;ko] ok rk fur mB n'ku iko th
Jh dY;k.k ekr ;k ------------

ऐ मालिक तेरे बंदे हम
ऐसे हो हमारे करम ।

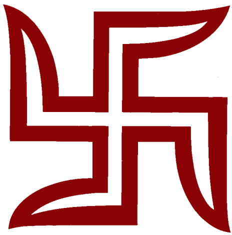

, ekfyd rj cn ge] , l gk gekj dje A
udh ij py] vkj cnh l Vy] rkfd g l r g, fudy ne AA

tc tYek dk gk lkeuk] rc r gh ge Fkkeuk A
ok cjkb dj] ge Hkykb dj] ugh cny dh gk Hkkouk A
c< mB l;kj d gj dne] vkj feV cj dk ; Hkkje
, ekfyd rj cn ge -------

cMk de tkj g vkneh] vHkh yk[kk g b l e deh A
ij r tk [kMk] g n;ky cMk] rjh o!ik l /kjrh Fkeh A
fn;k ru ge tc tue] r gh >yxk ge lcd xe
, ekfyd rj cn ge -------

; v/kjk ?kuk Nk jgk] rjk bl ku ?kcjk jgk A
gk jgk c[kcj] dN u vkrk utj] l[k dk lj t fNik tk jgk A
g rjh jk'kuh e tk ne] r vekol dk dj n iue
, ekfyd rj cn ge -------

मात पिता गुरू प्रभु ...

ekr firk xj! iHk pj.kk e] i.kor ckjEckj
ge ij fd;k cMk midkj] ge ij fd;k cMk midkj

ekrk u tk d"V mBk;k] og =!.k dHkh u tk; pdk;k]
vxyh idM dj pyuk fl[kk;k] eerk dh nh 'khry Nk;k]
ftudh xkn e iydj ge] dgykr gkf'k;kj
ge ij fd;k ---------

firk u gedk ;kX; cuk;k] dek dekdj vUu f[kyk;k]
i<k fy[kk x.koku cuk;k] thou iFk ij pyuk fl[kk;k]
tkM&tkM vius liRrh dk] cuk fn;k gdnkj
ge ij fd;k ---------

rRo Kku xj! u n'kk;k] v/kdkj lc nj gVk;k]
gn; e HkfDr nhi tykdj] gfj n'ku dk ekx crk;k]
fcuk LokFk gh o!ik dj o] fdru cM g mnkj
ge ij fd;k ---------

iHk o!ik lu ru ik;k] lr feyu dk lkt ltk;k]
cy cf/n vkj fo|k ndj] lc thok l J"B cuk;k]
tk Hkh budh 'kj.k e tkrk] gk tkrk m/nkj
ge ij fd;k ---------

शिर्डी वाले साँईबाबा

teku e dgk VVh gb] rLohj curh g
rj njckj e fcxMh gb] rdnhj curh g A

rkjhi! rjh] fudyh g fny l]
vkb g yc i] cu d dOokyh
f'kMh oky lkb ckck]
vk;k g rj nj lokyh A

yc i nvk,] vk[kk e vkl]
fny e mEehn] vkj >kyh [kkyh
f'kMh oky ----------

vk ej lkb nok] rj lc uke yok
tnk bUlku lkj] lHkh r>dk g l;kj
lu i!jh;kn lcdh] r> g ;kn lcdh
cMk ;k dkb NkVk] ugh ek;l ykVk
vehjk dk lgkjk] xjhck dk xtkjk
rjh jger dk fdLlk c;k] vdcj dj D;k
nk fnu dh nfu;k] nfu;k g xy'ku
lc i!y dkV] r lc dk ekyh
f'kMh oky ----------

[knk dh 'kku r>e] fn[k Hkxoku r>e
r> lc ekur g] rjk nj tkur g
py vkr g nkM] tk [kn fdLer g FkkM
; gj jkgh dh ethy] ; gj d'rh dk lkghy
ftl lcu fudyk] ml ru lHkkyk
r fcNMk dk feyk;] c> fnid tyk;
; xe dh jkr] jkr ; dkyh]
fnu dk cuk n] bn vkj fnokyh
f'kMh oky ----------

कर चले हम फिदा जाँ वतन साथीयो

कर चले हम फिदा, जाँ वतन साथीयो
अब तुम्हारे हवाले, वतन साथीयो

सांस थमती गई, नब्ज जमती गई
फिर भी बढते कदम को, ना रुकने दिया
कट गए सर हमारे तो, कुछ गम नही
सर हिमालय का हमने, ना झुकने दिया
मरते-मरते रहा, बाकपन साथीयो
अब तुम्हारे हवाले ......

राह कुर्बानीयो की, ना विरान हो
तुम सजाते ही रहना, नए काफिले
फतेह का जश्न, इस जश्न के बाद है
जिंदगी मौत से, मिल रही है गले
बांध लो अपने सर पे, कफन साथीयों
अब तुम्हारे हवाले ......

खींच दो अपने खुं से, जमीं पर लकीर
इस तरफ आने पाए, ना रावन कोई
तोड़ दो हाथ अगर, हाथ उठने लगे
छु न पाए न सीता का, दामन कोई
राम हो तुम, तुम्ही लक्ष्मण साथीयो
अब तुम्हारे हवाले ......

ए मेरे वतन के लोगो

ऐ मेरे वतन के लोगो, तुम खुब लगालो नारा
ये शुभ दिन है हम सबका, लहरा दो तिरंगा प्यारा
पर मत भुलो सीमा पर, वीरो ने है जान गवाएँ
कुछ याद इन्हे भी करलो, जो लौट के फिर ना आए

ऐ मेरे वतन के लोगो, जरा आँख मे भर लो पानी
जो शहीद हुए है उनकी, जरा याद करो कुर्बानी
जय हिंद ....

जब घायल हुवा हिमालय, खतरे में पड़ी आजादी
जब तक थी सांस लड़े वो, फिर अपनी लाश बिछा दी
हो गए वतन पर न्यौछावर, जो वीर थे वो अभिमानी
जो शहीद हुए है उनकी, जरा याद करो कुर्बानी
जय हिंद ....

जब देश में थी दिवाली, वो खेल रहे थे होली
जब हम बैठे थे घरो में, वो झेल रहे थे गोली
वो धन्य जवान थे उनके, जो धन्य थी उनकी जवानी
जो शहीद हुए है उनकी, जरा याद करो कुर्बानी
जय हिंद ....

कोई सिख कोई जाट मराठा, कोई गुरखा कोई मदरासी
सरहद पर मरनेवाले, वो वीर थे भारतवासी
जो खून गिरा पर्वत पर, वो खून था हिंदुस्तानी
जो शहीद हुए है उनकी, जरा याद करो कुर्बानी
जय हिंद ....

ये देश है वीर जवानो का

ये देश है वीर जवानो का, अलबेलो का, मस्तानो का
इस देश का यारो, क्या कहना
ये देश है, दुनिया का गहना
हो हो ...

यहाँ चौड़ी छाँती वीरो की
यहाँ भोली शक्ले हीरो की
यहाँ गाते है, रांझे मस्ती में
मस्ती में घुमे, बस्ती में
हो हो ...

दिलभर के लिए, दिलदार है हम
दुश्मन के लिए, तलवार है हम
मैंदा मे अगर, हम डट जाए
मुश्किल है, पिछे हट जाए
हो हो ...

फुलो में, बहारे झुलो की
राहो मे कतारे, फुलो की
यहाँ हँसता है, सावन बालो मे
खिलती है, कलीयाँ गालो में
हो हो ...

मन धीर धरो

मन धीर धरो, घबराओ नही,
भगवान मिलेगे, कभी न कभी ।

वो जल मे मिले, वो थल में मिले,
अंबर में मिलेंगे, कभी न कभी । मन धीर धरो ....

गंगा में मिले, काशी में मिले,
सरयू में मिलेंगे, कभी न कभी । मन धीर धरो ....

मथुरा में मिले, काशी में मिले,
अयोध्या में मिलेंगे, कभी न कभी । मन धीर धरो ....

चंदा में मिले, तारो में मिले,
सूरज में मिलेंगे, कभी न कभी । मन धीर धरो ....

मंदिर में मिले, मस्जीद में मिले,
गुरुद्वारे में मिलेंगे, कभी न कभी । मन धीर धरो ....

महिनों में मिले, बरसों में मिले
जीवन में मिलेंगे, कभी न कभी । मन धीर धरो ....

वो मन में मिले, वो तन में मिले
कण कण में मिलेंगे, कभी न कभी । मन धीर धरो ....

श्री राम का नाम, दयानिधी है,
वो दया करेंगे, कभी न कभी । मन धीर धरो ....

श्री कृष्ण का नाम, कृपा निधी है,
वो कृपया करेंगे, कभी न कभी । मन धीर धरो ....

अब सौंप दिया इस जीवन का
सब भार तुम्हारे हाथों में

अब सौंप दिया इस जीवन का, सब भार तुम्हारे हाथों में ।
है जीत तुम्हारे हाथों में, और हार तुम्हारे हाथों में ।।

मेरा निश्चय बस एक यही, एक बार तुम्हें पा जाऊ में ।
अर्पण कर दूं दुनिया भर का, सब भार तुम्हारे हाथों में
अब सौंप दिया इस जीवन का ....

जो जग में रहूं तो ऐसे रहूं, ज्यों जल में कमल का फूल रहे ।
मेरे सब गुण दोष समर्पित हो, सरकार तुम्हारे हाथों में
अब सौंप दिया इस जीवन का ....

यदि मानव का मुझे जनम मिले, तो प्रभु चरणों का पुजारी बनूं ।
इस पुजक की इक रग-रग का, हो तार तुम्हारे हाथों में
अब सौंप दिया इस जीवन का ....

जब जब संसार का कैदी बनूं, निष्काम भाव से कर्म करुं ।
फिर अंत समय में प्राण तजूं, निराकार तुम्हारे हाथों में
अब सौंप दिया इस जीवन का ....

मुझमें, तुझमें बस भेद यही, मैं नर हूं तुम नारायण हो
मैं हू संसार के हाथों में, संसार तुम्हारे हाथो में
अब सौंप दिया इस जीवन का ....

तुम्ही हो माता पिता तुम्ही हो

तुम्ही हो माता पिता तुम्ही हो,
तुम्ही हो बन्धु, सखा तुम्ही हो ।

तुम्ही हो साथी, तुम्ही सहारे,
कोई न अपना, सिवा तुम्हारे ।
तुम्ही हो नैया, तुम्ही खिवइया,
तुम्ही हो बन्धु, सखा तुम्ही हो ।
तुम्ही हो माता ....

जो खिल सके ना, वो फुल हम है,
तुम्हारे चरणों, की धुल हम है ।
दया की दृष्टि, सदा ही रखना,
तुम्ही हो माता ....

न हम मे बल है, न हम मे शक्ति,
न हम मे साधन, न हम मे भक्ति ।
तुम्हारे दर के, हम है भिखारी,
तुम्ही हो माता ....

भए प्रगट कृपाला

भए प्रगट कृपाला, दीन–दयाला, कौशल्या हितकारी ।
हरषीत महतारी, मुनि मन हारी, अद्भूत रुप निहारी ।।
लोचन अभिरामा, तनु घनश्यामा, निज आयुध भुज चारी ।
भूषन बनमाला, नयन बिसाला, शोभा सिंधु खरारी ।।
कह दुई कर जोरी, अस्तुति तोरी, केहि बिधि करौं अनंता ।।
माया गुन ग्याना, तीत अमाना, वेद पुरान भनंता ।।
करुणा सुख सागर, सब गुन आगर, जेहिं गावहिं श्रुति संता ।
सो मम हित लागी, जनु अनुरागी, भयऊ प्रगट श्रीकंता ।।
ब्रम्हांड निकाया, निर्मित माया, रोम रोम प्रति वेद कहै ।
मम उर सो बासी, यह उपहासी, सुनत धीर मति थिर न रहै ।
उपजा जब ग्याना, प्रभु मुसुकाना, चरित बहुत विधि कीन्ह चहै ।
कहि कथा सुहाई, मातु बुझाई, जेहि प्रकार सुत प्रेम लहै ।
माता पुनि बोली, सो मति डोली, तजहु तात यह रुपा ।
कीजै सिसु लीला, अति प्रिय सीला, यह सुख परम अनूपा ।।
सुनि बचन सुजाना, रोदन ठाना, होई बालक सुरभूपा ।
यह चरित जे गावहिं, हरिपद पावहिं, ते न परहिं भवकूपा ।

दोहा

बिप्र धेनु सुर संत हित, लीन्ह मनुज अवतार ।
निज इच्छा निर्मित तनु, माया गुन गो पार ।

श्री जगदीशजी की आरती

ॐ जय जगदीश हरे, स्वामी जय जगदीश हरे ।
भक्त जनों के संकट, क्षण मे दूर करें ॥ ॐ जय ...

जो ध्यावै फल पावै, दुख बिनसे मन का
सुख संपत्ती घर आवै, कष्ट मिटै तन का ॥ ॐ जय ...

मात-पिता तुम मेरे, शरण गहूँ मैं किसकी
तुम बिनु और न दुजा, आस करूँ मैं किसकी ॥ ॐ जय ...

तुम पूरन परमात्मा, तुम अन्तर्यामी
पार ब्रम्ह परमेश्वर, तुम सबके स्वामी ॥ ॐ जय ...

तुम करूणा के सागर, तुम पालन कर्ता
मै मुरख खलकामी, कृपा करो भरता ॥ ॐ जय ...

तुम हो एक अगोंचर, सबके प्राण पति
किस विधि मिलू दयामय, मै तुमको कुमति ॥ ॐ जय ...

दीन बन्धु दुख हरता, तुम रक्षक मेरे
अपने हाथ बढ़ाओ, द्वार पड़ा तेरे ॥ ॐ जय ...

विषय विकार मिटाओ, पाप हरो देवा
श्रध्दा-भक्ति बढ़ाओ, सन्तन की सेवा ॥ ॐ जय ...

तन मन धन और जीवन, सब कुछ है तेरा
तेरा तुझको अर्पण, क्या लागे मेरा ॥ ॐ जय ...

त्रिगुणा स्वामी की आरती, जो कोई नर गावे
कहत शिवानंद स्वामी, कहत महामुनी ज्ञानी
सुख संपत्ती पावे, सब दुख मिट जावे, घर लक्ष्मी आवे ॥ ॐ जय ...

जय जगदीश हरे, स्वामी जय जगदीश हरे
भक्त जनों के संकट, क्षण में दूर करे ॥ ॐ जय ...

छप्पन भोग

दोहा – मीठो है नमकीन है बाबा, चरपरो थोडो खाटो
सोने की थाली में परोसो, डाल चाँदी को पाटो
ओ टावरियाँ मनुहार कर बाबा, देखूँ तो क्यों नाटो
ओ भोग लगाओ म्हारा श्याम धनी रे
बाकी भक्तां ने बाटो । खाटू नरेश की जय ।।

आयो आयो, साँवरिया वेगा आओ ...
दिमों जी भोज ... लगाओ, है छप्पन भोग तैयार जी
थांरा टाबरीया कर है मनुहार जी – २

केशरिया बर्फी कलाकंद रबड़ी, पेड़ा इमरती बालुशाही
लाडू बूँदिया जलेबी रसगुल्ला, गाजरपाक रसमलाई
गुलाबजामुन, शक्करपारा, घेवर न्यारा न्यारा
जी में आवो, जको थे और धलावो
जिमों जी भो .....

दालमोठ कचौड़ी पकोड़ी, भुजियां पापड़ चिवड़ो
करठी राबड़ी साग सांगरी को, बाजरा को बाबा खिचड़ो
रायते में जीरां, को तडको, पीयो मार सबड़को
साग काचरी की चटनी चटाओ
जिमों जी भोग .....

आम अमरुद अंगूर अनानस, आलूबुखारा अनार धरा
केला सेब पपीता चीकू, संतारा मौसमी रसधार भरा
काकड़िया रे, लाल मतीरा, भर टमाटर खीरा
नींबू काटो, थे थोडो और छिड़काओ
जिमों जी भोग .....

काजू किशमिश नोजा खुरमानी, खोपरा चूहारा बदाम लाओ
जीम जूठ और आचमन करके, फिर थोडो आराम लियो
लौंग ईलायची, हाजिर कर दी, सागर मिसरी भर दी
कोई नाखरियों, पान चबाओ ।
जिमों जी भोग .....

श्री हनुमानजी की आरती

आरती कीजै हनुमान लला की, दुष्टदलन रघुनाथ कला की।
जाके बल से गिरिवर काँपै, रोग-दोष जाके निकट न झांपे।
अंजनि पुत्र महा बलदाई, सन्तन के प्रभु सदा सहाई।
दे बीरा रघुनाथ पठायें, लंका जारि सिया सुधि लायें।
लंका सो कोट समुद्र सी खाई, जात पवनसुत बार न लाई।
लंका जारि असुर संहारे, सीयारामजी के काज संवारे।
लक्ष्मण मूर्च्छित पड़ें सकारे, आणि संजीवन प्राण उबारे।
पैठी पाताल तोरि जम कारे, अहिरावन की भुजा उखारे।
बायें भुजा असूर दल मारे, दाहिने भुजा संत जन तारे।
सुर नर मुनि आरती उतारे, जै जै जै हनुमान उचारें।
कंचन थांल कपूर लौ छाई, आरती करत अंजना माई।
जो हनुमानजी की आरती गावै, बसि बैकुण्ठ परम पद पावै।
लंक विध्वंस किये रघुराई, तुलसीदास स्वामी कीरती गाई।
आरती कीजै हनुमान लला की, दुष्टदलन रघुनाथ कला की।

हनुमत की सकलाई नै, जाण सकै ना कोय
सब देवां कै साथ मँ, आं की पूजा होय

श्रीरामचंद्र कृपालु भजमन

श्रीरामचन्द्र कृपालु भजु मन, हरण भव भय दारुणं ।
नवकंज–लोचन, कंज–मुख, कर–कंज पद कंजारुणं ।।

कंदर्प अगणित अमित छबि, नवनील–नीरज सुंदरं ।
पट पीत मानहु तड़ित रुचि शुचि, नौमि जनक सुतावरं ।

भजु दीनबंधु दिनेश दानव, दैत्यवंश–निकंदनं ।
रघुनंद आनंदकंद कौशलचंद दशरथ–नंदनं ।।

सिर मुकूट कुंडल तिलक चारु, उदारु अंग बिभूषण ।
आजानुभुज शर–चाप–धर, संग्राम–जित–खरदूषणं ।।

इति वदति तुलसीदास शंकर–शेष–मुनि–मन–रंजनं ।
मम हृदय–कंज निवास कुरु, कामादि खलदल–गंजनं ।।

मनु जाहि राचेऊ मिलिहि सो बरु, सहज सुंदर सांवरो ।
करुना निधान सुजान सीलु, सनेहु जानत रावरो ।।

एहि भांति गौरि असीस सुनि सिय, सहित हियँ हरषीत अली ।
तुलसी भवानि पूजी पुनि पुनि, मुदित मन मंदिर चली ।।

दोहा

जानि गौरि अनुकूल, सिय हिय हरषु न जाइ कहि ।
मंजुल मंगल मूल, बाम अंग फरकन लगे ।।

श्री कुँजबिहारीजी की आरती

आरती कुंजबिहारी की। श्रीगिरधर कृष्णमुरारी की ॥
गलेमें बैजंती माला, बजावै मुरली मधुर बाला।
श्रवनमें कुंडल झलकाला, नन्दके आनँद नँदलाला।
श्रीगिरधर कृष्णमुरारीकी ॥

गगन सम अंग कांति काली, राधिका चमक रही आली
लतनमें ठाढ़े बनमाली,
भ्रमर-सी अलक, कस्तुरी-तिलक, चंद्र-सी झलक
ललित छबि, श्यामा प्यारी की।
श्रीगिरधर कृष्णमुरारीकी ॥

कनकमय मोर-मुकुट बिलसे, देवता दरसनकों तरसे
गगन सौं सुमन रासि बरसे,
बजे मुरचंग, मधुर मिरदंग, ग्वालनी संग
अतुल रति, गोपकुमारी की।
श्रीगिरधर कृष्णमुरारीकी ॥

जहाँ ते प्रगट भई गंगा, कलुष कलि हारिणि श्रीगंगा
स्मरण ते होत मोह-भंगा
बसी शिव शीश, जटाके बीच, हरै अध-कीच
चरन छबि, श्रीबनवारीकी।
श्रीगिरधर कृष्णमुरारीकी ॥

चमकती उज्वल तट रेनू, बज रही वृन्दावन बेनू
चहूँ दिसि गोपी ग्वाल धेनू
हँसत मृदु मंद, चाँदनीचन्द, कटत भव फन्द
टेर सुनु, दिन दुखारीकी।
श्रीगिरधर कृष्णमुरारीकी ॥
आरती कुँजबिहारीकी। श्रीगिरिधर कृष्णमुरारीकी ॥

श्री गणेशजी की आरती

जय गणेश जय गणेश, जय गणेश देवा ।
माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा ॥

एक दन्त दयावन्त, चारभुजा धारी ।
माथे सिन्दुर सोहै, मुसे की सवारी ॥

पान चढ़ें फूल चढ़ें, और चढ़ें मेवा ।
लड्डूवन के भोगं लगे, संत करे सेवा ॥

अन्धन को आँख देत, कोढ़ीन को काया ।
बाँझन को पुत्र देत, निर्धन को माया ॥

दीनन की लाज रखो, शम्भु सुतधारी ।
कामना को पुर्ण करो, जग बलीहारी ॥

जय गणेश जय गणेश, जय गणेश देवा ।
माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा ॥

श्री गणपति जी की आरती

गणपति जी की सेवा मंगल मेवा, सेवा से सब विघ्न टरें ।
तीन लोक तैंतीस देवता, द्वार खड़े अरज करें ॥

ऋध्दि सिध्दि दक्षिण बाम विराजे, उर आनन्द सो चवँर करें ।
धूप दीप और लिए आरती, भक्त खड़े सब अरज करें ॥

गुड़ के मोदक भोग लगत हैं, मूषक वाहन चढ़े सरे ।
सौम्य रुप सेवा गणपति की, विघ्न रोग जो दुर करे ॥

भादौं मास और शुक्ल चतुर्थी, दिन दोपारा भरपूर परे ।
लियो जन्म गणपति प्रभुजी ने, दुर्गा मन आनन्द भरैं ॥

श्री शंकर को आनन्द उपज्यो, नाम सुने सब विघ्न टरें ।
आन विधाता बैठे आसन, इन्द्र अप्सरा नृत्य करें ॥

वेद विधाता विष्णु जाको, विघ्न-विनाशक नाम धरें ।
एकदन्त गजबदन विनायक, त्रिनयन रूप अनूप धरें ॥

पग खम्भासा उदर पुष्ट है, देख चन्द्रमा हास्य करें ।
देके श्राप श्री चन्द्रदेव को, कला हीन तत्काल करें ॥

चौदह लोक में फिरें गणपति, तीन भुवन में राज करें ।
उठ प्रभात जो आरती गावें, जाके सिर यश छत्र फिरे ॥

गणपति जी की पूजा पहले करनी, काम सभी निर्विघ्न सरें ।
जन प्रताप श्री गणपतिजी की, हाथ जोड़ कर स्तुति करें ॥

श्री गणपतीची आरती

सुखकर्ता दुखहर्ता वार्ता विघ्नाची ।
नुरवी पुरवी प्रेम कृपा जयाची ॥
सर्वांगी सुंदर उटी शेंदूराची ॥
कंठी झळके माळ मुक्ता फळांची ॥ १ ॥
जय देव जय देव जय मंगलमुर्ती
दर्शणमात्रे मनः कामना पुरती ॥ धृ. ॥

रत्न खचित फरा तुज गौरी कुमरा ।
चंदनाची उटी कुंकुमकेशरा ॥
हिरे जडित मुकुट शोभतो बरा ॥
रुणझुणती नुपूरे चरणी घागरीया ॥ जय देव ॥ २ ॥

चरणीच्या घागरीया रुणझुण वाजती ॥
तेणे नांदे देवा वाक्या गर्जति ॥
ताथा ठुमकत ठुमकत नाचे गणपती ॥
तो शंकर पार्वती कौतुक पाहती ॥ जय देव ॥ ३ ॥

लंबोदर पितांबर कणीवर बंधना ॥
सरळ सोंड वक्रतुंड त्रिनयना ॥
दास रामाचा वाट पाहे सदणा ॥
संकटी पावावे, निर्वाणी रक्षावे सुरवरवंदना ॥ ४ ॥
॥ जय देव जय देव ॥

निर्गुणाचे ताट निरांजण हाती ॥
कल्पनाचे घृत मणाच्या वाती ॥
ज्ञान दिले तिथे लावल्या ज्योती ॥
तुझे तुला अर्पण केले गणपती ॥ ५ ॥
जय देव जय देव जय मंगलमुर्ती
दर्शणमात्रे मनः कामना पुरती ॥

श्री शंकरजी की आरती

जय शिव ओंकारा, हर जय शिव ओंकारा ।
ब्रम्हा विष्णु सदाशिव, अर्धांगी-धारा ।
ओम हर हर हर महादेव ।

एकानन चतुरानन, पंचानन राजै ।
हंसासन गरुड़ासन, वृषवाहन साजै ॥
ओम हर हर हर महादेव ।

दोय भुज चार चतुर्भुज, दशभुज ते अति सोहे ।
तीनो रुप निरखता, त्रिभुवन जन मोहे ॥
ओम हर हर हर महादेव ।

अक्षमाला बनमाला, मुण्डमाला धारी ।
चंदन मृगमद चंदा, भोले शुभकारी ॥
ओम हर हर हर महादेव ।

श्वेताम्बर पीताम्बर, बाघाम्बर अंगे ।
सनकादिक ब्रम्हादिक, भूतादिक संगे ॥
ओम हर हर हर महादेव ।

कर में श्रेष्ठ कमण्डल, चक्र त्रिशुल धर्ता ।
जगकर्ता जगभरता, जग पालन कर्ता ।
ओम हर हर हर महादेव ।

अमृत लक्ष्मी सरस्वती, पार्वती संगे ।
अर्धांगी गायत्री, अर्धांगी सावित्री, शिव गौरा संगे ॥
ओम हर हर हर महादेव ।

भोलेजी की जटाओं में गंग विराजे, ऊपर जलधारा ।
सहस्त्र नाग लिपटावत, अंग भभुती रमावत, ओढ़त मृगछाला ॥
ओम हर हर हर महादेव ।

pklB ;kfxuh xkor] uR; djr Hkj! A
ckt r rky enxk] vkj ckt r Mej! AA
vke gj gj gj egknso A

ikorh ior e fojkt r] 'kdj dyk'kk A
Hkkx /krj dk Hkkt u] HkLeh e jerk AA
vke gj gj gj egknso A

cEgk fo".k lnkf'ko] tkur vfoodk A
i.kok{kj d e/;] ;g rhuk ykdk AA
vke gj gj gj egknso A

dyklu e ckl rEgkjk] fxfjtk d lx e A
unh x.k ij lokjh] Hkr ir lx e AA
vke gj gj gj egknso A

ru eu /ku vkj thou] lc dN gr rjk A
rjk r>dk vi.k] D;k ykx ejk AA
vke gj gj gj egknso A

dk'kh e fo'oukFk fojkt r] unk cEgpkjh A
fur mB n'ku ikor] j!fp j!fp Hkkx yxkor] efgek vfrHkkjh AA
vke gj gj gj egknso A

f=x.k Lokeh dh vkjrh] tk dkb uj xko A
Hkko HkfDr d dkj.k] euokfNr i!y iko AA
vke gj gj gj egknso A

श्री दुर्गाजी की आरती

ओम जय अम्बे गौरी, मैय्या जय श्यामा गौरी ।
तुमको निश दिन ध्यावत, हरि-ब्रम्हा शिवरी ॥
ओम जय अम्बे

माँग सिन्दूर विराजत, टिको मृगमद को ।
उज्वल से दोऊ नैना, चन्द्र बदन निको ॥
ओम जय अम्बे

कनक समान कलेवर, रक्ताम्बर राजै ।
रक्तपुष्प गलमाला, कंठन पर साजै ॥
ओम जय अम्बे

केहरि-वाहन राजत, खड्ग खप्पर धारी ।
सुर-नर-मुनी-जन सेवत, तिनके दुख हारी ॥
ओम जय अम्बे

कानन-कुण्डल शोभित, नासाग्रे मोती
कोटिक चन्द्र दिवाकर, राजत सम ज्योति ॥
ओम जय अम्बे

शुंभ निशुंभ बिडारे, महिसासुर घाती ।
धूम्र विलोचन नैना, निशदिन मदमाती ॥
ओम जय अम्बे

चण्ड-मुण्ड संहारे, शोणित-बीज हरे ।
मधु-कैटभ दोऊ मारे, सुर भयहीन करे ।
ओम जय अम्बे

ब्रम्हाणी-रुद्राणी, तुम कमला रानी ।
आगम-निगम बखानी, तुम शिव पटरानी ॥
ओम जय अम्बे

चौसठ योगिनी गावत, नृत्य करत भैरूँ ।
बाजत ताल मृदंगा, और बाजत डमरू ॥
ओम जय अम्बे

तुम ही जग की माता, तुम ही हो भरता ।
भक्तन की दुख हरता, सुख सम्पत्ति करता ॥
ओम जय अम्बे

भुजा चार अति शोभित, वर मुद्रा धारी ।
मनवांच्छित फल पावत, सेवत नर नारी ॥
ओम जय अम्बे

कंचन थाल विराजत, अगर कपूर बाती ।
श्रीमाल केतु मे राजत, कोटी रतन ज्योती ॥
ओम जय अम्बे

श्री अम्बे भवानी की आरती, जो कोई नर गावे ।
कहत शिवानन्द स्वामी, सुखसंपत्ती पावे ॥
ओम जय अम्बे

श्रीरामायण जी की आरती

आरती श्रीरामायणजी की
कीरति कलित ललित सिय-पी की ॥

गावत ब्रम्हादिक मुनि नारद
बालमीक विज्ञान-बिसारद ।
सुक सनकादि सेष अरु सारद
बरनि पवनसुत कीरति नीकी ॥

गावत बेद पुरान अष्टदश
छओ शास्त्र सब ग्रंथन को रस ।
मुनिजन धन संतन को सरबस
सार अंस संमत सबही की ॥

गावत संतत संभु भवानी
अरु घटसंभव मुनि बिज्ञानी ।
ब्यास आदि कविबर्ज बखानी
काकभुसुंडि गरुड़ के ही की ॥

कलि-मल-हरनि विषय-रस फीकी
सुभग सिंगार मुक्ति, जुबती की ।
दलन रोग भव मूरि अमी की
तात मात सब बिधि तुलसी की ॥

श्री महालक्ष्मीजी की आरती

ॐ जय लक्ष्मी माता, मैय्या जय लक्ष्मी माता ।
तुमको निशदिन सेवत, हर विष्णु-विधाता ॥

उमा-रमा ब्रम्हाणी, तुम ही जग माता ।
सूर्य-चन्द्रमा ध्यावत्, नारद ऋषि गाता ॥

दुर्गारुप निरंजनि, सुख-संपत्ती दाता ।
जो कोई तुमको ध्यावत्, ऋध्दि-सिध्दि धन पाता ॥

तुम पाताल निवासनी, तूम ही शुभदाता ।
कर्म-प्रभाव-प्रकाशिनि, भवनिधि की त्राता ॥

जिस घर मे तुम रहती, तह सब सद्गुण आता ।
सब संभव हो जाता, मन नही घबराता ॥

तुम बिन यज्ञ न होते, वस्त्र न हो पाता ।
खान पान का वैभव, सब तुम से आता ॥

शुभ-गुण-मंदिर सुन्दर, क्षीरोदधि-जाता ।
रत्न चतुर्दश तुम बिन, कोई नहीं पाता ॥

महालक्ष्मीजी की आरती, जो कोई नर गाता ।
उर आनन्द समाता, पाप उतर जाता ॥

श्री रामदेवजी की आरती

पिछंम धरां सुं म्हारा पीरजी पधारिया, घर अजमल अवतार लियो
लाछांबाई सुगनाबाई, करे हरकी आरती, हरजी भांटी चँवर ढुले
वैकुंठा में रामा, होवे हर की आरती

धीरत मिठाई बाबा चढे थारे चुरमो, धुपारी हो महकार पडे
लाछांबाई सुगनाबाई, करे हरकी आरती, हरजी भांटी चँवर ढुले
वैकुंठा में रामा, होवे हर की आरती

वीणा रे तंदुरा धणी नौबत बाजे, झालर री झंकार पड़े
लाछांबाई सुगनाबाई, करे हरकी आरती, हरजी भांटी चँवर ढुले
वैकुंठा में रामा, होवे हर की आरती

खम्मा म्हारा बापजी ने सारो जुग ध्यावे, अजमलजी रा कंवरा रो भेद नही पावे
द्वारका रा नाथ थाने सारो जुग ध्यावे, जैसी ज्यारी भावना वैसो फल पावे
गंगा रे यमुना बैवे रे सरस्वती, रामदेव बाबो स्नान करे
लाछांबाई सुगनाबाई, करे हरकी आरती, हरजी भांटी चँवर ढुले
वैकुंठा में रामा, होवे हर की आरती

दुरा रा देशांरा बाबा आवे थारे यात्री, दरगाह आगे नमन करे
लाछांबाई सुगनाबाई, करे हरकी आरती, हरजी भांटी चँवर ढुले
वैकुंठा में रामा, होवे हर की आरती

हरि शरणां में भांटी हरजी रे बोलीयाँ, नंवा रे खण्डा में निशान धुरे
लाछांबाई सुगनाबाई, करे हरकी आरती, हरजी भांटी चँवर ढुले
वैकुंठा में रामा, होवे हर की आरती

आँधलिया ने आँख्या देवे, पांगला ने पांव देवे
बाबो बांझडिया रा पालनिया झुलावे जीओ
लाछांबाई सुगनाबाई, करे हरकी आरती, हरजी भांटी चँवर ढुले
वैकुंठा में रामा, होवे हर की आरती

॥ श्री गणेशस्तुतिः ॥

गजाननं भूतगणादिसेवितं, कपित्थ-जम्बूफल-चारुभक्षणम् ।
उमासुतं शोक-विनाश-कारकं, नमामि विघ्नेश्वर-पाद-पङ्कजम् ॥

॥ श्री विष्णुस्तुतिः ॥

शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं,
विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्णं शुभाङगम् ।
लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्यं,
वंदे विष्णुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम् ॥

॥ श्री रामस्तुतिः ॥

नीलाम्बुजश्यामल कोमलांणम सीता-समारोह पित-वामभागम् ।
पाणौ महाशायक चारुचापं, नमामि रामं रघुवंशनाथम् ॥

॥ श्री महावीरस्तुतिः ॥

मनोजवं मारुत-तुल्य-वेगं, जितेन्द्रियं बुध्दिमतां वरिष्ठम् ।
वातात्मजं बानरयूथ-मुख्यं, श्रीरामदूतं शरणं प्रपद्ये ॥

॥ श्री शिवस्तुतिः ॥

आवाहनं न जानामि न जानामि विसर्जनम् ।
पूजां नैव हि जानामि क्षमस्व परमेश्वरं ॥
अपराध सहस्त्राणि क्रियन्तेऽहर्निशं मया ।
दासोऽयमिति मां मंत्वा क्षमस्व परमेश्वरं ॥

॥ गणपति वन्दना ॥

विघ्नेश्वराय वरदाय सुरप्रिययाय, लम्बोदराय सकलाय जगद्धिताय ।
नागाननाय श्रुतियज्ञविभूषिताय, गौरीसुताय गणनाथ नमो नमस्ते ॥

॥ श्री दुर्गास्तुतिः ॥

ॐ जयन्ती मंगला काली, भद्रकाली कपालिनी ।
दुर्गा क्षमा शिवा धात्री, स्वाहा स्वधा नमोऽस्तुते ॥

॥ श्री लक्ष्मीस्तुतिः ॥

नमस्तेऽस्तु महामाये, श्रीपीठे सुरपूजिते ।
शंडचक्र-गदा-हस्ते, महालक्ष्मी नमोऽस्तुते ।

॥ श्री सरस्वतीस्तुतिः ॥

ॐ या कुन्देन्दु-तुषारहार धवला या शुभ्रवस्त्रवृता
या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना ।
या ब्रम्हाच्युतशंकर-प्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता
सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाडयापहा ॥

॥ श्री कृष्णस्तुतिः ॥

श्रीकृष्ण गोविन्द हरे मुरारे, हे नाथ नारायण वासुदेव ।
हरे मुरारे मधु-कैटभारे, निराश्रयं मां जगदीश रक्ष ॥

कर्पूरारती

कर्पूर गौरं करुणावतारं, संसार सारं भुजगेन्द्रहारम् ।
सदा वसन्तं हृदयारविन्दे, भवं भवानी सहितं नमामि ॥
मंदारमाला कुलिताल काय, कृपाल माला शसिशेखराय ।
दिगंबराय च दिंगबराय, नमःशिवाय ॐ नमःशिवाय ॥

क्षमाप्रार्थना

त्वमेव माता च पिता त्वमेव
त्वमेव बन्धु च सखा त्वमेव ।
त्वमेव विद्या, द्रविणं त्वमेव
त्वमेव सर्वम मम देवदेव ॥

गुरु ब्रम्हा, गुरु विष्णु
गुरु देवो महेश्वरः ।
गुरु साक्षात् पर ब्रम्हा
तस्मैय श्री गुरुवे नमः ॥

मंत्र पुष्पांजली

ॐ यज्ञेन यज्ञ मयजंत देवाः स्तानि
धर्माणी प्रथमान्यासन् ।
तेह नाकं महिमानः सचंत यत्रपूर्वे
साध्याः संति देवाः ॥
ॐ राजाधिराजाय प्रसहय साहिने नमो
वयं वैश्रवणाय कुर्महे ।
स मे कामान काम कामाय महयं कामे
स्वरो वैश्रवणीददातु ॥
कुबेराय वेश्श्रवणाय महाराजाय नमः ।
ॐ स्वस्ति । साम्राज्यं, भौज्यं,
स्वराज्यं, वैराज्यं, परमेष्ठयम् ॥
राज्यं, महाराज्यमाधिपत्यमयं
समंत पर्यायी स्यात् सार्व भौमः ।
सार्वायुष आंतादाप रार्धात्,
प्रथिव्यै समुद्रपर्यतांयाएक राडिति ॥
तदप्येष श्लोकोभिगीतो
मरुतः परिवेष्टारो मरुत्त स्यावसन् ग्रहे ।
आविक्षितस्य कामप्रेर्विश्वे देवाः सभासद ।

॥ विश्वकल्याण के लिए प्रार्थना ॥

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः ।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद् दुःखभाग् भवेत् ॥

श्री रामजी अयोध्या

गीता-सार

जो हुआ अच्छा हुआ ।
जो हो रहा है वह अच्छा हो रहा है ।
जो होगा वह भी अच्छा ही होगा ।
तुम्हारा क्या गया जो तुम रोते हो ?
तुम क्या लाये थे
जो तुमने खो दिया ?
तुमने क्या पैदा किया था
जो नष्ट हो गया ।
तुमने जो लिया यहीं से लिया ।
जो दिया, यहीं पर दिया ।
जो आज तुम्हारा है, कल किसी और का था ।
परसों किसी और का हो जायेगा ।

परिवर्तन ही संसार का नियम है ।

श्री हनुमानजी महाराज के दर्शन व

काशी किर्तन

के लिए कृपया लाग ऑन करें

www.jaihanuman.in